THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 224 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.5 2081 बुधवार, 6 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कृष्ण जन्मभूमि विवाद में सुनवाई दो सप्ताह के लिए टली, उच्च न्यायालय के आदेश को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए टाल दी है।

दरअसल मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उच्च न्यायालय ने हिंदू पक्ष द्वारा दायर मुकदमे की स्वीकार्यता को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षकारों से लिखित जवाब दाखिल करने को भी कहा है।

यूपी मदरसा कानून पर 'सुप्रीम' मुहर

सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 'उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004' की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी है। कोर्ट ने कहा कि यह धर्मनिरपक्षेता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था देकर गलती की कि मूल ढांचे यानी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने के कारण उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को खारिज करना होगा।

कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को उस खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यूपी मदरसा अधिनियम केवल इस हद तक असंवैधानिक है कि यह फाजिल और कामिल के तहत उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करता है, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की विधायी योजना मदरसों में दी जा रही शिक्षा के स्तर के मानकीकरण के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में क्या :

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार कर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य के मदरसों को एक बड़ी राहत दी। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हम उत्तर प्रदेश मदरसा कानून की वैधता बरकरार रखते हैं। एक बात यह भी है कि यदि राज्य के पास विधायी शक्ति नहीं है, केवल तभी किसी कानून को खारिज किया जा सकता है।

फैसले से किसे राहत :

फैसला उत्तर प्रदेश के मदरसों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उच्च न्यायालय ने इन मदरसों को बंद करने और वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को राज्य के अन्य विद्यालयों में दाखिला देने का आदेश दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च के अपने फैसले में कानून को संविधान के खिलाफ और धर्मनिरक्षेता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को नियमित स्कूलों में दाखिला देने का निर्देश दिया था। मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को राहत देते हुए सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 5 अप्रैल को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को रद्द कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था कि मदरसों का नियमित करना राष्ट्रीय हित में है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर लखनऊ ईदगाह इमाम और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी ने कहा कि इस फैसले से मदरसे से जुड़े लोगों में खुशी की लहर है।

यूपी मदरसा अधिनियम का मसौदा यूपी सरकार ने ही बनाया था।

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत

※ कहीं तो रुकना पड़ेगा ※ अब चुनाव नहीं लड़ूंगा ※ नए लोगों को चुनकर आना चाहिए

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी (एसपी) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे।

84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, कहीं तो रुकना ही पड़ेगा।

मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि राज्यसभा जाना है या नहीं। 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की। 1960 में कांग्रेसी नेता केशवराव जेधे का निधन हुआ और बारामती लोकसभा सीट खाली हो गई। उपचुनाव में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी पीडब्ल्यूपी ने शरद के बड़े भाई बसंतराव पवार को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने गुलाबराव जेधे को उम्मीदवार बनाया। उस वक्त वाईबी चव्हाण महाराष्ट्र के सीएम थे। उन्होंने बारामती सीट को अपनी साख का मुद्दा बना लिया था। शरद अपनी किताब 'अपनी शर्तों पर' में लिखते हैं कि मेरा भाई कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार था। हर कोई सोच रहा था कि मैं क्या करूंगा? बड़ी मुश्किल स्थिति थी। भाई बसंतराव ने मेरी परेशानी समझ ली। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि तुम कांग्रेस की विचारधारा के लिए समर्पित हो। मेरे खिलाफ प्रचार करने में संकोच मत करो।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का 20 लाख छात्रों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्त्वपूर्ण आदेश देते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को सही ठहराया है। अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया है जिसमें मदरसा एक्ट को गलत ठहरा दिया गया था। इससे मदरसों में पढ़ रहे बच्चों के भविष्य को लेकर एक अनिश्चितता पैदा हो गई थी। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से यूपी के लगभग 25 हजार मदरसों में पढ़ रहे करीब 20 लाख छात्रों पर सीधा असर पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के निवर्तमान चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा कि मदरसा एक्ट को बनाना, उसमें बदलाव करना विधानसभा का अधिकार है। इसे किसी न्यायिक संस्था द्वारा निरस्त करना कानूनन सही नहीं था। उन्होंने कहा कि, ऐसा लगता है कि इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष सही तथ्य नहीं रखे गए और अदालत ने इस मामले पर सही रुख नहीं अपनाया जिसके कारण इस तरह की गलतफहमी पैदा हुई। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया है कि अब मदरसा शिक्षा को गलत या गैर कानूनी कहना सही नहीं है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर कर मदरसा शिक्षा को गलत ठहराने की मांग की गई थी। याचिका में राज्य सरकार द्वारा धार्मिक शिक्षा के लिए धन आवंटित करने को संविधान के विरूद्ध बताया गया था। अदालत ने भी इस चिंता को सही पाया था और लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अंततः इसे अवैध ठहरा दिया था। लेकिन इसकी अपील पर सर्वोच्च न्यायालय ने इसे सही ठहरा दिया है।

सरकारें सभी प्राइवेट प्रॉपर्टी पर कब्जा नहीं कर सकतीं : सुप्रीम कोर्ट

हर निजी संपत्ति भौतिक संसाधन नहीं, 45 साल पहले दिया अपना ही फैसला पलटा

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। क्या सरकार आम लोगों की भलाई के लिए निजी संपत्तियों का संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत अधिग्रहण कर सकती है? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को 1978 (45 साल पहले) में दिया गया अपना ही फैसला पलट दिया।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में 9 जजों की बेंच ने 7:2 के बहुमत से फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति नहीं कह सकते। कुछ खास संसाधनों को ही सरकार सामुदायिक संसाधन मानकर इनका इस्तेमाल आम लोगों के हित में कर सकती है। बेंच ने 1978 में दिए जस्टिस कृष्ण अय्यर के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था, सभी निजी संपत्तियों पर राज्य सरकारें कब्जा कर सकती हैं। सीजेआई बोले- पुराना फैसला विशेष आर्थिक, समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। हालांकि राज्य सरकारें उन संसाधनों पर दावा कर सकती हैं जो भौतिक हैं और सार्वजनिक भलाई के लिए समुदाय द्वारा रखे जाते हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने बहुमत का फैसला सुनाया। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि जस्टिस सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई।

याचिका में क्या मांग की गई थी :

बेंच 16 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1992 में मुंबई स्थित प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन (पीओए) द्वारा दायर मुख्य याचिका भी शामिल है। पीओए ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट एक्ट (एमएचएडीए) अधिनियम के अध्याय VIII-ए का विरोध किया है। 1986 में जोड़ा गया यह अध्याय राज्य सरकार को जीर्ण-शीर्ण इमारतों और उनकी जमीन को अधिगृहीत करने का अधिकार देता है, बशर्ते उसके 70 प्रतिशत मालिक ऐसा अनुरोध करें। इस संशोधन को प्रॉपर्टी ओनर्स एसोसिएशन की ओर से चुनौती दी गई है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एमएचएडीए प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 31-सी द्वारा संरक्षित है, जिसे कुछ नीति निदेशक तत्वों (डीपीएसपी) को प्रभावी करने वाले कानूनों की रक्षा के इरादे से 1971 के 25वें संशोधन अधिनियम द्वारा डाला गया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को सराहा

कहा-संकट के समय में यह बहुत उपयोगी

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व जहां संघर्ष और जलवायु संकट का सामना कर रहा है, ऐसे समय में बौद्ध धर्म के पास मानव समुदाय को देने के लिए बहुत कुछ है। इनकी शिक्षाएं संकट के समय काफी उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म की शिक्षाओं में करुणा शब्द शामिल है, जिसकी विश्व को आज जरूरत है।

बंदीपोरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

जम्मू, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अलूसा बांदीपोरा के जेत्सुन जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया है। और यह मुठभेड़ अब बांदीपोरा के चूंटपथरी क्षेत्र में बढ़ गई है। पुलिस बांदीपोरा और 26 असम राइफल्स की संयुक्त टीम अभियान में शामिल है। मुठभेड़ स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा इलाके को घेर लिया गया है और ऑपरेशन जारी है। इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एक और आतंकी हमले की घटना सामने आई थी, जब आतंकियों ने संडे बाजार के एक भीड़ भाड़ इलाके में ग्रेनेड हमला किया। इस हमले में 12 लोग घायल हो गए थे, जिनमें से सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने टीआरसी के पास एक भरे बाजार में ग्रेनेड फेंका, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सुबह-शाम खेल के मैदान में उतरेंगे सीआरपीएफ अधिकारी

बंक न मारें, इसलिए होगी वीडियो रिकॉर्डिंग : अमित शाह

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' के अधिकारियों को अब ड्यूटी के अलावा खेल के मैदान में भी उतरना पड़ेगा। जहां कहीं भी 50 या उससे अधिक की नफरी है, वहां पर अधिकारियों को किन्हीं दो खेलों में भाग लेना होगा। सीआरपीएफ मुख्यालय, अधिकारियों की खेल से जुड़ी गतिविधियों पर बराबर नजर रखेगा।

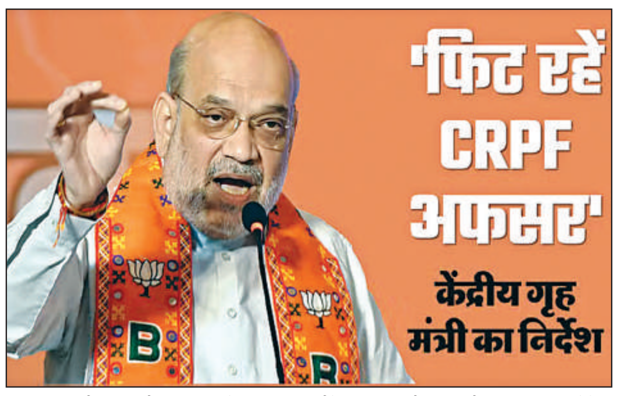

कितने अधिकारी मैदान में उतरे हैं, कौन सा गेम कर रहे हैं, सुबह और शाम मैदान में बराबर आ रहे हैं या नहीं, इन सबकी वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। फोटो भी खींचे जाएंगे।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 25 अक्टूबर को केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अफसरों की एक बैठक में खेलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया था। इसके पीछे गृह मंत्री की यह सोच रही है कि खेल गतिविधियों से अफसर व जवान, सभी लोग फिट रहेंगे। उन्हीं में से कोई अधिकारी या जवान, किसी खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक भी पहुंच सकता है। इसके बाद बल निदेशालय ने अपने सभी सेक्टरों, रेंज, ग्रुप सेंटर, बटालियन व कंपनी स्तर पर यह संदेश पहुंचा दिया कि अधिकारियों को रोजाना खेलों में भाग लेना होगा। हालांकि बल की सभी यूनिट/इकाई में 50 से ज्यादा अधिकारी/जवान रहते हैं, ऐसे में वहां दो खेलों में उनकी उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

सेक्टर स्तर पर उक्त दोनों खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। संबंधित अफसर, खेल गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

सीआरपीएफ के सभी अफसर, खेलों में भाग ले रहे हैं या नहीं, इसके लिए भी एक मेकेनिज्म तैयार किया गया है। मॉर्निंग मार्कर/पीटी और शाम को स्पोर्ट एक्टिविटी में अधिकारियों को अनिवार्य तौर पर भाग लेना होगा। उक्त समय पर अफसर, खेलों में हिस्सा ले रहे हैं, इसके लिए उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी। फोटो भी खिंचेंगे। सभी वीडियो और फोटो, 8 नवंबर तक बल के आईटी निदेशालय और ट्रेनिंग निदेशालय को भेजने होंगे।

वहां से इन्हें सीआरपीएफ की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। अधिक आयु वालों के लिए अलग से खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी। उनकी आयु के हिसाब से खेलों का चयन किया जाएगा। सभी खेल प्रतियोगिताएं, ग्राउंड लेवल पर हो रही हैं, इसके लिए एक्शन टेकन रिपोर्ट तैयार होगी।

राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग के दौरान भारी बारिश

कमला के लिए भारत में पूजा, मस्क बोले-ट्रम्प हारे तो ये आखिरी चुनाव होगा

वॉशिंगटन, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 47वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से भारतवंशी कमला हैरिस मैदान में हैं। कमला हैरिस फिलहाल अमेरिका की उप-राष्ट्रपति हैं, वहीं ट्रम्प 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। वोटिंग के दौरान 3 बड़े स्विंग स्टेट्स- पेन्सिल्वेनिया, विस्कॉन्सिन और मिशिगन में बारिश हो रही है। भारतवंशी कमला हैरिस की जीत के लिए दक्षिण भारत में लोग पूजा कर रहे हैं। वहीं, चुनाव में ट्रम्प का समर्थन कर रहे इलॉन मस्क ने कहा कि अगर चुनाव में ट्रम्प हारते हैं तो ये अमेरिका का आखिरी चुनाव होगा। मस्क ने कहा कि अगर हम ट्रम्प को नहीं चुनेंगे तो देश में लोकतांत्रिक सिस्टम खत्म हो जाएगा और सिर्फ एक ही डेमोक्रेटिक पार्टी बचेगी। वहीं, ट्रम्प ने चुनाव से पहले मिशिगन में अपनी आखिरी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मेरा मुकाबला कमला हैरिस से नहीं बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 'शैतानी सिस्टम' से है। ट्रम्प ने अपने वोटरों से घरों से निकलने और वोट करने को कहा।

जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसदों ने की स्पीकर बिरला से मुलाकात

> चेयरमैन जगदंबिका पाल के खिलाफ की शिकायत

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लेकर बनाई गई जेपीसी की बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसदों के बीच लगातार जारी तकरार अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तक पहुंच गई है।

जेपीसी में शामिल कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी, आप और सपा के विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर जेपीसी चेयरमैन जगदंबिका पाल के व्यवहार की शिकायत की है। बताया जा रहा है कि विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान यह आरोप लगाया है कि जेपीसी के चेयरमैन मनमाने तरीके से जेपीसी की बैठकें बुला रहे हैं और ऐसे लोगों एवं संगठनों को जेपीसी की बैठक में पक्ष रखने का मौका दिया जा रहा है जो इस मामले के स्टेकहोल्डर्स ही नहीं है।

विपक्षी सांसदों का यह भी आरोप है कि एक तरफ ऐसे लोगों और संगठनों को लगातार बोलने का मौका दिया जा रहा है जिनका वक्फ से कोई लेना-देना नहीं है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्षी सांसदों को तैयारी करने और बोलने का उचित मौका नहीं दिया जा रहा है।

स्पीकर बिरला से मुलाकात करने के बाद 'आप' सांसद संजय सिंह ने बताया कि विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर, जेपीसी की बैठकों में आ रही समस्याओं की जानकारी उन्हें दी। सिंह ने दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया है।

उल्लेखनीय है कि विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर जगदंबिका पाल पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि अगर चेयरमैन की मनमानी जारी रही, एकपक्षीय फैसला हुआ और उन्हें अपनी बात रखने का उचित मौका नहीं दिया गया तो वे जेपीसी से ही अपना नाम वापस ले लेंगे। विपक्षी सांसदों ने बिरला को लिखे पत्र में पाल पर मनमाने तरीके से लगातार जेपीसी की बैठकें बुलाने और विपक्षी सांसदों को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं देने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्षी सांसदों ने अपने पत्र में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात का समय भी मांगा था। इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए स्पीकर बिरला ने मंगलवार को विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की।

परमिशन मिलने पर फ्लाइट में इस्तेमाल कर सकेंगे वाई-फाई

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट में पैसेंजर्स वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस का इस्तेमाल तभी कर पाएंगे, जब विमान इंडियन एयर स्पेस में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद उसमें इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी।

सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए फ्लाइट एंड मेरीटाइम कनेक्टिविटी (अमेंडमेंट) रूल्स, 2024 के तहत आया है। इससे पहले 2018 में यह अनिवार्य किया गया था कि विमान में मोबाइल कम्युनिकेशन सर्विस तभी शुरू की जा सकती है जब विमान स्थलीय मोबाइल नेटवर्क के साथ हस्तक्षेप से बचने के लिए 3,000 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर पहुंच जाए। अब नए नियम के अनुसार, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद भी वाई-फाई के माध्यम से इंटरनेट सर्विस तब ही उपलब्ध कराई जाएगी।

न्यायपालिका की आजादी का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसले देना नहीं

सीजेआई बोले-समाज बदल गया है

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब ये नहीं है कि हमेशा सरकार के खिलाफ ही फैसले दिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश ने लोगों से जजों के फैसलों में विश्वास रखने की अपील की, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक व्यवस्था का निष्पक्ष रहना बेहद जरूरी है।

क्या बोले सीजेआई डीवाई

दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ फैसला दिया था तो उन्हें निष्पक्ष बताया गया था। सीजेआई ने कहा कि जब आप इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में फैसला करते हैं तो तब आप पूरी तरह आजाद हैं, लेकिन अगर आपका कोई फैसला सरकार के पक्ष में चला जाता है तो तब आप आजाद नहीं रह जाते। मेरे हिसाब से स्वतंत्रता की यह परिभाषा नहीं है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी 2024 को इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इसे बंद करने का आदेश दिया था। इस योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को फंडिंग मिलने का प्रावधान था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने इस योजना को खारिज कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब सरकार के प्रभाव से आजादी है, लेकिन सिर्फ ये ही एक चीज नहीं है, जिससे न्यायापालिका आजाद मानी जाएगी। हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया का इस पर गहरा प्रभाव पड़ा है और अब ऐसे समूह बन गए हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल कर अदालतों पर दबाव बनाते हैं और अपने पक्ष में फैसले कराने की कोशिश करते हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कई समूह ऐसे हैं, जो न्यायपालिका की तब ही आजाद मानते हैं, जब उनके पक्ष में फैसला होता है। एक जज को स्वतंत्र होना चाहिए और अपने विवेक के आधार पर फैसले करने चाहिए और बेशक उनके फैसले कानून और संविधान के आधार पर होने चाहिए। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश आगामी 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हो रहे हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों गणेश उत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के आवास पर गए थे, उसे लेकर भी खूब विवाद हुआ था। हालांकि सीजेआई ने प्रधानमंत्री के उनके निजी धार्मिक समारोह में शामिल होने को भी गलत नहीं माना था।

सीजेआई ने कहा कि मैंने अर्नब से लेकर जुबैर तक को जमानत दी है और यही मेरी फिलॉसफी है। कुछ मामलों में जमानत न दिए जाने संबंधी टिप्पणियों पर सीजेआई ने कहा कि यह मेरे लिए भी चिंता का विषय है।

दुष्कर्म मामले में चार्जशीट

पूर्व सेना अधिकारी की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस, अब 6 को सुनवाई

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक पूर्व सैन्य अधिकारी की याचिका पर सुनवाई की। दरअसल, याचिका में पूर्व अधिकारी ने कथित दुष्कर्म मामले में अपने खिलाफ दायर आरोपपत्र को निरस्त करने का आग्रह किया है।

दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को नोटिस

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला की पीठ ने कैप्टन राकेश वालिया (सेवानिवृत्त) की याचिका पर सुनवाई की, जिन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के याचिका खारिज करने संबंधी आदेश को चुनौती दी है। पीठ ने दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया।

याचिकाकर्ता के वकील ने दी दलील

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अश्विनी कुमार दुबे ने याचिका में तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि पिछले आठ वर्षों में शिकायतकर्ता ने याचिकाकर्ता सहित सात अलग-अलग थानों में नौ अलग-अलग व्यक्तियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और गलत तरीके से सात प्राथमिकी दर्ज कराई हैं।

इस दिन होगी सुनवाई

बता दें, अब मामले की सुनवाई छह दिसंबर को होगी। इससे पहले उच्च न्यायालय ने 31 जुलाई के अपने आदेश में कहा था कि निचली अदालत में मामला है और वह याचिकाकर्ता की ओर से दी गईं दलीलों पर विचार करने के बाद उचित आदेश पारित करेगी।

क्या कहा गया याचिका में?

याचिका में कहा गया, 'याचिकाकर्ता 63 साल का है और भारतीय सेना का एक सम्मानित अधिकारी रहा है। वह गंभीर चिकित्सा बीमारियों से ग्रस्त है और उसे दिल का बड़ा दौरा पड़ा था तथा उसे दो स्टेंट लगाए गए हैं। उसे कैंसर होने का भी पता चला है। वह कानूनी प्रक्रिया का गंभीर दुरुपयोग करने वाली शिकायतकर्ता से उत्पीड़ित है जिसका काम दुष्कर्म और छेड़छाड़ संबंधी कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग करके और निर्दोष नागरिकों को झूठे मामलों में फंसाकर सम्मानित नागरिकों से (उनकी)मेहनत की कमाई वसूलना है।' याचिका के अनुसार, 2019-2020 के आसपास कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान याचिकाकर्ता से शिकायतकर्ता ने संपर्क किया था, जिसने खुद को 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' बताकर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर पूर्व सैन्य अधिकारी की पुस्तक 'ब्रोकन क्रेयॉन कैन स्टिल कलर' के प्रचार की बात कही। इसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता को शिकायतकर्ता के प्रस्ताव में दिलचस्पी हुई और जून 2021 के आसपास लॉकडाउन के तुरंत बाद उसकी सेवा लेने का फैसला किया। इसके बाद 29 दिसंबर 2021 को याचिकाकर्ता अपनी आत्मकथा को प्रचारित करने के तौर-तरीकों पर चर्चा करने के लिए लड़की से व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए सहमत हुआ और वे छतरपुर मेट्रो स्टेशन पर मिले तथा नोएडा की ओर गए। इसमें कहा गया, 'उस दिन बाद में, याचिकाकर्ता ने लड़की को बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन, सेक्टर 38, नोएडा में पुलिस चौकी के सामने छोड़ दिया। इसके बाद, याचिकाकर्ता को तब झटका लगा जब उसे शाम करीब 6:00 बजे सेक्टर 37 नोएडा पुलिस चौकी से फोन आया, जिसमें कहा गया कि प्रतिवादी संख्या 2 (लड़की) शाम लगभग 5 बजे पुलिस चौकी आई और आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता ने उसे नशीला पदार्थ पिलाने के बाद शाम 4:15 बजे उसके साथ दुष्कर्म किया था।'

केंद्र सरकार ने विकिपीडिया को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने विकिपीडिया को एक नोटिस भेजा है। इस नोटिस में केंद्र सरकार ने लिखा है कि वीकिपीडिया के द्वारा प्रदान की गई जानकारी में एकतरफा लेखन और भ्रामक जानकारियां होने की कई शिकायतें मिली हैं। केंद्र ने पूछा है कि इसे मध्यस्थ के बजाय पब्लिशन के रूप में क्यों नहीं माना जाना चाहिए। केंद्र ने वीकिपीडिया से जवाब मांगा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के द्वारा कहा गया है कि ऐसा विचार है कि एक छोटा समूह अपने पृष्ठों पर संपादकीय नियंत्रण रखता है। बता दें कि विकिपीडिया खुद को एक मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश के रूप में बताता है, जहां किसी भी चीज के बारे में पता लगाया जा सकता है। व्यक्तित्वों, मुद्दों या विभिन्न विषयों पर पेज बना या संपादित कर सकते हैं। जानकारी का यह ऑनलाइन स्रोत, इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली भ्रामक जानकारी के लिए भारत में कानूनी मामलों का सामना कर रहा है।

सीएम उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटों जहीर और जमीर ने पहली बार देखी विधानसभा की कार्यवाही

श्रीनगर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटे जहीर और जमीर ने मंगलवार को पहली बार जम्मू और कश्मीर विधान सभा की कार्यवाही देखी। दोनों 20 के दशक में हैं और पेशे से वकील हैं। यह दोनों उमर अब्दुल्ला और उनकी पूर्व पत्नी पायल नाथ के बेटे हैं। जहीर और जमीर अब्दुल्ला विधान सभा परिसर में पहुंचे और वहां शोक प्रस्तावों के दौरान कार्यवाही देखी। वे मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी के पास बैठे थे। जहीर और जमीर ने विधान सभा चुनावों के दौरान गंदरबल क्षेत्र में अपने पिता के लिए प्रचार किया था, जहां से उमर अब्दुल्ला ने चुनाव लड़ा और जीता। इन दोनों को संसद चुनावों के दौरान भी अपने पिता के साथ देखा गया था, हालांकि उमर अब्दुल्ला बारामुला लोकसभा सीट से हार गए थे। विधानसभा चुनावों में भी यह जोड़ी सक्रिय रूप से अपने पिता के लिए प्रचार करती नजर आई थी। वे पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले और उनके साथ बातचीत की। इसके अलावा, इन दोनों ने गंदरबल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित भी किया और उन्हें आश्वस्त किया कि वे उनकी समस्याओं का समाधान खुद करेंगे। हाल ही में जहीर और जमीर अब्दुल्ला ने जम्मू में पार्टी की युवा बैठक में भी भाग लिया और पार्टी के छात्रों के संघ कार्यालय में युवाओं से संवाद किया। हालांकि दोनों ने राजनीति में शामिल होने की कोई योजना नहीं बनाई है। उनका कहना है कि वे अभी बहुत युवा हैं और पहले सीखना चाहते हैं।

याचिकाकर्ता ने याद दिलाया एससी का फैसला, एमपी हाई कोर्ट ने थानों में मंदिर निर्माण पर लगा दी रोक

भोपाल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य भर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों के परिसरों के अंदर मंदिरों के निर्माण पर रोक लगा दी और सरकार को नोटिस जारी किया। मामले में याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुख्य न्यायाधीश एसके कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने पूरे मध्य प्रदेश में पुलिस स्टेशन परिसरों के अंदर मंदिरों के निर्माण को चुनौती देने वाली याचिका पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य को नोटिस भी दिए। वकील सतीश वर्मा ने कहा कि वकील ओम प्रकाश यादव ने पुलिस स्टेशनों के परिसर के अंदर मंदिरों के निर्माण को चुनौती देते हुए याचिका दायर की। वकील ने तर्क दिया कि जिस खुली जगह पर इन मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है वह एक सार्वजनिक स्थान है। सतीश वर्मा ने कहा कि याचिका में सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक संरचनाओं के निर्माण पर रोक लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश का हवाला दिया गया है। इस प्रकार मध्य प्रदेश में पुलिस स्टेशन के परिसर के अंदर मंदिरों का चल रहा निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए कुछ पुलिस स्टेशनों में मंदिर पहले ही बन चुके हैं। सतीश वर्मा ने कहा, याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका के साथ उन तस्वीरों को भी संलग्न किया है, जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि कुछ पुलिस स्टेशनों के अंदर मंदिर बनाए गए हैं।

क्या था सुप्रीम कोर्ट का आदेश?

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि सार्वजनिक जगहों पर स्थित किसी भी धार्मिक ढांचे को, चाहे वह दरगाह हो या मंदिर, उसे हटाना होगा क्योंकि जनहित सबसे ऊपर है। भारत धर्मनिरपेक्ष देश है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हम जो भी तय कर रहे हैं वह सभी नागरिकों, संस्थानों के लिए है, सिर्फ किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं। किसी विशेष धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता।

डिप्टी सीएम अजित पवार को लेकर नवाब मलिक की बड़ी भविष्यवाणी

'हम तय करेंगे अजित पवार ने मेरे बुरे वक़्त में मेरा और परिवार का साथ दिया है

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मानखुर्द शिवाजीनगर सीट पर महायुति गठबंधन के दो उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है। दरअसल, एनसीपी अजित पवार की तरफ से जहां नवाब मलिक को प्रत्याशी बनाया है वहीं शिवसेना शिंदे ने इस सीट पर सुरेश पाटील को टिकट दिया है। इसी बीच मलिक का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझसे बीजेपी और शिवसेना के लोग विशेष प्रेम करते है। मैं एनसीपी का उम्मीदवार हूं और अजित पवार किंग मेकर बनेंगे, हम तय करेंगे सरकार कैसे बनेगी। पूर्व मंत्री मलिक ने आगे कहा कि अजित पवार ने मेरे बुरे वक़्त में मेरा और परिवार का साथ दिया है। वहीं उन्होंने कहा कि वे अपने चुनाव प्रचार में बीजेपी या शिवसेना के पोस्टर या फोटो का इस्तेमाल नहीं करेंगे। इस सीट पर नवाब मलिक vs ऑल की लड़ाई है।

'महायुति के पास मात्र 28,000 वोट हैं'

वहीं एक अन्य सवाल के जवाब में नवाब मलिक ने कहा मुझे पता नहीं कि किसकी राजनीति क्या है। मेरा पूरा ध्यान मेरी और मेरी बेटी की विधानसभा सीट पर है। महाराष्ट्र में जो राजनीति चल रही है उससे जनता भी पूरी तरह से कन्फ्यूज्ड है। महायुति के लोग मुझसे कितना प्यार करते हैं ये देश और महाराष्ट्र जानता है लेकिन मैं ये साफ कर दूं कि इस (मानखुर्द शिवाजी नगर) सीट पर महायुति के पास मात्र 28,000 वोट हैं और उन्हें पता है कि इस बार वे जीत नहीं सकते।

'महाराष्ट्र में किसी की एकतरफा लहर नहीं'

एनसीपी नेता ने कहा कि हमारी लड़ाई इस विधानसभा क्षेत्र में किसी व्यक्ति या दल से नहीं बल्कि हमारी लड़ाई पूरी तरह से व्यवस्था के खिलाफ है। जनता हमें बुलाकर चुनाव लड़वा रही है। इस चुनाव में पूरे महाराष्ट्र में किसी की भी एकतरफा लहर नहीं है, नतीजा कुछ भी आ सकता है। इससे पहले बीजेपी नेता व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की एनसीपी नेता पर प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा कि मलिक को टिकट देकर अजित पवार की पार्टी ने सही नहीं किया। हमने पवार को इसके लिए मना किया था इसके बावजूद वे नहीं माने तो हमें शिवसेना का एक कैंडिडेट वहां उतारना पड़ा।

उमर खालिद को जमानत मिलने में क्यों हो रही देरी? सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के मामले में जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई में देरी को लेकर के देश के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ से सवाल पूछा गया। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कई मामले का जो मीडिया में दिखाया जाता है उससे वे काफी अलग हो सकते हैं। एक जज किसी मामले की सुनवाई करते समय अपने दिमाग का इस्तेमाल करता है और बिना किसी पक्षपात के उसके मैरिट के आधार पर फैसला करता है। एक कार्यक्रम में सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि मीडिया में एक विशेष मामला महत्वपूर्ण हो जाता है और फिर उस विशेष मामले पर कोर्ट की आलोचना की जाती है। उन्होंने कहा, 'सीजेआई के रूप में पदभार संभालने के बाद मैंने जमानत के मामलों को प्राथमिकता देने का फैसला किया क्योंकि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित है। यह फैसला लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट की कम से कम हर पीठ को 10 जमानत मामलों की सुनवाई करनी चाहिए। 9 नवंबर 2022 से 1 नवंबर 2024 के बीच सुप्रीम कोर्ट में 21,000 जमानत मामले दायर किए गए। इस दौरान 20,358 जमानत मामलों का निपटारा किया गया है।' सीजेआई ने बताया कि इसी अवधि में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज 967 मामलों में से 901 का निपटारा किया गया। उन्होंने कहा, 'एक दर्जन राजनीतिक मामले प्रमुख लोगों से जुड़े हैं, जिनमें हाल के महीनों में जमानत दी गई है। अक्सर मीडिया में किसी मामले के एक खास पहलू को पेश किया जाता है। जब कोई जज किसी मामले के रिकॉर्ड पर ध्यान देता है, तो जो सामने आता है वह उस विशेष मामले के मैरिट्स के बारे में मीडिया में दिखाई गई पिक्चर से काफी अलग हो सकता है।

अखिलेश यादव के लिए नहीं बन पाई जगह! सपा ने 8 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नामांकन पत्रों की वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद अब चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। महाविकास आघाडी ने आखिरी तक कई सीटों पर सस्पेंस बनाए रखा। समाजवादी पार्टी की तरफ से आठ सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे गए हैं। जिसमें मानखुर्द शिवाजीनगर सीट से अबू आसिम आजमी को टिकट दिया है तो वहीं भिवंडी से रईस शेख को मैदान में उतारा गया है।

इन दो सीटों पर एमवीए की तरफ से प्रत्याशी नहीं उतारे गए हैं। अन्य छह विधानसभा सीटों पर एमवीए और सपा उम्मीदवार के बीच फ्रेंडली फाइट देखने को मिलेगी।

रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी: दिशा की बैठक में लिया हिस्सा, पुलिस ने गेट पर रोका तो भड़के कांग्रेस कार्यकर्ता

रायबरेली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने दिशा की बैठक में हिस्सा लिया। राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कलेक्ट्रेट और फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहा के पास भारी संख्या में पुलिस तैनात रहा। राहुल गांधी ने कलेक्ट्रेट परिसर में पुलिस से गार्ड ऑफ ऑनर लिया। इसके बाद कई योजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के गेट तक जाने का प्रयास किया तो उन्हें रोक दिया गया। सीओ सलोन और पुलिस ने किसी को भी कलेक्ट्रेट गेट तक जाने की अनुमति नहीं दी। इस कारण कांग्रेसियों में रोष भी दिखा। वह सुबह करीब 10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से निकले। बछरांवा के रास्ते रायबरेली पहुंचे। इससे पहले बछरांवा में चुरुआ मंदिर में रुककर हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। दर्शन-पूजन करके आगे के लिए निकले। बछरांवा कस्बा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

खेत में बैठे बुजुर्ग को अजगर ने जकड़ा, गले में लगाया फंदा, हो गई मौत

मंडला, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक खेत में अजगर ने एक बुजुर्ग को अपना शिकार बनाया है, जिससे बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग का पोस्टमार्टम करके शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। शाम 7 बजे के करीब मंडला के राता गांव में एक बुजुर्ग शख्स खेत की तरफ जा रहा था। इसी दौरान खेत की मेढ़ पर बैठे अजगर ने उसे अपना शिकार बना लिया। अजगर ने इस कदर बुजुर्ग के गले को जकड़ा कि अस्पताल लाते समय बुजुर्ग की मौत हो गई। आज बुजुर्ग का पोस्टमार्टम कर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।

महायुति-एमवीए के इन बागियों ने वापस लिया नामांकन, कौन अभी भी कर रहा बगावत?

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की वोटिंग में अब कुछ दिन और रह गए हैं। इसी बीच महायुति और महा विकास अघाड़ी के लिए सिरदर्द बने बागी उम्मीदवारों से कुछ राहत मिली है। सोमवार को महाराष्ट्र में नामांकन वापसी का आखिरी दिन था। कई बागी नेताओं ने नामांकन वापस लिया है। गोपाल शेट्टी ने बोरीवली सीट से नामांकन वापस लिया है। इसके अलावा विजयराज शिंदे ने बुलढाणा सीट से, किशोर समुद्रे ने मध्य नागपुर सीट से, अमित घोडा ने पालघर सीट से, विश्वजीत गायकवाड ने लातूर सीट से, किरण ठाकरे ने कर्जत खालापुर सीट से, प्रतिभा पाचपुते ने श्रीगोंदा सीट से, शिवाजी उर्फ पप्पू डोंगरे ने सांगली सीट से, संदीप सरोदे ने काटोल सीट से और गुहागर से बीजेपी के बागी संतोष जैतापकर ने नामांकन वापस लिया है। स्विकृती शर्मा-अंधेरी पूर्व, सुरज सोळुंके-उस्मानाबाद, जगदीश धोडी-बोईसर, प्रशांत लोखंडे-श्रीरामपूर, अविनाश राणे-अणुशक्तीनगर, राजू परावे-उमरेड, धनराज महाले-दिंडोरी, जयदत्त क्षीरसागर ने बीड से नामांकन वापस लिया है। संदीप बाजोरिया- यवतमाळ, जयदत्त होळकर- येवला, संगीता वाझे-मुलुंड, मिलिंद कांबळे ने कुर्ला सीट से नामांकन वापस लिया है। मनसे के बागी उम्मीदवार अंकुश पवार ने नासिक मध्य, आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार वृषभ वानखेडे ने काटोल, बहुजन विकास आघाडी के बागी अशोक भोईर ने पालघर, वंचित बहुजन आघाडी के बागी जिशान हुसैन ने अकोला सीट से नामांकन वापस लिया है।

नीलांचल एक्सप्रेस ट्रेन पर कई राउंड फायरिंग होने से मच गया हड़कंप

भुवनेश्वर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में चलती ट्रेन पर फायरिंग हुई है। ट्रेन के ऊपर कई राउंड गोलियां दागी गई हैं। इस घटना के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मामले की जांच में जुटे हुए हैं। ओडिशा में बदमाशों ने नीलांचल एक्सप्रेस पर गोलियां चलाई हैं। आज सुबह 9.25 बजे ये घटना घटी है। इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब ट्रेन चरंपा रेलवे स्टेशन से रवाना हो रही थी। ट्रेन प्रबंधक से शिकायत मिलने के बाद भद्रक जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है। ये गोलीबारी गार्ड के वैन डिब्बे की ओर की गई थी, जिसमें किसी भी यात्री के बैठने की जगह नहीं थी। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारी अभी भी यह जांच कर रहे हैं कि गोलीबारी किसने की और क्या मकसद था। इससे पहले कई दिनों तक अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर बम की धमकी मिली थी। हालही में बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन में बम होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया था। उत्तर प्रदेश के गोंडा में ट्रेन नंबर 12565 बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन में बम की सूचना से खलबली मच गई थी और आरपीएफ और जीआरपी पुलिस की टीम ने डॉग स्क्वाड के साथ ट्रेन की अलर्टनेस के साथ चेकिंग की थी। हालांकि बाद में कुछ भी नहीं मिली और ट्रेन डेढ़ घंटे की देरी के बाद रवाना की गई।

आईपीएस संजय वर्मा महाराष्ट्र के नए डीजीपी बनाए गए, सोमवार को किया गया था रश्मि शुक्ला का तबादला

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी संजय कुमार वर्मा को मंगलवार को महाराष्ट्र का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया। विधि एवं प्रौद्योगिकी महानिदेशक के तौर पर सेवा दे रहे 1990 बैच के अधिकारी वर्मा रश्मि शुक्ला की जगह लेंगे। प्रमुख विपक्षी दलों की शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य पुलिस प्रमुख के पद से शुक्ला को हटाने का निर्देश दिया था। अधिकारी ने बताया कि संजय कुमार वर्मा को अप्रैल 2028 में सेवानिवृत्त होना है।

20 नवंबर को चुनाव

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हाल ही में एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों को न केवल निष्पक्ष रहने की चेतावनी दी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वे अपने

कर्तव्यों का पालन करते समय पक्षपात करते न दिखें।

राजनीतिक रूप से प्रेरित अपराधों पर चिंता व्यक्त की थी

इससे पहले 29 अक्तूबर को राजीव कुमार ने महाराष्ट्र में राजनीतिक रूप से प्रेरित अपराधों पर चिंता व्यक्त की थी और डीजीपी शुक्ला से ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा था।

शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने किया फैसले का स्वागत

तबादले के आदेश पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था कि हम चुनाव आयोग द्वारा महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला के खिलाफ लिए गए फैसले का स्वागत करते हैं। शरद पवार ने भी इस फैसले को सही करार दिया था।

नाना पटोले ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा

इस बीच महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि चुनाव आयोग से अनुरोध है कि वह सुनिश्चित करे कि डीजीपी रश्मि शुक्ला को किसी अन्य पद पर नियुक्त न किया जाए, जिससे कानूनी ढांचे का पालन हो और संस्था में जनता का विश्वास मजबूत हो।

इससे पहले झारखंड के भी डीजीपी बदले गए

महाराष्ट्र से पहले झारखंड में भी चुनाव आयोग के निर्देश पर डीजीपी को बदला गया था। जिसमें 19 अक्तूबर को झारखंड के भी डीजीपी अनुराग गुप्ता का तबादला किया गया था। वहीं चुनाव आयोग ने डीजीपी को तत्काल प्रभाव से हटाने के बाद उनकी रैंक के सबसे सीनियर अधिकारी को इसका प्रभार सौंपा था।

उमा भारती और आईपीएस अफसरों का फेक वीडियो बनाने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार, इसलिए करता था ये काम

भोपाल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने उस आरोपी यूट्यूबर को अरेस्ट कर लिया है, जो पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती और आईपीएस अधिकारी डी रूपा के फेक वीडियो बनाकर अपलोड करता था। आरोपी ने बताया है कि वह लाइक्स और व्यूज के लिए यह गलत काम करता था। आरोपी बीए सेकंड ईयर का छात्र है और 6 महीने के अंदर उसने 300 ऐसे वीडियो बनाए थे। इस काम से उसके बैंक अकाउंट में 9 हजार रुपये भी आए। आरोपी की पहचान 20 साल के शाकिर खान के तौर पर हुई। वह खंडवा के लहाड़पुर गांव का निवासी है और बीए की पढ़ाई के साथ खेती का काम करता है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह 6 महीने से यूट्यूब और फर्जी वीडियो का काम कर रहा है। इन वीडियो पर उसे लाइक और व्यू मिलते हैं, जिससे उसकी कमाई होती है। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के निजी सचिव ने पुलिस में शिकायत की थी, जिसके बाद केस दर्ज हुआ और पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई। अब आरोपी का पता चल गया है। शिकायत में कहा गया था कि पूर्व आईपीएस डी रूपा का एक एडिटेड वीडिया वायरल हो रहा है, जिसके जरिए उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। इस वीडियो में आईपीएस अधिकारी ये दावा करती दिख रही हैं कि उन्होंने उमा भारती को गिरफ्तार कर लिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 6 नवंबर, 2024

सुविचार: शान्ति को बाहर खोजना व्यर्थ है, क्योंकि वह आपके गले में पहना हुआ हार है

महिला सुरक्षा विंग बच्चों को शोषण से बचाने के लिए प्रतिबद्ध : शिखा गोयल

> *अखिल भारतीय बाल श्रम बचाव एवं पुनर्वास पर समन्वय बैठक*

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना शिखा गोयल ने अखिल भारतीय बाल श्रम बचाव एवं पुनर्वास के संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के निर्देशों के अनुरूप आज सभी हितधारक विभागों और भागीदार गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय बैठक बुलाई।

यह बैठक हैदराबाद में महिला सुरक्षा विंग में हाइब्रिड मोड में हुई। सभी 33 जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू), विशेष किशोर पुलिस इकाइयों (एसजेपीयू) और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) के अधिकारियों ने ऑनलाइन भाग लिया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के निर्देशों के अनुसार, महिला सुरक्षा विंग ने 21 अक्टूबर को बचाव और पुनर्वास पर एक विशेष अभियान शुरू किया है और यह 20 नवंबर, 2024 तक चलेगा। आज की बैठक इस संबंध में सभी विभाग के अधिकारियों को जानकारी देने और तैयार करने के लिए थी। बैठक के दौरान, महिला सुरक्षा विंग की पुलिस महानिदेशक शिखा गोयल ने अतीत में किए गए विभिन्न अभियानों से बचाए गए सभी बच्चों के संबंध में उचित अनुवर्ती कार्रवाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बचाव के बाद की इन अनुवर्ती कार्रवाई की प्रभावी निगरानी की सुविधा के लिए सभी हितधारकों के लिए एक एकल पोर्टल स्थापित करने की आवश्यकता के बारे में बात की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अधिकारियों को हॉटस्पॉट से संबंधित डेटा को नियमित रूप से अपडेट और संशोधित करने और पहले से पंजीकृत मामलों और उनकी वर्तमान स्थिति की लगातार निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र सुनिश्चित करने के महत्व पर निर्देश दिया। शिखा गोयल ने पुष्टि की कि तेलंगाना राज्य महिला सुरक्षा विंग बच्चों को शोषण से बचाने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अटूट प्रतिबद्धता रखता है। उन्होंने कहा कि राज्य की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों के समर्पित प्रयासों के माध्यम से, हजारों बच्चों को खतरनाक और शोषणकारी परिस्थितियों से बचाया गया है, यह एक सराहनीय उपलब्धि है जिसने राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है और अन्य राज्यों में इसी तरह की पहल को प्रेरित किया है। उन्होंने पिछले अभियानों में उनके प्रयासों के लिए पूरी टीम की सराहना भी की। अखिल भारतीय बचाव एवं पुनर्वास अभियान का मुख्य उद्देश्य जिलों में विभिन्न श्रम प्रवण क्षेत्रों में कार्यरत बच्चों एवं किशोरों को बचाना है, जिसमें छोटे एवं बड़े प्रतिष्ठान जैसे कारखाने, ढाबे, उद्योग, होटल, दुकानें, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र जैसे खदान, ईंट भट्टे एवं निर्माण स्थल शामिल हैं। इसके अलावा, किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। रीमा राजेश्वरी, डीआईजी, महिला सुरक्षा विंग ने सभी डीसीपीयू, एसजेपीयू, एएचटीयू के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एससीपीसीआर), राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए), महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग (डब्ल्यूडीएंडसीडब्लू), श्रम विभाग, शिक्षा विभाग एवं भागीदार एनजीओ के प्रतिनिधियों के लिए दो घंटे का सत्र आयोजित किया, जिसमें बचाव, पुनर्वास एवं सभी संबंधित विभागों के साथ सक्रिय सहयोग के लिए व्यापक रणनीति के महत्व पर बल दिया गया। बैठक के दौरान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री ब्रंदाधर राव ने अंतर्राज्यीय अभिसरण के महत्व तथा बचाव कार्यों के दौरान भाषा संबंधी बाधाओं से उत्पन्न चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने अधिकारियों से अभिसरण तंत्र का प्रभावी ढंग से उपयोग करने को कहा।

ऑटो चालकों की उपेक्षा बंद करें, समस्याओं का समाधान करे कांग्रेस सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार से ऑटो रिक्शा चालकों की दुर्दशा को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान चांद देने का वादा करने वाली सत्तारूढ़ पार्टी ने चुनाव जीतने के बाद ऑटो चालकों को छोड़ दिया और उनके साथ विश्वासघात किया। यहां धरना चौक पर सभी राजनीतिक दलों से संबद्ध ऑटो चालक यूनियनों द्वारा आयोजित प्रदर्शन में बोलते हुए रामाराव ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से लगभग 6.5 लाख ऑटो चालकों की हालत खराब हो गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा शुरू की, लेकिन ऑटो चालकों से किए गए अपने वादों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे उनकी आजीविका पर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने याद दिलाया कि हम मुफ़्त बस यात्रा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन ऑटो चालकों से किए गए वादे भी पूरे किए जाने चाहिए। कांग्रेस ने ऑटो चालकों के कल्याण बोर्ड की स्थापना के अलावा 1,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। उन्होंने सरकार से ऑटो चालकों की जायज़ मांगों पर विचार करने का आग्रह किया, जिसमें 5,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता, थर्ड पार्टी बीमा और ऑटो चालकों के शोषण को अपराध घोषित करना शामिल है।

उन्होंने ऑटो चालकों की वित्तीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि जो लोग पिछली बीआरएस सरकार के तहत प्रतिदिन 2,000 रुपये कमाते थे, वे अब 200-300 रुपये कमाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर पिछली बीआरएस सरकार द्वारा ऑटो चालकों को दी गई जीवन बीमा योजना को हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने विवादास्पद कानून बनाए हैं जो ऑटो चालकों के जीवन को और जटिल बनाते हैं, और राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह तेलंगाना में उनके कार्यान्वयन को रोके।

महाराष्ट्र के विज्ञापनों पर तेलंगाना का पैसा बर्बाद कर रही कांग्रेस : बंडी

राजन्ना सिरसिल्ला, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को महाराष्ट्र के समाचार पत्रों में विज्ञापन देने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, जिसमें दावा किया गया कि चुनाव के समय वादा किए गए छह गारंटियों को तेलंगाना में लागू किया गया।

उन्होंने रुद्रंगी मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए कहा कि महाराष्ट्र में सत्ता में आने के लिए कांग्रेस मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की तस्वीरों के साथ इस तरह के विज्ञापनों के जरिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में हिमाचल प्रदेश मॉडल और तेलंगाना में कर्नाटक मॉडल दिखाकर सत्ता हासिल की। अब वह महाराष्ट्र में तेलंगाना मॉडल दिखाकर सत्ता हासिल करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का पैसा महाराष्ट्र में कांग्रेस के विज्ञापनों के नाम पर बर्बाद किया जा रहा है। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने खुद बताया कि 22 लाख किसानों को 2 लाख रुपए की फसल ऋण माफी का लाभ नहीं दिया गया।

मिलावटी मिर्च पाउडर बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने अफजलगंज पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत उस्मानगंज में एक आवासीय परिसर में छापा मारा और राजस्थान राज्य के आरोपी रूपाराम खत्री उर्फ रूपेश को गिरफ्तार किया, जो अवैध रूप से मिलावटी मिर्च पाउडर बनाने में लिप्त था, जिसमें घटिया लाल मिर्च, जहरीला लाल रंग, तेल मिलाकर नकली स्वास्तिक ब्रांड की थैली में पैकिंग कर कॉपीराइट अधिनियम का उल्लंघन कर ग्राहकों को असली ब्रांड के रूप में बेच रहा था और अवैध रूप से आसान मुनाफा कमा रहा था, जिससे मानव जीवन के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा।

पुलिस ने राजस्थान राज्य के बाडमेर (जिला) के लोहारवा (गांव) के मूल निवासी आरोपी रूपाराम खत्री उर्फ रूपेश से 4,00,000 रुपये की सामग्री जब्त की। कुछ साल पहले, आरोपी हैदराबाद चला गया और अफजलगंज की सीमा में रहने लगा। पहले वह गारमेंट्स का व्यवसाय करता था। कम समय में आसानी से पैसा कमाने के लिए, उसने हैदराबाद के उस्मानगंज के रिसाला अब्दुल्लाह में अपने निवास पर मिर्च पाउडर बनाने की आटा चक्की, पैकिंग, सीलिंग प्रक्रिया मशीनरी स्थापित की। उसने स्थानीय एजेंट से नकली स्वास्तिक ब्रांड पैकिंग पाउच खरीदे और बाजार से कम कीमत में निम्न गुणवत्ता वाली सूखी लाल मिर्च खरीदकर लाल रंग, तेल और अन्य जहरीले रसायनों को मिलाकर मिर्च पाउडर बनाता था ताकि रंग लाल दिखाई दे और कॉपीराइट अधिनियम का उल्लंघन करके नकली स्वास्तिक पैकेट में पैक कर दे, जिससे ग्राहकों को असली मिर्च पाउडर के रूप में बेचा जा सके और अवैध रूप से आसान मुनाफा कमाया जा सके। एक गुप्त सूचना के आधार पर, टास्क फोर्स सेंट्रल जोन की टीम ने उपरोक्त परिसर में छापा मारा और आरोपियों को पकड़ लिया और मिलावटी मिर्च पाउडर, लाल मिर्च, नकली स्वास्तिक ब्रांड के खाली पाउच, मशीनरी आदि जब्त कर ली यह गिरफ्तारी वाईवीएस सुधींद्र, पुलिस उप आयुक्त, टास्क फोर्स, हैदराबाद की देखरेख में पुलिस निरीक्षक, टास्क फोर्स सेंट्रल जोन, उप-निरीक्षक और टास्क फोर्स सेंट्रल जोन, हैदराबाद के कर्मचारियों द्वारा की गई।

इंडिया गेम डेवलपर कॉन्फ्रेंस का आयोजन

> 13-15 नवंबर के बीच एचआईसीसी, हैदराबाद में किया जाएगा

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिया गेम डेवलपर कॉन्फ्रेंस (आईजीडीसी) अपने 16वें वार्षिक संस्करण के लिए पहले से कहीं अधिक भव्य, भव्य और एक्शन से भरपूर होगी। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी कॉन्फ्रेंस 13 से 15 नवंबर तक हैदराबाद के एचआईसीसी में आयोजित होगी, जिसमें 5,000 से अधिक लोग शामिल होंगे और 250 वक्ता भाग लेंगे। गेमिंग से जुड़ी सभी चीज़ों पर गहराई से चर्चा करते हुए, इस सम्मेलन में 150 से ज़्यादा सत्र होंगे। उद्योग के दिग्गज जॉर्डन वीसमैन जैसे प्रमुख वक्ताओं ने पहले ही इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में और गहराई जोड़ने की पुष्टि कर दी है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि जॉर्डन बैटलटेक, मेकवॉरिअर और शैडोरन के पीछे का दिमाग था, जो आरपीजी उद्योग की सबसे लंबे समय तक चलने वाली फ्रेंचाइजी में से कुछ हैं। अपने नए रूप में आईजीडीसी में एक बड़े एक्सपो क्षेत्र में सौ से ज़्यादा बूथ होंगे। इस आयोजन को गेमिंग से जोड़े रखने के लिए, इस सम्मेलन में आईजीडीसी अवॉर्ड्स नाइट, इंडी इनिशिएटिव, पॉलिसी राउंड टेबल, वर्कशॉप और बहुत कुछ होगा। इस वर्ष के आईजीडीसी पुरस्कार एक नए 'अंतर्राष्ट्रीय खेल पुरस्कार' के साथ एक पायदान ऊपर पहुंच गए हैं। हमेशा की तरह दस पुरस्कार श्रेणियां और दो विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जीडीएआई के अध्यक्ष श्रीधर मुप्पीदी ने कहा कि 442 मिलियन से अधिक गेमर्स और सालाना 30 प्रतिशत की आश्चर्यजनक दर से बढ़ रहे उद्योग के साथ, भारत के जीवंत युवा, व्यापक स्मार्टफोन अपनाने और तेजी से बढ़ते डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र ने इसे दुनिया के सबसे तेजी से उभरते गेमिंग बाजारों में से एक बना दिया है।

बच्चों को सरल तरीके से शिक्षा दें शिक्षक : जिलाधीश

करीमनगर, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधीश पामेला सत्पथी ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन करें तथा सरल तरीकों से शिक्षा देकर उनका ज्ञान बढ़ाएं। मंगलवार को यहां कलेक्ट्रेट सभागार में रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, बेंगलुरू के सहयोग से जिला शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञान शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों को निरंतर सीखने वाले की तरह अपने ज्ञान को उन्नत करना चाहिए और धैर्य के साथ विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाना चाहिए।

अज्ञात लोगों ने मंदिर में मूर्तियों को किया क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के एक मंदिर में सोमवार रात अज्ञात लोगों ने घुसकर कथित तौर पर देवी-देवताओं की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना मंगलवार सुबह तब प्रकाश में आई जब पुजारी पूजा करने आए और उन्होंने देखा कि कुछ मूर्तियां क्षतिग्रस्त हैं। बताया जा रहा है कि उपद्रवियों ने मंदिर का गेट खोल दिया और पत्थरों से मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय भाजपा नेताओं ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की निंदा की। पुलिस ने एयरपोर्ट कॉलोनी में सुरक्षा बढ़ा दी है, जहां मंदिर स्थित है। पुलिस ने इस घटना में शामिल होने के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

हरीश राव ने निम्स में बीमार छात्रों से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज निम्स अस्पताल का दौरा किया, जहां वानकीडी गुरुकुल स्कूल के छात्रों को गंभीर खाद्य विषाक्तता की घटना के बाद इलाज मिल रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि कोमाराम भीम जिले के आदिवासी बालिका आवासीय विद्यालय के लगभग 60 छात्र बीमार पड़ गए, जिनमें से दो को आपातकालीन देखभाल के लिए निम्स में स्थानांतरित कर दिया गया। हरीश राव ने कहा, मैं 8वीं कक्षा की महालक्ष्मी और 9वीं कक्षा की ज्योति और शैलजा के स्वास्थ्य की जांच करने आया हूं, जिन्हें निम्स में स्थानांतरित किया गया था। महालक्ष्मी ठीक हो रही हैं, जबकि ज्योति की हालत गंभीर बनी हुई है और शैलजा वेंटिलेटर पर अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही हैं।

ऑटो पलटने से छह छात्र घायल

सिद्दीपेट, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूली छात्रों को ले जा रहा एक ऑटो-रिक्शा मंगलवार को दुब्बाक शहर के येल्लम्मा मंदिर के पास पलट गया। ऑटो में बैठे 13 छात्रों में से छह घायल हो गए। ऑटो चालक उन्हें हर दिन कम्मारापल्ली से दुब्बाक ले जाता था। बच्चों को दुब्बाक के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

बीआरएस नेताओं को इन 10 सवालों के जवाब जनता को देना चाहिए : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा है कि केवल कांग्रेस पार्टी ही लगातार सामाजिक न्याय की पैरवी करती रही है और देश भर में लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए खुद को समर्पित करती रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या विपक्ष में, केवल कांग्रेस ही लगातार हाशिए पर पड़े और वंचित समुदायों की बेहतरी के लिए बोलती रही है और काम करती रही है।

कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी के खिलाफ बीआरएस नेताओं द्वारा हाल ही में लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने मंगलवार को एक खुले पत्र में दस महत्वपूर्ण सवाल पेश किए, जिसमें बीआरएस नेतृत्व को जवाब देने की चुनौती दी गई। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दूसरे चरण के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 1,200 छात्रों और युवाओं के परिवारों से बीआरएस नेताओं ने मुंह क्यों मोड़ लिया? उन्हें जवाब मिलना चाहिए। 14 जून, 2014 को मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका में, केसीआर ने विधानसभा के एक प्रस्ताव में स्वीकार किया कि 1,200 शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। हालांकि, बाद में उन्होंने कई बार अपना रुख बदला और अलग-अलग सरकारी आदेशों में आधिकारिक संख्या घटाकर 585 कर दी। क्या कभी इस बात पर जवाबदेही या चिंतन का क्षण आया है कि बीआरएस के विनाशकारी शासन के इन दस वर्षों के दौरान शेष 615 शहीदों के साथ क्या हुआ? बीआरएस नेताओं ने प्रत्येक शहीद के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, आवास, कृषि भूमि, सरकारी नौकरी, मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा देने का वादा किया था। फिर भी, जबकि मुट्ठी भर लोगों को कुछ सहायता मिली, कई वादे अधूरे रह गए। बीआरएस नेताओं ने इस संघर्ष में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के लिए बोलने के बजाय चुप्पी क्यों चुनी है? क्या यह सच नहीं है कि दलित को मुख्यमंत्री बनाने का वादा करने वाले नेता अब उस प्रतिबद्धता पर चुप हैं? और क्या यह सच नहीं है कि दलित परिवारों को तीन एकड़ जमीन देने का वादा छोड़ दिया गया है? एक बार, आपने सोनिया गांधी की "तेलंगाना की माँ" के रूप में प्रशंसा की। अब, आप उनका और उनके परिवार का अपमान करते हैं।

क्या आपको लगता है कि लोग भूल गए हैं? सबसे पहले किसने आपकी पार्टी को कांग्रेस में विलय करने का सुझाव दिया था, और कौन उस वादे से मुकर गया? तेलंगाना को मंजूरी देने वाली सोनिया गांधी और राहुल गांधी अचानक आपके दुश्मन कैसे बन गए? क्या यह राजनीतिक अप्रासंगिकता का डर नहीं है जो अचानक दुश्मनी का कारण बन रहा है? क्या आप वही लोग नहीं हैं जिन्होंने बेरोजगार युवाओं को एक लाख नौकरियां देने का वादा करके उनका मजाक उड़ाया था? ग्रुप-1 परीक्षा के पेपर लीक होने को सही ठहराना किसकी विरासत में शामिल है? अधिसूचना के तीन साल बाद भी परीक्षा आयोजित न करने के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या यह बीआरएस की अक्षमता नहीं है जिसके कारण अदालती आदेशों के कारण परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं, जबकि बेरोजगार युवाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा? बीआरएस ने सभी बेघर नागरिकों को आराम का दिखावा करते हुए डबल बेडरूम वाले घर देने का वादा किया था। क्या आप दिल पर हाथ रखकर बता सकते हैं कि इन दस सालों में आपने वास्तव में कितने घर बनाए और वितरित किए हैं? क्या आपको अपना केजी-टू-पीजी शिक्षा का वादा भी याद है?। इसी तरह कालेश्वरम परियोजना के माध्यम से, बीआरएस ने सात जिलों में 16,40,000 एकड़ के लिए सिंचाई के पानी का वादा किया था। लेकिन उस वादे में से कितना पूरा हुआ?

मैं मेदिगड्डा में निर्माण संबंधी खामियों या 40,000 करोड़ रुपये से 1.4 लाख करोड़ रुपये तक की लागत में वृद्धि पर टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि जांच चल रही है। हालांकि, क्या आपको लगता है कि ये तथ्य जनता से छिपाए गए हैं? 10) कांग्रेस के नेता हमेशा लोगों के बीच रहते हैं, राहुल गांधी पूरे देश में यात्रा करते हैं और अक्सर तेलंगाना का दौरा करते हैं। कौन वास्तव में लोगों से जुड़ता है- आप या हम? अगर आपको लगता है कि राहुल गांधी को नीचा दिखाने से आपकी विश्वसनीयता बढ़ती है, तो आप गलत हैं। राहुल गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं, जबकि आपकी पार्टी तेजी से पतन की ओर अग्रसर एक क्षेत्रीय इकाई बनती जा रही है। जोर-जोर से चिल्लाने से आपके दस साल के कुशासन को मिटाया नहीं जा सकता। पूरा देश देख रहा है और जागरूक है।

बुधवार से प्राथमिक स्कूलों में आधे दिन की छुट्टी

जाति सर्वेक्षण के लिए बच्चों का भविष्य दांव पर

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार से राज्य के 18,241 सरकारी प्राथमिक विद्यालय आधे दिन की अवधि में खुलेंगे। ऐसा मौसम की वजह से नहीं, बल्कि जाति सर्वेक्षण और परामर्श कार्य के लिए शिक्षण कर्मचारियों को तैनात किए जाने के कारण होगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MADHY BEN , Mother of HAV SOLANKI GAUTAMBHAI GANPATBHAI ,R/o: LIMLI, MULI, SURENDRANAGAR, GUJRAT-363020- , have changed my name from MADHY BEN to SOLANKI MADHUBEN GANAPATBHAI and my DOB is 01-06-1963 vide Affidavit dt.5-11-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/1110

इसके द्वारा सभी रेलवे लाइन्स तथा दक्षिण मध्य रेलवे के निम्न विवरित सेक्शन के पूर्ण सेक्शन पर स्थित परिसरों के उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, उक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स का ऊर्जाकरण तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि को या इसके बाद किया जायेगा। अतः उक्त निर्दिष्ट तिथि एवं तत्संबंधित तिथि के दौरान, सभी समय पर, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन्स को सक्रिय या लाइव माना जायेगा। इसके चलते कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में न जा सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन : जीडीके -1 के पृथक्करण (आईसोलेशन) के लिए, नई फीडर लाईन का ऊर्जाकरण (एनर्जाइजेशन) करना। सिकंदराबाद डिवीजन के काझीपेट-बल्लारशाह सेक्शन में, सिडीनघट रामगुण्डम स्टेशन ओएचइ मास्ट स्थानः जीडीके/जी-21(किमी/चैनेज9/148.90) से स्थानः 10/3एफ(किमी/चैनेजः10/143.70) तक तत्संबंधित ऊर्जाकरण कार्य।

तिथि : 07-11-2024

ए1419 — वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

मीरापुर सपा प्रत्याशी बोलीं

'मेरा किसी से मुकाबला नहीं' विकास के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा

मीरापुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी सुम्बुल राणा बीजेपी पर बेहद हमलावर हैं, विकास के मुद्दे पर बीजेपी से दो-दो हाथ करने को तैयार बैठी हैं। विकास के मुद्दे पर बीजेपी को घेर रहीं हैं। गांव की पग डंडियों से जीत तलाशने निकली सुम्बुल राणा मजबूती से अपना पक्ष रख रही हैं और अपना किसी से मुकाबला ही नहीं मान रहीं हैं। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी सुम्बुल राणा गांव की गलियों से जीत की कहानी लिखने के लिए रात दिन एक कर रहीं हैं। सवाल किया गया कि मुद्दे क्या हैं आपके, तो बोली यहां मुद्दों की कमी नहीं है। गांव-गांव जा रही हूं तो समस्याएं ही नजर आ रहीं हैं। सड़कें टूटी पड़ी हैं, विकास नजर नहीं आ रहा है। दावे और हकीकत में जमीन आसमान का अंतर है। जिस भी गांव में जा रही हूं, वहां सड़कों में गडढ़े नजर आ रहें हैं। सड़के इस कदर टूटी हैं कि गाड़ी से निकलना मुश्किल है और पैदल सड़कों से गुजरना महाभारत है। विकास नजर नहीं आता है, लेकिन दावे बड़े बड़े किए गए हैं। सपा प्रत्याशी सम्बुल राणा ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि, विकास की बात मत कीजिए, बच्चों की शिक्षा के लिए कोई बड़ा काम यहां नहीं किया गया। बेटियां यदि पढ़ना चाहती हैं और आगे बढ़ना चाहती हैं तो फिर क्या करें, यहां शिक्षा के स्तर में न कोई बड़ा बदलाव हुआ और न कोई सुधार।

पत्नी और तीन बच्चों के कत्ल से दहली काशी; परिवार को खत्म करने के बाद आरोपी पति फरार; उसकी भी मिली लाश

वाराणसी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के भदैनी इलाके में एक युवक ने पत्नी और तीन बच्चों की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर छोड़ कर भागा हुआ है। घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। सूचना पाकर फॉरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड के साथ भेलूपुर थाने की पुलिस मौके पर है। भदैनी स्थित पॉवर हाउस के सामने की गली में राजेंद्र गुप्ता अपनी पत्नी नीतू, बेटी गौरांगी और बेटों नवनेंद्र व सुबेंद्र के साथ रहता था। मंगलवार को पड़ोसियों ने राजेंद्र के घर का दरवाजा खुला नहीं देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची और राजेंद्र के घर गई तो नीतू अपने तीनों बच्चों के साथ खून से लथपथ मृत पड़ी थी। वहीं, राजेंद्र घर से गायब था। प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि राजेंद्र किसी तांत्रिक के संपर्क में था। तांत्रिक का कहना था कि उसकी प्रगति की राह में उसकी पत्नी और बच्चे बाधक हैं। इसी वजह से राजेंद्र ने पत्नी और बच्चों की हत्या की है। पुलिस राजेंद्र के साथ ही तांत्रिक की भी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी पहले भी कर चुका है कई मर्डर राजेंद्र हत्या के मामलों में पहले भी जेल में रह चुका है। उसके मकान में तकरीबन 20 किरायेदार रहते हैं। वह देसी शराब ठेका का संचालक भी है। दूसरी तरफ, पुलिस और जानकारी इकट्ठा करने के लिए पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। आसपास के लोगों ने बताया कि 20 वर्ष पहले भी आरोपी राजेंद्र गार्ड के साथ कई हत्याएं कर चुका है। वह जेल में सजा काटकर आया है। यह उसकी दूसरी पत्नी थी। वहीं, मौके पर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल भी पहुंच गए। पूछताछ के साथ ही भेलूपुर पुलिस आरोपी राजेंद्र गुप्ता का और इतिहास खंगाल रही है। यह भी पता किया जा रहा है कि वह तांत्रिक कौन था जिससे राजेंद्र मिलता-जुलता था। उधर, पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के आरोपी राजेंद्र गुप्ता का शव रोहनिया थाना क्षेत्र के एक गांव में मिलने की सूचना मिलने लगी। खबर लिखे जाने तक पुलिस मौके पर पड़ताल करने पहुंची थी।राजेंद्र गुप्ता की लाश मीरापुर लठिया स्थित अर्धनिर्मित एक मकान में मिला है। मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी। वह यहां कैसे आया, इस बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है।

धार्मिक स्थल पर झंडा लहराने वाला गिरफ्तार

भागलपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भागलपुर के ललमटिया थाना क्षेत्र के टमटम चौक पर 2 नवंबर की रात मूर्ति विसर्जन के दौरान एक नाबालिग ने विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल पर चढ़कर विशेष रंग का झंडा लहराया था। जिसके बाद सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। उसे गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी डॉ। के रामदास ने बताया कि ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत टमटम चौक के समीप विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल के बाहरी दीवार पर विशेष रंग का झंडा लहराने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया। वीडियो प्राप्त होते ही आगे की कार्रवाई की गई। आरोपी को मुंगेर से गिरफ्तार किया गया है। जिसपर ललमटिया थाना में अपहरण और फिरौती संबंधित एक मामला दर्ज। समय रहते पुलिस ने मोर्चा को संभाल लिया था और शांति समिति को समझाया था। हालांकि इस दौरान दो घंटे तक प्रतिमा को रोका गया था। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। इधर, नाबालिग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लिया और एफआईआर दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध को लेकर क्या बड़ी तैयारी कर रहा यह मुस्लिम संगठन, किन नेताओं पर टिकी है आस?

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर के फुलवारी शरीफ के इमारत ए शरिया में अमीरे शरियत मौलाना सैयद अहमद वाली फैसल रहमानी के नेतृत्व में एक बड़ी बैठक हुई। इसमें बिहार के तमाम खनकाह के प्रमुख शामिल हुए और मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया जाएगा। मीटिंग के बाद वक्तव्य जारी कर कहा गया कि वक्फ संशधन विधेयक हमें स्वीकार नहीं है, इसमें मुसलमानों के हक को छीना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, इमरते शरिया ने फुलवारी शरीफ ही नहीं देश के हिस्सों में बैठक की है। इस मामले को लेकर के 13 नवंबर को संयुक्त संसदीय दल के सदस्य भी बिहार आ रहा है। इमारते शरिया ने संयुक्त कार्य योजना तैयार की है। इस मीटिंग के बाद इमारते शरिया के अमीर ए शरिया हजरत मौलाना सैयद अहमद वाली फैसल रहमानी ने कहा है कि हम लोगों ने यह निर्णय लिया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात कर इस मामले में बिल को वापस लेने के लिए कहेंगे।

इन दोनों ने मुसलमानों के लिए बहुत कुछ किया है। ये दोनों प्रमुख हैं अगर ये दोनों पीछे हटते हैं तो इस बिल को समाप्त किया जा सकता है। फैसल रहमनी ने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर हमलोगों की टीम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिलेगी और उनसे अपील करेगी कि इस बिल पर नाराजगी जतायी जाए। अमीर शरियत सैयद अहमद वली फैसल रहमानी ने कहा कि हम लोगों से इस बिल को लाने से पहले किसी भी तरह का मशवरा नहीं लिया गया। जिन लोगों को यह जिम्मा दिया गया है वह लोग अपने मन से पूरे बिल को ला दिए हैं और बोर्ड जो दान में दी गई जमीन है उसे हथियाने के चक्कर में हैं। फैसल रहमानी ने कहा कि यह खानकाह और वक्फ बोर्ड की मिलकियत है जिसे सरकार अपने कब्जे में लेना चाहती है।

यूपी में प्रिंसिपल का लाइव मर्डर: मुरादाबाद में बाइक सवार बदमाशों ने की प्रिंसिपल की हत्या

मुरादाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में मंगलवार को प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। हालांकि बदमाश सीसीटीवी में कैद हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद के मझोला में स्कूल प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त प्रिंसिपल शबाबुल पैदल ही स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक पर दो बदमाश आए और सिर में गोली मार दी। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना मंगलवार सुबह नौ बजे हुई है। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना मझोला थाने के

लकड़ी क्षेत्र की है। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए।

बसपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नाम शामिल

लखनऊ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए बसपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नाम शामिल हैं। बसपा के ये महारथी उपचुनाव में बसपा की जीत के लिए दिनरात एक करेंगे। बताते चलें कि यूपी में गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसमऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावां सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए पहले 13 नवंबर को मतदान होना था। लेकिन, 04 नवंबर को चुनाव आयोग ने इन सभी सीटों पर मतदान की तारीख एक हफ्ते बढ़ा दी है। अब इन नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। बताते चलें कि उपचुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्ष पर लगातार हमलावर हैं। एक दिन पहले सोमवार को उन्होंने भाजपा-कांग्रेस को निशाने पर लिया। कहा कि ऐसे समय में जब करोड़ों लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, भाजपा और कांग्रेस महाराष्ट्र व झारखंड चुनाव के लिए प्रचार में एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही मुफ्त उपहारों की घोषणा करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा था कि जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय ये पार्टियां चुनाव से पहले अपने झूठे प्रचार और वादों के साथ 'नकारात्मक राजनीति' में व्यस्त हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से पूरे नहीं किए जा रहे हैं। क्योंकि, वादे केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किए जाते हैं। सरकार बनने के बाद नेता इसे भूल जाते हैं।

बिहार में शर्मनाक वारदात: सास और दामाद के बीच में था 'पत्नी' वाला प्यार,सोनम को जान देकर चुकानी पड़ी इसकी कीमत

सहरसा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सहरसा के सौर बाजार थानाक्षेत्र के भगवानपुर गांव में शादी के 18 महीने बाद ही एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय सोनम देवी के रूप में हुई है, जिसकी शादी अप्रैल 2023 में नीतीश पासवान के साथ हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की रात को सोनम की संदिग्ध स्थिति में मौत की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मृतका के परिजनों का आरोप है कि सोनम की हत्या उसके ससुराल वालों द्वारा गला दबाकर की गई है। सोनम के मामा रोशन कुमार पासवान ने बताया कि सोनम अपने ससुराल में अवैध संबंधों का विरोध करती थी, जो कि उसकी जान के लिए खतरा बन गया। रोशन का कहना है कि सोनम की सास और दामाद के बीच लंबे समय से अवैध संबंध थे,

बिहटा के गोखुलपुर गांव के पास तेंदुआ दिखने से हड़कंप

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बिहटा के गोखुलपुर गांव के पास तेंदुआ दिखने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। काफी खोजबीन के बाद भी तेंदुआ नहीं मिला। इस बीच एयरफोर्स स्टेशन से वन विभाग को कॉल आया कि तेंदुआ को परिसर में देखा गया है। सीसीटीवी कैमरे में चहलकदमी कैद हुई है। जिसके बाद टीम वापस एयरफोर्स स्टेशन लौट गई। गोखुलपुर निवासी विनोद राय ने बताया कि देर शाम किसी काम से गांव से बाहर बधार गया था। अचानक बोरिंग के पास तेंदुआ दिखा। जिसके बाद भागते-भागते गांव पहुंचा और इसकी जानकारी ग्रामीणों की दी। सुरक्षा की दृष्टि से गांव स्थित सूर्य मंदिर में छठ पूजा मनाने और तैयारी पर रोक लगा दी गई है। जिस पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है।

न फोन, न जनता दरबार लॉरेंस का डर और बदल गई पप्पू यादव की दिनचर्या

पूर्णिया, 5 नवंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की धमकी के बाद बिहार में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सुर्खियों में हैं। लॉरेंस के फैन्स उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं। इन धमकियों का सीधा असर पप्पू यादव के व्यक्तित्व और सामाजिक जीवन पर भी पड़ने लगा है। आलम यह है कि उनके अर्जुन भवन में जहां हमेशा दरबार लगता था, आज उसमें सन्नाटा पसरा हुआ है। उनकी पत्नी रंजीत रंजन तक उनसे किनारा कर चुकी हैं। बावजूद इसके, स्वभाव से जिद्दी पप्पू यादव पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर से चुनौती देते हुए कहा है कि जो कोई उन्हें मारना चाहता है, वह आ जाए। यही नहीं उन्होंने लॉरेंस बिश्नोई को एक बार फिर से चैलेंज किया है। कहा कि वह कल ही मुंबई जा रहे हैं और दो दिनों तक वहां चुनाव प्रचार में रहेंगे। उन्होंने अपना कार्यक्रम बताते हुए कहा कि वह मरहूम बाबा सिद्दकी के बेटे जीशान सिद्दकी के लिए भी चुनाव प्रचार करेंगे। पप्पू यादव को जानने वाले बताते हैं कि उनकी पत्नी रंजीत रंजन अभी भी दबाव बना रही हैं कि वह लॉरेंस के खिलाफ बयान ना दें। ऐसे ही हालात में रंजीत रंजन ने पिछले दिनों बयान दिया था कि पप्पू यादव और उनके बयान से उनका या उनके बच्चों का कोई वास्ता नहीं है।

लॉरेंस प्रकरण के बाद खराब हुई मां की तबियत

कहा जा रहा है कि रंजीत रंजन ने यह बयान खुद की और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिया था। दूसरी ओर, पप्पू यादव की मां शांति प्रिया भी इस समय काफी दबाब में हैं। इसकी वजह से उनकी तबियत तक खराब हो गई और उनका पूर्णिया के एक अस्पताल में इलाज शुरू किया गया है। चारों ओर से पड़ रहे इस दबाव और लॉरेंस बिश्नोई के खौफ की वजह से पप्पू यादव का दिनचर्या पूरी तरह से बदल गई है। पहले पप्पू यादव बिना सुरक्षा के भी घूमने निकल जाते थे। भीड़ में घुस जाते थे, लेकिन अब वह हमेशा कड़े सुरक्षा घेरे में रहते हैं।

बंद हुए चौपाल और दरबार

इसे लॉरेंस बिश्नोई का खौफ ही माना जा रहा है कि पूर्णिया और मधेपुरा स्थित उनके आवास पर दरबार और रात्रि चौपाल करीब 10 दिनों से बंद है। इन दस दिनों में ना तो उनके न्याय के मंदिर का फोन बज रहा है और ना ही फरियादी यहां अपनी शिकायत लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इसकी एक वजह यह भी है कि पप्पू यादव कई दिनों से झारखंड चुनाव में व्यस्त हैं।

5 साल की सजा का केस 32 साल चला मुकदमा

अब आरएसएस के कार्यकर्ताओं को मिली मुक्ति

कानपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। हमारे देश में जब भी न्याय की बात होती है तो कहा जाता है कि न्याय में देरी अन्याय के समान है। ऐसा ही एक उदाहरण कानपुर के कोर्ट में देखने को मिला है। यहां एक मुकदमा जिसकी धाराओं में 5 साल की सजा है, वो पिछले करीब 32 साल से लंबित चल रहा था। इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए सरकार ने मुकदमा वापस लेने के लिए कोर्ट में एक अर्जी दी थी, जिसमें उसने जनहित में मुकदमा वापस लेने की बात कही थी। कोर्ट ने भी अब इस पर अपनी मोहर लगा दी है। 6 दिसंबर, 1992 को सुनील बाजपेई समेत 5 लोगों के खिलाफ फजलगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुकदमे में कहा गया था कि यह सभी लोग आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े हुए हैं और यह लोग अयोध्या के ढांचे को गिराने की बात कर धार्मिक उन्माद फैला रहे थे। मुकदमे में चार्जशीट दाखिल होने के बाद सुनवाई शुरू हो गई। इस मामले में सुनील बाजपेई की गिरफ्तारी भी हुई थी। जबकि उमाशंकर गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, अरुण गुप्ता और नरेंद्र पोरवाल को जमानत मिल गई थी।

सरकार ने कोर्ट में लगाई थी एप्लिकेशन

आईपीसी की धारा 153 ए के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें अधिकतम सजा 5 साल है। अगस्त 2021 में अदालत में एप्लिकेशन देकर बताया गया कि सरकार ने यह मुकदमा जनहित में वापस लेने का फैसला किया है। सरकार के पास यह अधिकार होता है कि वो सजा सुनाई जाने से पहले किसी भी मुकदमे को जनहित में वापस लेने का आग्रह अभियोजन के माध्यम से कर सकता है।

32 साल के लंबित था मामला

यह मुकदमा पुराने मुकदमे की श्रेणी में आता था और अदालत की अनुमति के बाद मुकदमा वापस लेने का प्रावधान है। इसी के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमित कुमार की अदालत ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। आरोपियों का कहना है कि 32 साल तक उन्हें काफी मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। किसी भी काम के लिए सत्यापन होता था तो पुलिस रिपोर्ट में उनके खिलाफ एक मुकदमा दर्ज होने की बात आती थी। इस फैसले के बाद से ही पांच लोगों के परिवार में खुशी की लहर है।

चालक को पीटकर लूट ले गए आटो

लखनऊ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। घैला पुल के पास रविवार देर रात सवारी बनकर बैठे बदमाशों ने चालक को पीटा और आटो लूट ले गए। बदमाशों ने चारबाग से आटो बुक कराने के बाद पेशाब करने के बहाने रुकवाया था। पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। उदयगंज स्थित पुराना बर्फखाना निवासी ऋषपकू सोनकर ने बताया कि भाई सोनू सोनकर आटो रिक्शा चलाता है। तीन नवंबर देर रात करीब दो बजे चारबाग से दो युवकों ने आटो आइआइएम के लिए बुक करवाया था। घैला पुल पार करते ही सवारियों ने पेशाब करने की बात कहकर आटो रुकवाया। सोनू ने आटो किनारे लगाया और उनके साथ वह भी पेशाब करने लगा। इसी दौरान युवकों ने सोनू को पीटना शुरू कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। बदमाशों ने जाने के बाद सोनू ने किसी तरह फोन किया तो वह तत्काल पहुंचे और पुलिस की मदद से सोनू को अस्पताल पहुंचाया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि घायल के भाई ने अपनी शिकायत में बदमाशों द्वारा आटो ले जाने की बात कही है। मारपीट और लूट की बात गलत है। घायल से बात की जाएगी। साथ ही घैला और उसके आसपास के रूट पर लगे सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

नोएडा पुलिस की तीन बदमाशों से मुठभेड़:एक के पैर में लगी गोली, दो फरार

नोएडा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा मंगलवार तड़के थाना फेस-2 पुलिस द्वारा एनएसईजेड नाले की पटरी के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति आते दिखाई दिए। इनको रुकने का इशारा किया गया। लेकिन वह नही रुके। जिस पर पुलिस टीम द्वारा उनका पीछा किया गया। एनएसईजेड तिराहे की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई। बाइक सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश की पहचान राहुल पुत्र चरण सिंह निवासी पता-रंगपुर थाना शिकारपुर, बुलंदशहर उम्र 30 वर्ष के रूप में हुई है।

घायल बदमाश के अन्य दो साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। जिनकी तलाश की जा रही है। घायल बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 खोखा कारतूस व 01 जिन्दा कारतूस, चोरी की 01 मोटरसाइकिल अपाचे बिना नंबर प्लेट, 01 जोड़ी पायजेब (सफेद धातु की) व 10,400 रुपए नकद बरामद हुए है। घायल बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। बदमाश द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर घरों में चोरी व मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का अंजाम देता था। इसका आपराधिक रिकार्ड खंगला जा रहा है। वर्तमान में इस पर छह मुकदमे दर्ज है। ये राह चलते लोगों से लूटपाट करता था।

डीजीपी की नियुक्ति के लिए योगी सरकार ने बनाए नए नियम, अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर तैनाती के लिए नई नियमावली बना दी गई है। इसे कैबिनेट से मंजूरी भी मिल गई है। अब डीजीपी की नियुक्ति के लिए एक समिति बनाई गई है, जिसके अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर न्यायाधीश होंगे। समिति में मुख्य सचिव, संघ लोक सेवा आयोग और यूपी लोक सेवा आयोग से नामित एक-एक व्यक्ति, अपर मुख्य सचिव गृह और एक रिटायर डीजीपी भी होंगे। अब इस मामले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, "सुना है किसी बड़े अधिकारी को स्थायी पद देने और और उसका कार्यकाल 2 साल बढ़ाने की व्यवस्था बनायी जा रही है... सवाल ये है कि व्यवस्था बनाने वाले खुद 2 साल रहेंगे या नहीं। कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है। दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0" नियमावली में तय किया गया है कि डीजीपी पर उसी अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, जिनकी सेवा अवधि कम से कम छह माह बाकी हो।

साथ ही डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो साल तक होना चाहिए। डीजीपी की नियुक्ति होने पर उन्हें दो साल तक कार्यकाल जरूर दिया जाए। तैनाती के बाद सेवा अवधि छह माह ही शेष है तो सेवा अवधि बढ़ाई जा सकती है। डीजीपी आपराधिक मामले या भ्रष्टाचार अथवा कर्तव्यों के पालन में अक्षम साबित हुए तो सरकार उन्हें कार्यकाल पूरा होने से पहले हटा सकती है। हटाने को संबंधित प्रावधानों में भी हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन जरूरी होगा।

यूपी उपचुनाव की बदली हुई तारीखों पर सपा सांसद ने दी प्रतिक्रिया, बोले- सपा की जीत से डर गए

मैनपुरी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीख बदलने के फैसले पर आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह लोग डरे हुए हैं, इसलिए यह फैसला लिया गया है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने मैनपुरी में मीडिया से बात करते हुए कहा, "इन्होंने तारीख को इसलिए बढ़ाया है, क्योंकि ये लोग डर रहे हैं। इनके पास इंटेलिजेंस की तमाम एजेंसियां हैं और सरकार भी उनकी है। उनके पास सीधी रिपोर्ट है कि समाजवादी पार्टी बड़े अंतर के साथ जीत रही है। हो सकता है कि कोई तिकड़म करने की वजह से एक सप्ताह का और समय चुनाव आयोग से लिया हो।" उन्होंने आगे कहा, "जब चुनाव आयोग तारीख देता है तो बहुत सारे मुद्दों पर सरकार से चर्चा होती है। इसी तरह से मिल्कीपुर का चुनाव भी रोका गया और अब मिल्कीपुर छोड़िए बाकी सब चुनाव से भी भागे जा रहे हैं।" धर्मेंद्र यादव ने कुंभ मेले में गैर हिंदुओं को दुकान लगाने से रोके जाने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "इस तरह के बयान संविधान विरोधी हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान सभा में बैठकर चिंतन-मंथन कर देश को पंथनिरपेक्ष राष्ट्र के तौर पर स्थापित किया। पूरे देशवासियों ने संविधान को अपनाया। मैं समझता हूं कि देश के हर व्यक्ति को कहीं भी व्यापार करने से लेकर, भ्रमण तक और अर्थ से लेकर धर्म की तमाम स्वतंत्रताएं दी गई हैं, लेकिन यह लोग इस तरह की बातें सिर्फ नफरत फैलाने के लिए कर रहे हैं।

पत्नी के सामने ही पति को मारी गोली, मेला देखने गया था दंपती; जांच में जुटी पुलिस

सीतामढ़ी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के बथनाहा थाना क्षेत्र में एक युवक को गोली मारने का मामला सामने आया है। यहां के लछुआ गांव में पत्नी संग मेला देखने आए युवक को पत्नी के सामने ही तीन अपराधियों ने गोली मार दिया। गोली लगने के बाद युवक घायल हो गया, जिसके बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग की वजह से युवक को गोली मारी गई। वहीं घायल युवक की पहचान भुतही थाना क्षेत्र के फुलकाहा निवासी राजा पंजियार के रूप में की गई है। गोली लगने की घटना रात के 2 बजे की बताई जा रही है। घायल युवक के परिजनों ने बताया कि 6 मार्च 2024 को हिंदू रीति-रिवाज के साथ राजा पंजियार की शादी लछुआ निवासी सत्यनारायण महतो की पुत्री ममता से हुई थी।

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ एक्शन में आप सरकार, गोपाल राय ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली वायु प्रदूषण को लेकर एक तरफ लोगों का दम घुट रहा है तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी की सरकार इसको लेकर एक्शन मोड में है। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण में न आने पर दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक दिल्ली सचिवालय में बुलाई है। इस बैठक में प्रदूषण संबंधित सभी सरकारी एजेंसियों के अफसर शामिल होंगे। दरअसल, दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितंबर को 21 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान लागू किया गया था। इसके आधार पर संबंधित विभागों ने इसे जमीन पर लागू करने के लिए गंभीरता पूर्वक काम किया। इसकी समीक्षा के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को सभी संबंधित विभाग की बैठक बुलाई है। दिल्ली सचिवालय में प्रस्तावित समीक्षा बैठक में विंटर एक्शन प्लान की घोषणा के बाद विभागों द्वारा अभी तक किए गए कार्यों की समीक्षा जाएगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार प्रदूषण से संबंधित ग्रीन दिल्ली ऐप पर मिली लगभग 88 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा कर चुकी है। ऐप के माध्यम से अभी तक 81,418 शिकायतें आई हैं, जिनमें से 71,558 से ज्यादा शिकायत दूर हुई हैं। ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से दिल्ली का कोई भी नागरिक प्रदूषण संबंधी शिकायत कर सकता है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि एंटी रोड डस्ट अभियान के सभी दर्ज आंकड़ों पर भी ग्रीन वॉर रूम की टीमें कड़ी निगरानी बनाए हुए है। गोपाल राय के मुताबिक प्रदूषण को कम करने के लिए आतिशी सरकार कई अभियान चला रही है। जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोजर का छिड़काव, वृक्षारोपण अभियान, पटाखों को लेकर जागरूकता अभियान आदि। पूरे दिल्ली में सड़कों पर 200 मोबाइल एंटी स्मोग गन से पानी के छिड़काव का अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली के सभी 70 विधानसभा में दो-दो मोबाइल एंटी स्मोग गन से छिड़काव कराया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ को रिश्वत देना पड़ा भारी, अब दर्ज होगी एफआईआर

सीधी, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में रिश्वत लेने व देने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दरअसल एक पूर्व पंचायत सदस्य अखिलेश कुशवाहा ने अपर कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ आईएएस अंशुमान राज के चैंबर में मिठाई का डिब्बा और नोटों से भरा लिफाफा लेकर पहुंच गए। जिले में जिला पंचायत सीईओ के रूप में अंशुमान राज की पोस्टिंग हुई है, जहां उन्हें अपर कलेक्टर का भी अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया है। सीईओ अंशुमान राज ने जैसे ही मिठाई का डिब्बा खोल तो उसके नीचे लिफाफे का एक पैकेट देखा। उन्हें मिठाई के डिब्बे को देखकर इस बात का अंदाजा लग गया कि किसने मिठाई के डिब्बे के साथ पैसों का बंडल भी है। इसके बाद उन्होंने मिठाई का डब्बा अखिलेश कुशवाहा के मुंह पर फेंक दिया और खुद फोन करके कोतवाली थाना प्रभारी को सूचित किया। इसके बाद कोतवाली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को कोतवाली थाने ले गई जहां पूछताछ की जा रही थी।

पैर छूना नीतीश कुमार की आदत है

अब नहाय-खाय के दिन लालू यादव ने बोला हमला

पटना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। चित्रगुप्त पूजा के मौके पर बीते रविवार (03 नवंबर) को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी नेता और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा के पैर छुए थे। आज (मंगलवार) नहाय-खाय का दिन है और इस बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला है। दरअसल मंगलवार की सुबह लालू प्रसाद यादव अपनी बेटी मीसा भारती के साथ पटना के दुल्हिन बाजार स्थित उलार सूर्य मंदिर का दर्शन करने जा रहे थे। छठ का मौका है। इस बीच लालू प्रसाद यादव से पत्रकारों ने सवाल किया कि नीतीश कुमार हर जगह जाकर पैर छू ले रहे हैं। क्या कहिएगा? इस पर आरजेडी सुप्रीमो ने कहा कि नीतीश कुमार को आदत है।

क्या है पैर छूने वाला विवाद?

पटना सिटी में नोजर घाट पर स्थित आदि चित्रगुप्त मंदिर में चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा भी मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने मंदिर की व्यवस्थाओं और पुनर्निर्माण को लेकर कई निर्देश दिए थे। इसके लिए आरके सिन्हा ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इसी धन्यवाद के बदले में सीएम नीतीश कुमार ने आरके सिन्हा का पैर छू लिया। आरके सिन्हा मंच से कह रहे थे कि नीतीश कुमार का मंदिर पर विशेष ध्यान है। इनके विशेष दिशा-निर्देश के बाद इस मंदिर में व्यवस्था ठीक की जा रही है। सीएम के दिशा-निर्देश पर ही मंदिर का पुनर्निर्माण संभव हुआ है। नीतीश कुमार को लेकर आरके सिन्हा ने खूब तारीफ की। इतने पर ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी जगह से उठ गए और आरके सिन्हा की ओर जाकर उनका पैर छूने लगे। हालांकि आरके सिन्हा ने उन्हें रोका और गले लगाने की कोशिश की। इसी को लेकर विपक्ष के नेता नीतीश कुमार को लेकर सवाल उठा रहे हैं कि वह स्वस्थ नहीं हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर केस की चार्जशीट में 5 बड़े खुलासे, जानें सीबीआई ने क्या कहा?

कोलकाता, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में हुए डॉक्टर रेप-मर्डर केस में 87 दिन बाद चार्जशीट दायर हो गई है। सियालदह कोर्ट ने रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप भी तय कर दिए हैं। अब इस केस की रोज सुनवाई होगी, जो 11 नवंबर से शुरू होगी। वहीं कोर्ट में पेशी के बाद संजय रॉय ने पहली बार मीडिया से बात की और प्रदेश की ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाए। संजय रॉय ने कहा कि उसे फंसाया जा रहा है। मुंह न खोलने के लिए कहा जा रहा है। उसने कुछ नहीं किया, वह निर्दोष है। वहीं सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश की हैं। सरकार-पुलिस इस केस को जल्द से जल्द निपटाना चाहती है, क्योंकि इस केस के विरोध में डॉक्टरों ने 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था और आज तक भी उनका धरना पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट ने केस की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को सौंप दी थी। सीबीआई ने 87 दिन चली जांच पड़ताल के बाद चार्जशीट तैयार की और कोर्ट में पेश की। इस केस में सीबीआई ने यह दलीलें दी हैं... संजय रॉय मुख्य आरोपी है। उसने अकेले ही जघन्य अपराध अंजाम दिया। गैंगरेप नहीं रेप केस है। आरोपी का सीसीटीवी में दिखना भी अहम सबूत है। वारदातस्थल से मिला ईयरफोन भी आरोपी संजय के फोन से कनेक्ट हुआ था। मृतका डॉक्टर के सीमन और विरसा से आरोपी के ब्लड सैंपल मैच हो चुके हैं। वारदातस्थल से मिले छोटे बाल भी आरोपी के ही हैं, फोरेंसिक जांच में यह साबित हुआ। 100 गवाहों के बयान लिए गए। 12 पॉलीग्राफ टेस्ट कराए गए, जिनकी रिपोर्ट चार्जशीट में संलग्न है। सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रेसिंग रिपोर्ट भी सबमिट की गई है।

मोदी सरकार कनाडा सरकार से बात करे सीएम भगवंत मान ने कनाडा में हमले के बाद कहा

चंडीगढ, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा और भारत के बीच जहां एक तरफ इस समय तनाव देखा जा रहा है। वहीं, कनाडा में एक बार फिर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। कनाडा में 3 नवंबर को रविवार के दिन ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानियों ने हमला किया। खालिस्तानियों के इस हमले के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने इसकी निंदा की है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कनाडा में मंदिर पर हुए हमले को लेकर कहा, कनाडा में पिछले दिनों जो हुआ वो बहुत निंदनीय है। पंजाबी खास तौर पर कनाडा से जुड़े हुए हैं और उसको वो दूसरा घर मानते हैं, वहां भी सरे और टोरंटो में पंजाबी रहते हैं। सीएम मान ने आगे कहा, कोई भी ऐसा नहीं चाहता कि ऐसी हिंसक घटनाएं हो।

भगवंत मान ने क्या कहा?

सीएम भगवंत मान ने इस हमले की निंदा करने के साथ-साथ सरकार से एक्शन लेने की मांग की। उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि जो भी एक्शन लेना है वो उस के लिए कनाडा सरकार से बात करें ताकि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं न हो। साथ ही उन्होंने कहा, 'सरबत दा भला' सब का भला इस बात में विश्वास रखने वाले लोग (पंजाबी) दुनिया भर में रहते हैं। वे शांति पसंद करने वाले लोग हैं जो कड़ी मेहनत से अपना रास्ता बनाते हैं। मैं मोदी सरकार से कनाडा सरकार से बात करने की मांग करता हूं।

पीएम ट्रूडो ने भी की निंदा

कनाडा में मंदिर में हुए इस अटैक के बाद शाम को मंदिर और समुदाय के साथ एकजुटता दिखाने के लिए भारी भीड़ इकट्ठी हुई। साथ ही भारक के कई नेता इस घटना की निंदा कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी इस घटना की निंदा की है और इसको अस्वीकार्य बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि कनाडा में सभी को स्वतंत्रता और सुरक्षा के साथ अपने धर्म का पालन करने की इजाजत है।

महाराष्ट्र में बगावत वाली पॉलिटिक्स

मंत्री पिता बीजेपी कैंडिडेट, हिना गावित ने छोड़ी पार्टी, नंदुरबार में चढ़ा पारा

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानभा चुनावों में बीजेपी को नंदुरबार में बड़ा झटका लगा है। पार्टी की पूर्व सांसद हिना गावित ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। पेशे से डॉक्टर हिना गावित पूर्व एनसीपी विधायक विजय कुमार गावित की बेटी हैं। वह 2014 में नंदुरबार से लोकसभा के लिए चुनी गई थी। इसके बाद 2019 में हिना गावित फिर से जीती थीं लेकिन 2024 के चुनावों में हिना गावित हार गई थीं। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जी के पाडवी को जीत मिली थी।

शिवसेना को मिली है यह सीट

हिना गावित विधानसभा चुनावों में अक्कलकुवा सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरी हैं। महायुति में यह सीट बंटवारे के तहत शिवसेना को मिली थी। शिवसेना ने इस सीट से आमश्या फुजली पाडवी को उतारा है, जबकि एमवीए यानी कांग्रेस से एडवोकेट के सी पाडवी मैदान में हैं। दो बार नंदुरबार की सांसद रही हीना गावित आमश्या की उम्मीदवारी का विरोध कर रही थीं। अब उन्होंने बीजेपी द्वारा एक्शन लिए जाने की चेतावनी के बाद इस्तीफा दे दिया है।

नहीं वापस लिया नामांकन

बीजेपी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और नंदुरबार की पूर्व सांसद हीना गावित ने अक्कलकुवा सीट से अपना नामांकन वापस लेने को कहा था। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी। हीना गावित ने नामांकन वापस नहीं लेने के बाद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गावित अपनी संसदीय सीट नंदुरबार से अक्कलकुवा के मौजूदा विधायक केसी पाडवी के बेटे गोवल पाडवी से हार गईं। कांग्रेस ने अक्कलकुवा से केसी पाडवी को फिर से उम्मीदवार बनाया है।

मंत्री पिता नंदुरबार से बीजेपी प्रत्याशी

एक दिलचस्प मोड़ यह है कि गावित के पिता, राज्य के आदिवासी विकास मंत्री विजयकुमार गावित, पड़ोसी नंदुरबार निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार बने हुए हैं। यह इस्तीफा राज्य नेतृत्व द्वारा पार्टी के बागियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी के ठीक एक दिन बाद आया है। केसी पाडवी लगातार तीन जीत चुके हैं। विजय कुमार गावित नंदुरबार की सीट पर 1995 से लगातार जीत रहे हैं। वह 30 साल से विधायक हैं। पांच साल पहले तक उनके खिलाफ नौ आपराधिक मामले थे। इस बार के हलफनामे में उन्होंने बताया है कि अब उनके खिलाफ कोई केस नहीं है।

'महिलाओं के जगने का समय आ गया है', करंजे के खिलाफ टिप्पणी करने पर सुनील राउत पर बरसीं शाइना एनसी

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) विधायक सुनील राउत प्रतिद्वंद्वी शिवसेना नेता सुवर्णा करंजे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करके फंस गए हैं। इस मामले पर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। अब मुंबा देवी सीट से शिवसेना उम्मीदवार शाइना एनसी ने राज्यसभा सांसद संजय राउत के भाई पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं का सम्मान करते हैं। वही दूसरी तरफ हमारे पास महा विनाश अघाड़ी है, जो हमें वस्तुओं के रूप में बुलाता है। बता दें, सुनील राउत और करंजे मुंबई की विक्रोली विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार ने कथित तौर पर 27 अक्तूबर को उपनगरीय विक्रोली के टैगोर नगर इलाके में एक कार्यक्रम में विवादित टिप्पणी की थी। बाद में इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। करंजे की शिकायत के बाद पुलिस ने सोमवार को सुनील राउत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जिसमें 79 (महिला की गरिमा का अपमान) भी शामिल है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, 'सुनील राउत ने जो बयान दिया वो उनकी पिछड़ी सोच को दिखाता है। वे हमें बकरी और माल कहकर बुलाते हैं। इसी से उनके दिमाग और सोच के बारे में देखा जा सकता है। एक तरफ हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है, जो महिलाओं का बहुत सम्मान करते हैं। आपके पास एक ऐसा मुख्यमंत्री है, जो लड़की बहिन योजना से हमें सशक्त करता है। वहीं दूसरी तरफ महा विनाश अघाड़ी है, जो हमें वस्तुएं की तरह बुलाया जाता है। महाराष्ट्र की महिलाओं को इस असंवेदनशील बयान के खिलाफ जगने का समय आ गया है। कांग्रेस बिल्कुल चुप है। हम 20 नवंबर को इसका करारा जवाब देंगे।' एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा, 'महिलाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। नारी शक्ति हमारी आबादी का आधा हिस्सा है। आज हम सबसे आगे आ रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 'लड़की बहन' जैसी योजनाएं जारी की हैं, यह सिर्फ पैसे के लिए नहीं बल्कि महिलाओं के प्रति सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए है। पीएम मोदी ने 10 साल में महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया है। अन्य दलों ने लंबे-चौड़े दावे किए, लेकिन कभी लागू नहीं किया। 2029 में, लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसदी महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए संवैधानिक संशोधन किए गए हैं। परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा।'

भाई के बचाव में आए राउत

वहीं, संजय राउत ने कहा, 'रहने दो। केवल एक मामला दर्ज किया गया है। चुनाव के दौरान हमारे खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज किए जाएंगे, फिर हमें भी जेल भेजा जाएगा। हम इन सब से डरने वाले नहीं हैं। हम 23 नवंबर के बाद उनका पूरा हिसाब चुकता कर लेंगे।'

हिंदू नेताओं के घर पैट्रोल बम फेंकने वाले चार गिरफ्तार, बाइक की नंबर प्लेट से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

लुधियाना, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना नेता हरकिरत सिंह खुराना और योगेश बक्शी के घर के बाहर पैट्रोल बम से हमला कर डराने के मामले में कमिश्नरेट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कमिश्नरेट पुलिस ने काऊंटर इंटेलीजेंस की टीम के साथ मिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को नवांशहर इलाके से गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपियों का एक साथी अभी फरार है। आरोपियों की पहचान जसविंदर सिंह, रविंदरपाल सिंह, अनिल और मनीष के रुप में हुई है, जबकि आरोपियों का साथी लवप्रीत सिंह अभी फरार चल रहा है। जिसकी तलाश में पुलिस लगी है। आरोपियों ने विदेश में रह रहे बब्बरखालसा के आतंकवादी हरकिरत सिंह लाडी के कहने पर किया था। पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि दोनों शिवसेना नेताओं के घर पर सेम तरीके से हमला किया गया था।

दिल्ली में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का आतंक, रंगदारी न देने पर ताबड़तोड़ फायरिंग, सीसीटीवी आया सामने

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठी है। गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के एसोसिएट ने नांगलोई इलाके में प्लाईवुड शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग करवाई है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एसोसिएट जितेंद्र गोगी गैंग के बदमाशों का फायरिंग करने वाला सीसीटीवी भी सामने आया है, जिसमें बदमाश फायरिंग करते हुए दिख रहे हैं। सीसीटीवी में साफ देखा जा सकता है कि बदमाश कितने बेखौफ हैं। पूरी प्लानिंग से बदमाश फेस को छुपाकर आते हुए दिख रहे हैं। फिर हेलमेट पहना एक बदमाश हथियार के साथ अंदर दाखिल होता है। उसके पास एक कागज की बड़ी पर्ची भी होती है। गेट पर तीनों बदमाश खड़े होते हैं, फिर ताबड़तोड़ गोलियां चलाते हैं।

गोलियों की आवाज को भी सुना जा सकता है। फायरिंग करने के दौरान प्लाईवुड शोरूम में मौजूद मालिक को बदमाश पर्ची देकर जाते हैं, जिसमे गैंग का नाम और रंगदारी के लिए मांगी गई रकम लिखी है। इसके बाद तीनों बदमाश एक साथ बाहर निकलते हैं और बाहर निकलकर फिर फायरिंग करते हैं। इस सीसीटीवी में साफ देख रहा है कि बदमाशों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। वह बेखौफ होकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे हैं। बता दें कि गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या के बाद अब गैंगस्टर दीपक बॉक्सर कमान संभाल रहा है। उसी के इशारे पर ये फायरिंग हुई है। दीपक बॉक्सर इस वक्त जेल में बंद है।

शिवरंजनी तिवारी पर माघ मेले में हो सकता है प्राणघातक हमला, पंडोखर सरकार के पर्चे में किया गया दावा

भोपाल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। शिवरंजनी तिवारी पर प्राणघातक हमले की बात सामने आई है। बता दें कि पंडोखर सरकार के दरबार में शिवरंजनी तिवारी का पर्चा बना, जिसमें लिखा गया कि तिवारी पर 15 जनवरी से 27 फरवरी यानी माघ मेले के दौरान उन पर प्राणघातक हमला हो सकता है। बता दें कि पर्चे में लिखा गया कि माघ मेले में कोई साधक, गुंडा या चमचा शिवरंजनी पर हमला कर सकता है। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से शिवरंजनी को धमकी भी मिल रही है। कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर भजन गायिका शिवरंजनी तिवारी काफी चर्चा में रही हैं। शिवरंजनी तिवारी उत्तराखंड के गंगोत्री से गंगाजल लेकर बागेश्वर धाम के लिए निकली थी। वह एमबीबीएस की छात्रा हैं और पंडित धीरेंद्र शास्त्री को अपना 'प्राणनाथ' मानती हैं। शिवरंजनी तिवारी जब से अपनी जल कलश यात्रा निकाली थीं, तभी से सुर्खियों में बनीं रही।

कौन हैं शिवरंजनी तिवारी?

शिवरंजनी तिवारी एमबीबीएस की छात्रा हैं और भजन गायिका के तौर पर जानी जाती हैं। शिवरंजनी तिवारी के पिता पंडित बैजनाथ तिवारी ने बताया कि उनके परिवार का संबंध मध्यप्रदेश के सिवनी में जन्मे ब्रह्मलीन जगदगुरुस्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि उनका पैतृक गांव चंदौरीकला (दिघौरी) है, जो सिवनी में पड़ता है। हालांकि, शिवरंजनी तिवारी का परिवार पिछले 25 सालों से हरिद्वार में रहता है।

कौन हैं शिवरंजनी तिवारी के माता-पिता?

शिवरंजनी तिवारी के पिता बैजनाथ तिवारी ने बताया कि उन्होंने नागपुर के बीआर इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। वह एक बाइक कंपनी में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे, लेकिन पांच साल पहले उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अब वह अपनी बेटी शिवरंजनी तिवारी के साथ भजन कार्यक्रमों के आयोजन में सहायता करते हैं। वहीं, शिवरंजनी तिवारी की माता कैंसर दवाओं की विशेषज्ञ हैं। वह वर्तमान में अमेरिका के सेंट फ्रांसिस में एक निजी कंपनी में विभाग प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं।

हाथियों की सतत निगरानी को छह विशेष दल गठित, जहां से गुजरेंगे गजराज उन गांवों में मुनादी होगी

भोपाल, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 72 घंटे में 10 हाथियों की मौत और तीन लोगों पर उनके हमले को लेकर सतत निगरानी की जा रही है। इसके लिए छह विशेष दल गठित किए गए हैं। वहीं, हाथियों के मूवमेंट वाले क्षेत्र के गांव में मुनादी की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सभी पहलुओं के मद्देनजर सतत आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसको लेकर अपर मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि टाइगर रिजर्व में छह विशेष दल बनाकर स्वस्थ हाथियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। खितौली रेंज के बगदरा बीट में रेस्क्यू किए गए हाथी की वन्य-प्राणी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। अपर मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव कृष्णमूर्ति ने बताया कि मानव-हाथी द्वंद्व एवं वन्य-प्राणी प्रबंधन के लिए हाथियों के मूवमेंट क्षेत्रों से लगे गांवों में मुनादी कराई जा रही है।

'अगर मिल गए तो उल्टा लटकाकर घुमाऊंगा', इंदौर विवाद में कैलाश विजयवर्गीय का बयान

इंदौर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के छत्रीपुरा इलाके में घर के बाहर पटाखे फोड़ने पर विवाद हो गया था। यहां 13 साल की बच्ची और उसकी मां के साथ अभद्रता की गई थी, जिसके बाद पत्थरबाजी भी हुई। इंदौर में माहौल खराब करने वाले चार और आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आरोपी छत्रीपुरा इलाके से ही पकड़े गए। अब पुलिस की गिरफ्त में कुल 8 आरोपी हैं। इसके अलावा, कार्रवाई करते हुए छत्रीपुरा के एक धर्मस्थल पर लगे एक विवादित पोस्टर को भी उतरवा दिया गया। मामले में पुलिस आगे की जांच और कार्रवाई में जुटी है।

कैलाश विजयवर्गीय की चेतावनी

इस मामले में अब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बयान आया है। उन्होंने कहा है कि इंदौर में अशांति फैलाने वालों को उल्टा कर घुमाएंगे। दरअसल, कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, मैं भी देख रहा हूं कि प्रशासन काफी सक्रिय है। अगर इसमें सही चेहरे की पहचान नहीं हुई तो फिर मैं भी देखूंगा कि इंदौर में कौन अशांति फैलाता है। अगर वह मेरे हाथ लग गया न तो उल्टा लटका कर शहर में घुमाऊंगा। इस शहर में कोई अशांति नहीं फैला सकता। जो भी अशांति फैलाने की कोशिश करेगा, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। इस शहर के लिए हम कुछ भी कर सकते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय ने दिया खुला संदेश

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा, मेरा खुला संदेश हैं- इंदौर में जो दंगा फैलाएगा वह इंदौर में रह नहीं पाएगा। हमें अगर पता लग गया कि वह कौन शख्स है, तो उसे इंदौर में नहीं रहने देंगे। प्रशासन जो कार्रवाई करेगा वह करेगा, हम भी पीछे नहीं हटेंगे। इसलिए इंदौर शहर को नुकसान पहुंचाने की अगर कोई कोशिश करेगा, तो हम उसे हर तरह से समाप्त कर देंगे। इंदौर पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, छत्रीपुरा विवाद में आरोपी अनीस, अमन, राजा और नानू उर्फ आवेश को भी अरेस्ट किया गया है। ये सभी पत्थरबाजी में शामिल थे। इसके अलावा, पीड़ित परिवार से हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की थी। अब पुलिस सतर्क है और इलाके में कोई विवाद न हो इसके लिए एहतियात बरते जा रहे हैं। कई जगह पर जवान तैनात किए गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 6 नवंबर- 2024

क्यों चलता है योगी का सिक्का

महाराष्ट्र में एमवीए के जातिगत आरक्षण और संविधान बचाने की धारणा को तोड़ने के लिए बीजेपी ने भी तीर छोडने प्रारंभ कर दिए हैं। इसी कडी में भाजपा ने अपने करिश्माई नेता एवं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की रैली के जरिए हिंदुत्व को धार देना शुरू कर दिया है। उनका नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' ने महाराष्ट्र से लेकर कनाडा तक अपना जादू बिखेरना शुरू कर दिया है। इसके पहले हरियाणा चुनाव में भी योगी का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' ने कमाल दिखाया था। महाराष्ट्र में योगी की डिमांड का आलम यह है कि वह पीएम मोदी से भी अधिक 15 चुनावी सभा करेंगे, जबकि नरेंद्र मोदी के लिए 11 जनसभा तय की गई है। महाराष्ट्र में कांग्रेस, बीजेपी समेत सभी दलों के स्टार प्रचारक अगले 13 दिनों तक महाराष्ट्र की धरती नापेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी आठ नवंबर से जनसभा की शुरुआत करेंगे तो 6 नवंबर को राहुल गांधी भी आरएसएस के गढ़ नागपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर रहे हैं। 18 अक्तूबर की शाम को चुनावी प्रचार का शोर थम जाएगा। उससे पहले बीजेपी के ट्रंप कार्ड साबित हो चुके योगी आदित्य नाथ मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में 15 चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। जाहिर है महाराष्ट्र में हिंदुत्व की उपजाऊ धरती पर योगी का 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे की फसल लहलहाएगी। इसके पहले हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भी योगी आदित्यनाथ ने अपना जलवा बिखेरने में कोई कसर बाकी नहीं रखी थी। जम्मू-कश्मीर में योगी आदित्यनाथ का स्ट्राइक रेट 90 फीसदी और हरियाणा में करीब 65 फीसदी था। जम्मू में योगी ने पांच विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियां कीं, जिनमें से चार पर बीजेपी को जीत मिली। बीजेपी किशतवाड़ और कठुआ जैसे मुस्लिम बाहुल्य सीट पर जीतने में सफल रही। किशतवाड़ में पहली बार बीजेपी की शगुन परिहार ने कमल खिलाया। हरियाणा में भी योगी आदित्यनाथ ने 20 विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया, जिनमें से 13 पर बीजेपी को जीत मिली। हरियाणा चुनाव में ही योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' के चुनावी नारे को लॉन्च किया था। इस नारे ने ग्राउंड पर इस कदर कमाल किया कि बीजेपी ने एंटी इम्कबेंसी और कांग्रेस के नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया। यह नारा जुबान पर ऐसा चढ़ा कि गैर चुनावी राज्यों में भी बीजेपी समर्थक इसे आजमाने लगे। लोकप्रियता का आलम यह है कि सोमवार को कनाडा में हमले के बाद हिंदू समुदाय ने अपने प्रदर्शन में 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे लगाए। महाराष्ट्र में मुंबई समेत राज्य के कई हिस्सों में योगी आदित्यनाथ की तस्वीर के साथ 'बंटेंगे तो कटेंगे' के पोस्टर लगाए गए हैं। जाहिर है चुनाव में एमवीए के लिए मुस्लिम वोटरों की एकजुटता का जवाब इस नैरेटिव से देने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले के चुनाव में बाबा का बुलडोजर भी काफी लोकप्रिय और प्रभावी साबित हो चुका है। चुनाव प्रचार के दौरान योगी आदित्यनाथ अपने भाषण की शुरुआत महिला विकास, किसान और विकास जैसे मुद्दों से करते हैं। 'युवाओं के हाथ में तमंचा नहीं टेबलेट होना चाहिए', यह उनकी पसंदीदा लाइनों में से एक है। इसके बाद मोदी सरकार के कार्यकाल में हुए काम के जरिये आतंकवाद को लेकर कांग्रेस को निशाने पर रखते हैं। आतंक की बात होती है तो पाकिस्तान की चर्चा भी जरूर होता है। पाकिस्तान और आतंकवाद के साथ ही वह अपना संदेश साफ कर देते हैं। दंगों की चर्चा करते हैं तो बुल्डोजर एक्शन के बारे में बताते हैं। अयोध्या में दर्शन का निमंत्रण देते हैं। जब समां बंध जाता है तो वह सभा में मौजूद लोगों से संवाद भी करते हैं। यूपी में सड़कों पर नमाज बंद, मस्जिदों में लगे लाउड स्पीकर हटाने और अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर भी जनता का फीडबैक लेते हैं। हरियाणा में राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण के जवाब में ही उन्होंने 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया था, जिसने राजनीति में तूफान ला दिया था।

कनाडा में भी लगे 'जय श्री राम' और कटेंगे तो बटेंगे के नारे

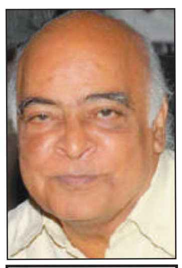

अशोक भाटिया

कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर के बाहर लोग जुट रहे हैं। इन लोगों के हाथों में भारत के झंडे हैं, कुछ लोगों के हाथों में भगवा झंडे भी नजर आ रहे हैं। लोग 'जय श्री राम' और ' कटेंगे तो बटेंगे के नारे ' के नारे लगा रहे हैं। इन लोगों में बेहद गुस्सा है। मंदिर के बाहर जुटे लोगों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किये गए हैं। इस मंदिर के बाहर ही खालिस्तानियों ने हिंदू श्रद्धालुओं पर लाठियां चलाई थीं, उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इन घटना को लेकर भारत में भी काफी रोष नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कनाडा में मंदिर के बाहर हिंदुओं पर हुए हमले की निंदा की और इसे 'जानबूझकर किया गया हमला' करार दिया। ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर के बाहर प्रदर्शन कर रहे कुछ लोग खालिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगा रहे हैं। कनाडा के इतिहास में शायद पहली बार किसी हिंदू मंदिर में इस तरह खालिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हिंदुओं में इस घटना को लेकर कितना गुस्सा है, जो इस रूप में बाहर आ रहा है। इससे पहले सोमवार को भी मंदिर के बाहर सैकड़ों श्रद्धालु जुटे और 'जय श्रीराम' और 'बटेंगे तो कटेंगे' के नारे लगाए।

भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों के सुरक्षित पनाहगाह के तौर पर उभरे कनाडा में दंगाइयों ने हिंदू मंदिरों को निशाना बना रहे है। श्रद्धालुओं पर हमले किए जा रहे हैं। भारतीय राजनयिकों पर हमले की कोशिश की है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार भारतीय राजनयिकों की निगरानी कर रही है। उनकी जासूसी कर रही है। कनाडाई आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो ने भारत पर बेतुके आरोप लगाए। तब से दोनों देशों के रिश्ते गर्त में पहुंच चुके हैं। अब हिंदू मंदिरों पर ट्रूडो सरकार के पाले गुंडों और दंगाइयों के हमले ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। यहाँ पंजाब में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सरकार पर खालिस्तानियों को अपरोक्ष रूप से सपोर्ट करने का आरोप लगते रहे हैं। पर जिस तरह पंजाब सरकार लगातार कनाडा में खालिस्तानियों को लेकर हुई घटनाओं पर आंख मूंदे हुए है वो उन आरोपों की पुष्टि कर रहे हैं जो अब तक उन पर लगता रहा है। पंजाब सरकार भारत-कनाडा विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार करती रही है। अब भारत और कनाडा को लेकर लगातार माहौल खराब हो रहा के बावजूद पंजाब सरकार की रहस्यमय चुप्पी समझ से परे है। जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस सरकार ने इस तरह कभी भी कट्टरपंथियों के आगे हाथ नहीं डाले थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया है। कनाडा में निज्जर हत्याकांड के बाद वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जिस तरह से अपनी राजनीति चमकाने के नाम पर लगातार भारत को टार्गेट कर रहे हैं, जिस तरह वहां हिंदुओं को बार-बार खालिस्तानी उग्रवादी टार्गेट कर रहे हैं उसके चलते एक बार फिर पंजाब अशांति की ओर जा सकता है। पिछले महीने इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर की माने तो पंजाब सरकार के कुछ मंत्रियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, हालांकि एक ने कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में जब दोनों देशों के बीच संबंध पहली बार तनावपूर्ण हुए थे और कनाडाई संसद में ट्रूडो ने यह दावा किया था कि भारत का जून 2023 में सरे में हुई निज्जर की हत्या में हाथ था। तब मान को विपक्ष ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पर इस बीच जब मामला और गंभीर होता जा रहा है तब भी पंजाब सरकार की चुप्पी संदेहास्पद होती जा रही है। AAP सरकार की चुप्पी पर पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने इसे लेकर पार्टी पर निशाना साधा था कि पार्टी ने कनाडा विवाद पर एक शब्द भी नहीं कहा। कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा ने मुख्यमंत्री से सवाल किया था कि मान दावा करते हैं कि वह पंजाब के 3 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा, जो कनाडा में रहने वाले लाखों पंजाबी, खासकर युवाओं को प्रभावित करता है। माना जाता है कि AAP को NRI समुदाय का समर्थन प्राप्त है। 2017 के विधानसभा चुनावों के प्रचार में बड़ी संख्या में प्रवासी समुदाय के लोगों ने पंजाब में आकर पार्टी को बैकअप दिया था।

बताया जाता है कि ऐसे में सबकी निगाहों में सॉफ्ट टारगेट सिख समुदाय है। चूंकि भारत के बाहर सिखों की सबसे बड़ी आबादी कनाडा में है, इसलिए वहां के सिखों को बरगलाना आसान है। वहां के गुरुद्वारों में ऐसे तत्वों का जमावड़ा खूब है, जो लोग धार्मिक श्रद्धालुओं को और भारत के युवा सिखों को भड़काते हैं। जबकि कनाडा में भी हिंदू-सिखों में परस्पर शादी-विवाह होते हैं और दोनों समुदाय एक-दूसरे के पूजा स्थलों में जाते रहते हैं।

हालांकि, उस समय AAP चुनाव हार गई थी, केवल 117 में से 20 सीटें जीत पाई थी। 2022 में, AAP ने फिर से चुनाव लड़ा और 91 सीटें जीतकर सत्ता में आई, जिसमें फिर से NRI समुदाय का समर्थन मिला था।कहा गया कि AAP को समर्थन देने वालों में अधिकतर खालिस्तानियों समर्थक हैं। तो क्या इस जनसमर्थन के चलते आम आदमी पार्टी के नेता कनाडा विवाद पर कुछ भी बोल नहीं रहे हैं। सवाल उठता है कि जब पंजाब में रही कांग्रेस सरकार और पंजाब की स्थानीय सीपीआई इकाई दोनों हमेशा से जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ बयान देते रहे हैं तो फिर आम आदमी पार्टी इस संबंध में क्यों मुंह छिपा रही है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और अब वरिष्ठ भाजपा नेता अमरिंदर सिंह हमेशा से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर भारत-कनाडा संबंधों को बर्बाद करने का आरोप लगाते रहे हैं। जब वो पंजाब में कांग्रेस सरकार के मुखिया तब भी उनके विचार में कोई अंतर नहीं था। अमरिंदर सिंह कहते हैं कि ट्रूडो ने भारत और कनाडा के रिश्ते को बर्बाद कर दिया है। ट्रूडो की रुचि सिर्फ एक चीज में है और वह है अपने चुनाव में सिख वोट पाना। पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए सिंह कहते हैं कि उन्होंने उस समय के कनाडाई रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन से मिलने से इनकार कर दिया था और उन्हें खालिस्तानी समर्थक कहा था। 2018 में ट्रूडो के भारत दौरे को याद करते हुए, उन्होंने कहा, जब ट्रूडो यहां आए, तो वह मुझसे मिलना चाहते थे। मैंने कहा कि मैं उनसे मिलना नहीं चाहता। वह पंजाब आना चाहते थे। फिर भारत सरकार ने ट्रूडो से कहा कि यदि आप मुख्यमंत्री से नहीं मिलते हैं, तो आप पंजाब नहीं जा सकते हैं।

तब हमें मिलना पड़ा। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) का भी अनपेक्षित सहयोगी मिला है। कनाडा में हिंदी टाइम्स मीडिया के समूह संपादक राकेश तिवारी का कहना है, कि पूरी दुनिया में हिंदुओं की राजनीतिक ताकत कमजोर पड़ती जा रही है। भारत-विरोधी देश इसका लाभ उठाते हैं और वे भारत में अलगाववाद के समर्थक लोगों को हवा दे रहे हैं। पाकिस्तान भी भारत के टुकड़े करवाना चाहता है क्योंकि बांग्लादेश का घाव उसे आज भी टीसता है। बताया जाता है कि ऐसे में सबकी निगाहों में सॉफ्ट टारगेट सिख समुदाय है। चूंकि भारत के बाहर सिखों की सबसे बड़ी आबादी कनाडा में है, इसलिए वहां के सिखों को बरगलाना आसान है। वहां के गुरुद्वारों में ऐसे तत्वों का जमावड़ा खूब है, जो लोग धार्मिक श्रद्धालुओं को और भारत के युवा सिखों को भड़काते हैं। जबकि कनाडा में भी हिंदू-सिखों में परस्पर शादी-विवाह होते हैं और दोनों समुदाय एक-दूसरे के पूजा स्थलों में जाते रहते हैं।

हैरिस हों या ट्रंप- भारत- अमेरिका संबंध होते रहेंगे सशक्त

आर.के. सिन्हा

अमेरिका में कल ही यानि 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होने जा रहा है। इसको लेकर सारी दुनिया के साथ भारत में भी गहरी दिलचस्पी ली जा रही है। हालांकि यह बात तो शीशे की तरह साफ है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चाहें भारतीय मूल की कमला हैरिस बने हैं या डोनाल्ड ट्रंप, दोनों देशों के संबंध बेहतर बने रहेंगे। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास है, लेकिन 21वीं सदी में इन संबंधों ने एक नया आयाम ग्रहण किया है। आज यह दो लोकतांत्रिक महाशक्तियां एक दूसरे के महत्वपूर्ण भागीदार हैं, जो वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति में साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत और अमेरिका के संबंधों का इतिहास वैसे कहें तो जटिल ही रहा है। 1947 में भारत की आजादी के बाद, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखा। हालाँकि, 1960 और 1970 के दशक में, भारत की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान के साथ निकटता के कारण दोनों देशों के बीच कुछ तनाव भी देखने को मिले। 1990 के दशक में, शीत युद्ध के खत्म होने और वैश्वीकरण के उदय ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया। दोनों देशों ने एक दूसरे के साथ व्यापार और निवेश को बढ़ावा दिया, और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत किया। आज, भारत-अमेरिका संबंध विभिन्न क्षेत्रों में गहरे और मजबूत हैं। भारत अमेरिका के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है, और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निवेशक है। दोनों देश एक दूसरे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा दिया है। भारत और अमेरिका एक दूसरे के साथ तकनीकी क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास की गति तेज है, और अमेरिकी कंपनियां भारत के बाजार में निवेश करने में रुचि रखती हैं। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। कई भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं, और अमेरिका में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति बढ़ रही है। हालांकि भारत-अमेरिका संबंधों में प्रगति हुई है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में कुछ असंतुलन है, जिसके कारण कुछ तनाव भी देखने को मिलता रहता है। भारत-अमेरिका संबंधों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी खासी अहम रही है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि से दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण किया है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान अविश्वसनीय है। वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, वित्त और उद्यमिता शामिल हैं। ₹सिलिकॉन वैली₹ में भारतीय मूल के उद्यमी और कार्यकर्ता प्रौद्योगिकी क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, भारतीय-अमेरिकी व्यापारियों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिका में राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। वे विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय हैं और उच्च पदों पर पहुंचते हैं। कांग्रेस और राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण संख्या में भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। वे दोनों देशों की सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे भारतीय फिल्मों, संगीत, कला और साहित्य को लोकप्रिय बनाने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय समुदाय अमेरिका के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने में योगदान दे रहा है, बहुसांस्कृतिक समाज को मजबूत कर रहा है। बेशक, प्रवासी भारतीयों ने भारत और अमेरिका के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण किया है। वे दोनों देशों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को समझते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग बढ़ता है।

वे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं। हालांकि यह भी सच है कि प्रवासी भारतीयों को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सांस्कृतिक अलगाव, भेदभाव और नस्लीय पूर्वाग्रह शामिल हैं। हालांकि, प्रवासी भारतीयों की मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि ने उन्हें अमेरिका में सफलता हासिल करने और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल बनाया है। भविष्य में, प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी, क्योंकि वे दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। प्रवासी भारतीयों का भारत-अमेरिका संबंधों पर एक बहुआयामी और सकारात्मक प्रभाव है। वे दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण करते हैं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्रवासी भारतीयों की भूमिका भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस बीच, अमेरिका में बसे भारतीयों की बात करते हुए हमें भारत में बस गए अमेरिकी नृत्यांगना शेरोन लोवेन की भी चर्चा कर लेना चाहिए। शेरोन लोवेन मूल रूप से अमेरिकी हैं और वो बीते पचास सालों से भी कुछ अधिक समय से भारत की हो गई हैं। शेरोन लोवेन भारत की चोटी की ओड़िसी नृत्य की नृत्यांगना हैं। उन्होंने अपना सारा जीवन ओड़िसी नृत्य सीखने और सिखाने में समर्पित कर दिया है। उन्होंने भारत और भारत से बाहर सैकड़ों कार्यक्रमों में अपने चमत्कारी नृत्य से दर्शकों का भरपूर प्यार पाया है। वो जन्म से यहूदी हैं। पर वो बुद्ध और सनातन परंपरा को गहराई से जानती हैं और उसका गहन अध्ययन भी करती हैं। शेरोन लोवेन से अब अमेरिका बहुत दूर छूट चुका है। वह भारतीय हो गई हैं। शेरोन लोवेन 1975 में मिशिगन विश्वविद्यालय से मानविकी, ललित कला, एशियाई अध्ययन और नृत्य में बीए और एमए करने के बाद दिल्ली में मणिपुरी नृत्य को सीखने के लिए भारत आईं थीं। उन्हें यहां गुरु केलुचरण महापात्रा के रूप में पहला गुरु मिला। तो कह सकते हैं कि भारत- अमेरिका संबंधों को सशक्त करने में शेरोन लोवेन जैसी विभूतियों का योगदान भी कोई कम नहीं रहा है।

सुरक्षा के लिए खतरा है पंजाब में नशे का जाल

ललित गर्ग

पंजाब में आतंकवाद ही नहीं, तरह-तरह के नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश हिला है। कितनी मांओं की गोद उजड़ गई और कितने वृद्ध पिताओं की सहारे की लाठी टूट गई। नशीले पदार्थों का धंधा सीमाओं से होते हुए देश की रग-रग में पसरता गया है।

पंजाब में बिछा ड्रग्स का जाल जनजीवन के लिये बड़ी चुनौती है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान में उत्पादित हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। नकली शराब और नशीले पदार्थों को रोका जाना चाहिए। ऐसे तो युवा खत्म हो जाएंगे। गरीब लोग मर रहे हैं। पंजाब में हर गली में एक भट्टी होती है। अगर कोई चाहे तो देश को खत्म कर देगा। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे चलेगा? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है।

महाराष्ट्र चुनाव नैतिकता विहीन और विचार शून्य

नरेंद्र तिवारी

दलीय दलदल किसी राज्य में नजर आता है, तो वह भारत के आर्थिक रुप से सम्पन्न राज्य महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में दिखाई देता है। जहां वर्तमान दौर की राजनीति विचार शून्य ओर नैतिकता विहीन नजर आ रही है। नामांकन दाखिल किए जाने के बाद से वापसी तक जो राजनीतिक घमासान नजर आ रहा है। वह दलीय निष्ठाओं के ऊपर व्यक्तिगत, पारिवारिक हितों को स्थापित करता दिखाई देता है। यहां जिस प्रकार कि राजनीति चल रही है उसका असर भारत की राजनीति को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। राजनीति का इससे पहले इतना अवमूल्यन कभी नहीं देखा गया जैसा महाराष्ट्र के कुछ बरसों एवं 2024 के विधानसभा चुनाव में देश सहित महाराष्ट्र की जनता देख रही है।

राजनीति का ऐसा घालमेल जहां यह तय कर पाना मुश्किल हो जाए कि किस दल की विचारधारा कौनसी है? कौन किसका साथी है? सुबह इस पार्टी का नेता शाम तक किसी दूसरी पार्टी में टिकिट हथियाने के लिए चले जाएगा कहा नहीं जा सकता है। राजनीति की क्रूर सच्चाई के महाराष्ट्रीयन उदाहरणों ने दलगत निष्ठा, भरोसा, नैतिकता, विचार जैसे सकारात्मक राजनीति के गढ़े गए शब्दों से विश्वास ही उठा दिया है। क्या महाराष्ट्र भारतीय राजनीति का दर्पण है ? जिसमें दिखाई देने वाली राजनैतिक तस्वीर भारतीय राजनीति का असली चित्र प्रस्तुत कर रही है ? जबकि बरसों से राजनीतिक दलों ने देश की जनता को बताया कि प्रजातंत्र में राजनीतिक दल अपने सिद्धांत कार्यक्रम ओर एजेंडा लेकर मतदाता के समक्ष जाते है। जनता की सेवा और राष्ट्रसेवा नेता और दल का परम दायित्व है। दलीय राजनीति में व्यक्ति और परिवार गौण रहते है, नीति और कार्यक्रम मुख्य होते है, जिसे जनता के सामने रखकर राजनीतिक दल देश प्रदेश की सेवा का बहुमत प्राप्त करता है। सरकार बनाने के लिए एक ही विचारधारा के साथी दल आपसी गठबंधन बनाकर चुनावी समर में उतरते है। बेमेल गठबंधन राजनीति में भ्रष्टाचार को बढ़ाते है।महाराष्ट्र की राजनीति में खरीद फरोख्त एवं भ्रष्टाचार का बोलबाला पहले से ही मौजूद रहा है, किंतु बीते कुछ सालों से जोड़तोड़ की सरकारों के दौर में राजनीति की तस्वीर बेहद भद्दी और घिनौनी हो गई है। महाराष्ट्र की राजनीति के विषय में कहा जाता है कि यहां खुलेआम धनबल, बाहुबल, सत्ताबल का प्रयोग चुनाव में किया जा रहा है। नेता धनबल के प्रयोग से चुनाव जीतकर सत्ता की मंडी में अपनी बोली लगाते हैं, इस बोली में विचारधारा, नैतिक मूल्य, दलीय निष्ठा को भी दांव पर लगा दिया जाता है। यहां पहले भी ऐसा हो चुका है, अब इसकी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

चुनाव जीतकर नेता जनता की सेवा का संकल्प लेते है। किंतु जो परिवेश महाराष्ट्र की राजनीति के वर्तमान दौर में दिख रहा है। वह भारत के प्रजातंत्र की असली तस्वीर तो नहीं कही जा सकती है। इस परिवेश के निर्माण में कोई एक दल जिम्मेदार नहीं सभी दल यहां एक जैसी कार्यप्रणाली से राजनीतिक गतिविधियों को संचालित कर रहे है।

विकासपुर के महान नायक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

विकासपुर नाम का एक गांव था, जो सदियों से विकास की परिभाषा समझने के लिए जद्दोजहद कर रहा था। गांव वालों का मानना था कि विकास का असली मतलब वही होता है, जो नेता जी चुनावी भाषणों में समझाते थे— "हर घर में बिजली, हर घर में पानी, और हर जेब में खनकती दौलत!" बस यही सपने दिखाते हुए नेता जी वर्षों से गांव पर राज कर रहे थे। एक दिन, विकासपुर में एक नए प्रकार की घबराहट फैल गई। सुना गया कि विकासपुर में ₹अंतर्राष्ट्रीय विकास सम्मेलन₹ होने वाला है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के महान विचारक, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता शामिल होंगे। गांव वालों को तो जैसे यकीन ही नहीं हुआ। वे यह सोचने लगे कि विकास क्या सच में आ रहा है? या फिर यह भी कोई नया चुनावी स्टंट है? खैर, सम्मेलन का दिन आ पहुंचा। मंच पर कई बड़े-बड़े विचारक बैठे थे। कुछ का तो इतना बड़ा पेट था कि लगता था उनके अंदर ही पूरा विकास छिपा हुआ है। मंच के ठीक सामने, विकासपुर के गरीब किसान, मजदूर और बेरोजगार नौजवान बैठे थे, जिन्हें विकास का 'अ' भी नहीं पता था, लेकिन वे मन में पूरी उम्मीद बांधे बैठे थे कि अब तो कुछ करिश्मा जरूर होगा। सम्मेलन शुरू हुआ। पहले ही वक्ता, प्रोफेसर ज्ञानचंद विकासपुरी, ने माइक संभाला। उन्होंने कहा, "विकास क्या है? यह एक मानसिक अवस्था है! जब आप अपने दिमाग को विकसित कर लेते हैं, तो विकास अपने आप हो जाता है। अब देखिए, मेरे पास तीन बंगले हैं, चार गाड़ियाँ हैं, और विदेश में भी संपत्ति है। यह सब मानसिक विकास का नतीजा है!" गांव वालों ने आश्चर्य से एक-दूसरे की ओर देखा। "यह आदमी क्या कह रहा है?" एक किसान ने दूसरे से पूछा। "हमारा पेट खाली है, और ये दिमाग भरने की बात कर रहा है!" अगले वक्ता, श्रीमान योजना सिंह, सरकार के प्रतिनिधि थे। उन्होंने गर्व से घोषणा की, "हमने विकास के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। योजना नंबर 421 में हमने सड़क निर्माण का वादा किया था। अब वो सड़क कागज पर बन चुकी है, और अगले साल तक उसकी तस्वीरें भी जारी कर दी जाएंगी!" सभी लोगों ने तालियाँ बजाईं। विकासपुर के बुजुर्गों ने कान पकड़ लिए। अरे भाई, ये सड़क कागज पर बन रही है, हम कहां चलेंगे? तीसरे वक्ता, डॉ. विज्ञानदास टिंबरवाला, जो विज्ञान के क्षेत्र में माने जाते थे, ने कहा, "अब विकास के लिए हमें तकनीक का उपयोग करना चाहिए। अगर आपके पास स्मार्टफोन नहीं है, तो आप विकास से बहुत पीछे हैं। हमारी सरकार ने योजना बनाई है कि हर गरीब को एक ऐप दिया जाएगा, जिससे वो खुद को विकसित कर सके। ऐप में सब कुछ होगा—रोटी, कपड़ा, मकान, और यहां तक कि नौकरी भी!" गांव का एक नौजवान जोर से हंस पड़ा। "अरे भैया, हमें ऐप की नहीं, रोजगार की जरूरत है! ऐप से पेट नहीं भरता!"फिर विकासपुर के प्रधान जी ने मंच संभाला। वह गांव के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माने जाते थे।

छठ पर्व

महिलाओं के लिए जरूरी नियम

छठ पर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होता है और कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और उसके बाद अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ पूजा संपन्न मानी जाती हैं। इस दौरान छठ पूजा के व्रतियों और उनके परिजनों को बहुत से नियमों का पालन करना चाहिए। ताकि उनका व्रत बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके और छठी मइया का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। छठ पूजा का व्रत परिवार की खुशहाली और संतान की सुरक्षा के साथ अच्छी सेहत के लिए किया जाता है और इसमें व्रती महिलाओं को कई घंटों तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देना होता है। छठ पूजा के नियम और सभी जरूरी बातें।

परिवार के सभी लोग करें सात्विक भोजन

छठ पूजा में सिर्फ व्रती ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सभी लोगों को सात्विक भोजन ही करना चाहिए। छठ पूजा के दौरान परिवार के सभी लोगों को लहसुन और प्याज से परहेज करते हुए साधारण भोजन करना चाहिए। ऐसा करने से आपके मन में श्रद्धा भाव बना रहता है और सुविचार आते हैं।

व्रती महिलाओं के लिए जरूरी नियम

छठ पूजा में जो महिलाएं व्रत करती हैं उन्हें 36 घंटे तक पानी भी नहीं पीना होता है। इस नियम का पालन करना शास्त्रों में बहुत ही जरूरी माना गया है। व्रत के दौरान पानी पीने से आपका व्रत खंडित माना जाता है और आपको पूजा का लाभ नहीं मिलता है। इसलिए इस बात का जरूर ध्यान रखें कि आपको पानी नहीं पीना है। छठ का व्रत सिर्फ उन्हीं लोगों को रखना चाहिए जो इस नियम का पालन कर सकें।

पूजा में साफ सफाई का रखें ध्यान

छठ पूजा में साफ-सफाई और पवित्रता का बहुत ध्यान रखा जाता है। महिलाएं साफ धुले हुए वस्त्र पहनें और पूजा के लिए प्रसाद बनाने से पहले उस स्थान को ठीक से साफ-सुथरा कर लेना चाहिए। साथ ही जिस स्थान पर आपको पूजा करनी है उस स्थान को गंगाजल से पवित्र कर लेना चाहिए।

छठ पूजा में इन बातों का रखें खास ध्यान

छठ पूजा में रोजाना सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें और फिर पूजा अनुष्ठान आरंभ करें।

छठ पूजा में भोग और प्रसाद बनाते समय साधारण नमक का प्रयोग न करें, सेंधा नमक ही डालें।

भूलकर भी इस दौरान घर में शराब और मांसाहार नहीं आना चाहिए।

इस दौरान नहाने के बाद घर की महिलाएं रोजाना नारंगी रंग का सिंदूर ही लगाएं।

पूजा करते समय भगवान सूर्य और छठी माता को दूध जरूर अर्पित करें।

पूजा में फटी और पुरानी टोकरी का प्रयोग न करें। हमेशा साफ और नई टोकरी लेकर पूजा करें।

दिल्ली में बादशाह को हराकर पीछे क्यों हटे बाजीराव

मराठों का इतिहास

गोलकुंडा की कुतुबशाही की नींव रखने वाला कुली कुतुब शाह एक तुर्की था, जो पहले बहमनी साम्राज्य की सेना में था। उसने गोलकुंडा (आज के तेलंगाना के इलाके में) से अपनी सल्तनत की शुरुआत कर दी। 1580 में गोलकुंडा पर मुहम्मद कुली कुतुब शाह का शासन आया। मुहम्मद को हैदराबाद शहर बसाने वाले सुल्तान के तौर पर जाना जाता है। कुछ इतिहासकारों के अनुसार उसको एक नाचने वाली से प्रेम हो गया था। उसने बाद में इस्लाम कुबूल कर लिया था और उसका नाम हैदर महल हो गया था। इसी के नाम पर हैदराबाद बना। 1656 में गोलकुंडा पर भी मुगलों का पहला हमला हुआ। करीब 170 सालों के शासन के बाद 1687 में गोलकुंडा के किले पर औरंगजेब का कब्जा हो गया।

1658 से 1707 तक 49 साल मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन रहा। इस दौरान औरंगजेब ने लगभग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर मुगल साम्राज्य कायम किया, लेकिन वह दक्कन के पहले मराठा शासक शिवाजी भोंसले को हराने में नाकाम रहा। इतिहासकार नरहर कुरुंदकर कहते हैं- औरंगजेब ने कई मराठाओं को हराया, लेकिन वो खुद जीत नहीं सका। यही वह इलाका था जिसने ईस्ट इंडिया कंपनी को रोके रखा। 19वीं सदी में जब पूरा भारत ईस्ट इंडिया कंपनी के कब्जे में जा चुका था, तब पुणे ने अपनी आजादी बचाकर रखी थी।

छत्रपति शिवाजी ने 26 साल औरंगजेब को छकाया; महाराष्ट्र में कैसे घुसे अंग्रेज

पेशवा बाजीराव की सेना ने मुगल बादशाह मुहम्मद शाह के महल से सिर्फ 4 कोस दूर कालकाजी मंदिर के पास ताल कटोरा के मैदान में डेरा डाल दिया। दिल्ली को कब्जे में लेकर बाजीराव ने बादशाह के पास एक संदेश भिजवाया- मैं आपके दरवाजे से कुछ मील की दूरी पर हूं। अगर अपने सैनिकों को आज्ञा दे दूं तो वह एक झटके में शाही महल पर कब्जा कर लेंगे। चलिए मिलकर शांति का रास्ता निकाला जाए, वरना जिम्मेदारी आपकी होगी।

महल में बैठे बादशाह ने बाहर हो रही जंग का हाल पूछा तो जवाब मिला, 'बाजीराव ने आब और पानी के जिन्नों को काबू में कर रखा है।' बादशाह ने यमुना के रास्ते भागने के लिए महल के नीचे नावें मंगवा लीं, लेकिन तभी आगे बढ़ने की बजाय बाजीराव पीछे हटे और राजपूताना इलाकों से होते हुए अजमेर चले गए। इन्हीं पेशवा पर बाजीराव-मस्तानी फिल्म बनी है।

1630 ईस्वी में शाहजी और जीजाबाई को शिवनेर के किले में एक बेटा हुआ। नाम रखा गया शिवाजी। शिवाजी के पिता शाहजी निजाम के अधीन पूना के एक छोटे जागीरदार थे। 1630 से 1636 तक, शाहजी युद्धों में व्यस्त रहने के चलते घर से दूर रहे। शिवाजी की परवरिश दादोजी कोंडदेव और मां जीजाबाई की देखरेख में हुई। शिवनेर का किला मुगलों के कब्जे में चला गया, तो जीजाबाई और दादोजी शिवाजी को लेकर पुणे चले आए। शिवाजी ने महज 16 साल की उम्र में बाजी पासलकर, तानाजी मालुसरे और येसाजी कंक जैसे लोगों के साथ आदिल शाह के अधीन आने वाले पुणे का तोरण किला जीत लिया। 1646 में दादोजी का निधन हुआ तो छत्रपति शिवाजी ने पिता की जमींदारी पूरी तरह संभाल ली। उन्होंने तोरण के पास एक और किला बनवाया और इसका नाम राजगढ़ रखा। **(जारी)**

इस अंक वाले लोग खर्च पर दें ध्यान लगेगा वित्तीय झटका

इनके रिश्ते पर पड़ेगा नेगेटिव असर

अंक 1 (किसी भी माह की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि राज्य की नौकरशाही सहायक हो जाती है। प्रतिस्पर्धा के बारे में आत्मसंतुष्ट होने का यह समय नहीं है। यदि आप सावधान नहीं हैं तो आप कोई कीमती चीज़ खो सकते हैं। दोपहर में आप किस्मत के खेल में भाग्यशाली हो सकते हैं। नई रोमांटिक रुचियां आपके क्षितिज को व्यापक बनाती हैं और नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। आपका भाग्यशाली अंक 17 है और आपका भाग्यशाली रंग इलेक्ट्रिक ग्रे है।

अंक 2 (किसी भी माह की 2, 11, 20 या 29 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि शाम को सामाजिक मेलजोल से कोई महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा होगा। अप्रत्याशित कलह आपको यह सोचने पर मजबूर कर देगी कि आखिर हो क्या रहा है और क्यों। सावधान रहें! कोई आपको धोखा देने की कोशिश कर रहा है। अतिरिक्त सावधानी बरतें। आप पूरे दिन अपनी आर्थिक संभावनाओं को बेहतर बनाने की पूरी कोशिश करते हैं। इस समय आपका साथी प्रेरणा का स्रोत है। आपका लकी नंबर 2 और लकी रंग बेबी पिंक है।

अंक 3 (किसी भी माह की 3, 12, 21, 30 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि राज्य नौकरशाही के साथ लंबित मामले अब सुलझ जाएंगे। आज आप बेफिक्र मूड में हैं। प्रॉपर्टी की खरीद को अंतिम रूप देने के लिए यह अच्छा समय है। अगर आप अपने खर्चों पर ध्यान नहीं देंगे तो वित्तीय झटका लग सकता है। किसी व्यक्ति को आदर्श मानने और फिर उससे मोहभंग होने से सावधान रहें। आपका लकी नंबर 18 है और आपका लकी रंग पीला है।

अंक 4 (किसी भी माह की 4, 13, 22 या 31 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि शीर्ष प्रबंधन में लोगों से अच्छी खबर की उम्मीद करें। आज आप अपने विचारों में ढुलमुल रहेंगे। अगर आप सावधान नहीं रहे तो आप कोई कीमती चीज खो सकते हैं। आपने दिन के लिए कई योजनाएं बनाई हैं और उनमें से ज़्यादातर सफल होंगी। रोमांस में कमी आएगी और आपके साथी के साथ आपके रिश्ते पर भी असर पड़ेगा। आपका लकी नंबर 3 और लकी रंग क्रीम है।

अंक 5 (किसी भी माह की 5, 14, 23 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि सत्ता के पद पर बैठा कोई व्यक्ति बहुत मददगार नहीं होता। आपकी मां के साथ प्रेमपूर्ण बातचीत के संकेत हैं। आपके प्रतिद्वंद्वी सक्रिय हैं, लेकिन आप उन्हें शांत करने के लिए चतुराई और कूटनीति का उपयोग कर सकते हैं। वित्तीय स्थिति स्थिर है। आपके रिश्ते में जोश है। आपका साथी तैयार है और इंतज़ार कर रहा है। आपका भाग्यशाली अंक 7 है और आपका भाग्यशाली रंग गुलाबी है।

अंक 6 (किसी भी माह की 6, 15 या 24 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि घर के मोर्चे पर कलह से बचें। बच्चे आज स्कूल से अच्छी खबर लेकर आएंगे। अगर आप नया घर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो यह अच्छा समय है। कोई नया प्रोजेक्ट शुरू होने वाला है। इस अवधि में शारीरिक संबंध आपको खुश नहीं करेंगे। आपका लकी नंबर 11 है और आपका लकी रंग लाइट ग्रे है।

अंक 7 (किसी भी माह की 7, 16, और 25 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि अगर आप परिस्थितियों से बंधे हुए हैं जो आपकी दृष्टि को बाधित करती हैं तो आप बेचैन और दुखी रहेंगे। आज आप अपने विचारों में ढुलमुल रहेंगे। आप खुद को दर्द और तकलीफ की शिकायत करते हुए पाएंगे। आप अपने पेशेवर जीवन में कुछ पायदान ऊपर चढ़ेंगे। आपका साथी और आप तालमेल से बाहर लग रहे हैं। आपको एक-दूसरे को कुछ जगह देने की ज़रूरत है। आपका लकी नंबर 8 और लकी रंग बैंगनी है।

अंक 8 (किसी भी माह की 8, 17 और 26 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि भाई-बहन या करीबी दोस्त के साथ आपके रिश्ते में सुधार आएगा। आपको अपनी लड़ाई अकेले ही लड़नी होगी और जीतनी भी होगी। आपके प्रतिस्पर्धी अपनी कार्यकुशलता के शिखर पर पहुंच रहे हैं। आप आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम नहीं उठा सकते। सहकर्मियों से आपको हल्का विरोध झेलना पड़ सकता है। आज शाम आपको और आपके साथी को एक रोमांटिक शाम में एक-दूसरे के करीब लाने का काम करेगी। आपका लकी नंबर 17 और लकी रंग डार्क ग्रे है।

अंक 9 (किसी भी माह की 9, 18 और 27 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान करें। अगर आपको लगता है कि लोग आपके खिलाफ़ षड्यंत्र कर रहे हैं, तो दृढ़ रहें। गाड़ी चलाते समय सावधान रहें, खासकर अगर गाड़ी कन्वर्टिबल हो। वित्तीय स्थिति अच्छी है। बुध आपको कुछ ऋण चुकाने की स्थिति में ला रहा है। इस अवधि में प्रेम संबंधों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आपका लकी नंबर 3 और लकी रंग पीला है।

इस नक्षत्र में जन्मे लोग सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग में कमाते हैं नाम

मृगशिरा नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोग अपने मुताबिक काम करने वाले होते हैं। यही नहीं वे समाज द्वारा बनाए गए नियमों का भी पालन नहीं करते हैं। हालांकि, इन लोगों की भावनाएं प्रबल होती हैं और ये एक अच्छे श्रोता भी होते हैं। इनमें अपनों के प्रति प्रेम देखने को मिलता है और उसे पाने के लिए ये कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते हैं। वे अपनों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

मंगल के प्रभाव से होते हैं ऊर्जावान: मृगशिरा नक्षत्र में जन्म लेने वालों का ग्रह स्वामी मंगल है इसलिए ये काफी ऊर्जावान होते हैं। ये लोगों से काफी प्रेम करते हैं और खुद भी ऐसा ही चाहते हैं। इन्हें धोखा बर्दाश्त नहीं होता। इतना ही नहीं मृगशिरा नक्षत्र का आधा भाग वृषभ और आधा मिथुन राशि में है। ऐसे में इन पर वृषभ राशि स्वामी ग्रह शुक्र और मिथुन राशि स्वामी ग्रह बुध का भी प्रभाव बना रहता है।

आकर्षक होते हैं मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे लोग : अगर इनकी शारीरिक बनावट की बात करें तो ये काफी मजबूत कदकाठी वाले होते हैं। इनकी सेहत भी अच्छी होती है और इन्हें उत्तम संतान सुख मिलता है। इन्हें घूमना पसंद होता है। देखने में तो ये काफी साहसी लग सकते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और ही होती है। हालांकि ये किसी भी काम को मन लगाकर करते हैं।वहीं महिलाओं की बात करें तो इनमें भी यही लक्षण देखने को मिलता है, लेकिन मृगशिरा नक्षत्र की महिलाएं काफी आकर्षक और काम को समय से पूरा करने वाली होतीं हैं। ये काफी बुद्धिमान लेकिन स्वार्थी होती हैं। बातचीत के दौरान कुछ भी कहने में ये परहेज नहीं करतीं और खरी-खरी कह देती हैं जिससे झगड़े की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। इनमें आभूषण और स्वादिष्ट भोजन के प्रति ज्यादा रुचि देखने को मिलती है।

ग्रहों के कारण होती है परेशानी : यदि शुक्र, मंगल और बुध में से कोई भी ग्रह अच्छी स्थिति में न हो तो व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान रहने के साथ ही असंतुष्ट, चंचल, डरपोक और क्रोधी होता है। अपने इन लक्षणों के कारण वे अपने जीवन को जटिल बना लेते हैं। इस कारण इन्हें सुख नहीं मिलता और परेशान रहते हैं।

मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे लोगों के नकारात्मक पक्ष :

कई बार इस नक्षत्र में जन्मे लोग काफी स्वार्थी होते हैं।

बेहद चंचल स्वभाव के कारण अपना नुकसान करवा बैठते हैं।

किसी भी चीज के आकर्षण में जल्दी आ जाते हैं।

इस चरण में जन्मे जातक के ऊंचे कंधे, ऊंची नाक होती है। इस चरण में जन्मा जातक ज्यादा सोच-विचार करने वाला, सामाजिक, रोमांटिक और उच्च जनसंपर्क अधिकारी होता है।सुंदर दांत, चौड़ी नाक, भूरे बाल होते हैं, मृगशिरा नक्षत्र में जन्में लोग, इमोशंस पर नहीं कर पाते कंट्रोल।

मृग+शिरा का अर्थ है— हिरण का सिर। यह एक सौम्य नक्षत्र है। यह बिना वजह के संदेह और गलतफहमी का नक्षत्र भी है। इस नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति नए अनुभवों और बहुआयामी प्रकृति की तलाश करनेवाले, निरंतर चिंतनशील, जल्दी थकनेवाले और सुस्त प्रकृति के होते हैं। मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों का जीवन साथी से तनाव रह सकता है। इस नक्षत्र में जन्मा व्यक्ति आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रखता है। मृगशिरा नक्षत्र के चार चरणों के प्रभाव।

प्रथम चरण इसका स्वामी सूर्य है। इस चरण में शुक्र, मंगल और सूर्य का प्रभाव है। इस चरण की राशि वृषभ 53 डिग्री 20 सेकंड से लेकर 56 डिग्री 40 सेकंड तक होती है। इसमें जन्मे जातक के नेत्र सामान्य, सुंदर दांत, चौड़ी नाक, भूरे बाल होते हैं और ये अहंकारी प्रवृत्ति के होते हैं। जातक शिक्षित, मेधावी व भावुक होता है।

द्वितीय चरण इस चरण का स्वामी बुध है। इसमें शुक्र, मंगल और बुध का प्रभाव होता है। यह चरण वृषभ राशि में 56 डिग्री 40 मिनट से लेकर 60 डिग्री तक होता है। इस चरण में जन्मा जातक अल्प साहसी, डरपोक, दुबला-पतला, कुंठाग्रस्त होने के साथ-साथ गणितज्ञ और अच्छा सैनिक भी हो सकता है।

तृतीय चरण इस चरण का स्वामी शुक्र है। इसमें बुध, मंगल और शुक्र का प्रभाव है। यह चरण मिथुन राशि में 60 डिग्री से लेकर 63 डिग्री 20 सेकंड तक है। इस चरण में जन्मे जातक के ऊंचे कंधे, ऊंची नाक होती है। इस चरण में जन्मा जातक ज्यादा सोच-विचार करनेवाला, सामाजिक, रोमांटिक और उच्च जनसंपर्क अधिकारी होता है।

चतुर्थ चरण इस चरण का स्वामी मंगल है। इसमें बुध, मंगल का प्रभाव होता है। यह चरण मिथुन राशि में 63 डिग्री 20 सेकंड से लेकर 66 डिग्री 40 सेकंड तक होता है। इस चरण में जन्मे जातक धार्मिक वचन, क्रियाशील, हिंसक सेनापति, परामर्शदाता या अच्छे ज्योतिषी भी हो सकते हैं।

मृगशिरा नक्षत्र व्यवसाय और संबंधित क्षेत्र : जिन लोगों का जन्म मृगशिरा नक्षत्र में होता है, उनके लिए वैदिक ज्योतिष के मुताबिक, मृगशिरा नक्षत्र के बारे में कहा जाता है कि यह नक्षत्र यात्रा और लेखन के क्षेत्र में करियर के लिए फ़ायदेमंद होता है, मृगशिरा नक्षत्र वाले कपड़ा व्यापार, संगीतज्ञ, आफिस कार्य, जेलर, साफ्टवेयर इंजीनियर, अधिकारी-जज भी हो सकते हैं

उपाय :

मृगशिरा नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोगों को खैर के पेड़ की पूजा करनी चाहिए।

मृगशिरा नक्षत्र में किसी ज़रूरतमंद को दूध का दान करने से कर्ज़ और कष्ट से मुक्ति मिलती है।

मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए, चंदन को पीसकर उसका तिलक लगाना चाहिए।

जीवनसाथी के लिए, कच्चा नारियल लेकर किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर जाना चाहिए और राहु की स्तुति का पाठ करना चाहिए।

लवमेट के साथ संबंधों में मधुरता लाने के लिए, एक पान का पत्ता लें और उस पर थोड़ा-सा कत्था लगाएं। इसके बाद, उस पान के पत्ते को मोड़कर सफ़ेद रंग के कागज़ में लपेटकर हनुमान जी के मंदिर में चढ़ाएं।

कार्तिक और चैती छठ में क्या है अंतर ?

लोक आस्था का महापर्व छठ धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पर्व साल में दो बार होता है? एक बार कार्तिक माह में और दूसरा चैत्र माह में. इन दोनों पर्वों के बीच कुछ अंतर और समानताएं होती हैं. इस पर विस्तार से जानकारी देते हुए कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुणाल कुमार झा ने लोकल 18 से चर्चा की. डॉ. कुणाल झा बताते हैं कि मास की व्यवस्थाओं के अनुसार, गणना का प्रारंभ चैत्र मास से माना जाता है. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को विक्रम संवत का प्रारंभ भी होता है और वसंत ऋतु की शुरुआत मानी जाती है. इसी काल में त्रेता युग में भगवान राम का राज्याभिषेक भी हुआ था.

सूर्य षष्ठी व्रत के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व में सूर्य की आराधना को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि भगवान राम ने स्वयं सूर्य की उपासना की थी. वहीं, कार्तिक मास का महत्व स्नान, साधना और धार्मिक अनुशासन के कारण और बढ़ जाता है. मिथिलांचल के लिए यह पर्व विशेष है, जहां सूर्य षष्ठी व्रत को धूमधाम से मनाया जाता है. कार्तिक मास के दौरान सिमरिया में कल्पवास का आयोजन भी होता है, जो मिथिलांचल क्षेत्र में अत्यंत प्रसिद्ध है.

बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है व्रत

मिथिलांचल में सूर्य और अन्य देवताओं की पूजा, विशेष रूप से बिना भगवान विष्णु का संकल्प लिए पूरी नहीं होती. वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु का आगमन होता है, जिससे मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ सकता है. ऐसे में सूर्य की आराधना स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी गई है. मिथिलांचल में इस व्रत को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, और यह परंपरा लोगों की आस्था का प्रतीक बन चुकी है।

एक्टर बनने के बारे में सोचना गुनाह लगता था

हाउसफुल 5 मिलने पर सौंदर्या शर्मा बोलीं

'बिग बॉस 16' में नजर आ चुकी सौंदर्या शर्मा इन दिनों 'हाउसफुल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इससे पहले वह अक्षय कुमार के एक विज्ञापन में नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने 'हाउसफुल 5' और करियर से जुड़ी बातें शेयर कीं। किसी भी न्यूकमर के लिए इतना बड़ा मौका मिलना बहुत ही सौभाग्य की बात होती है। इस फिल्म के लिए मैं साजिद नाडियाडवाला और उनकी वाइफ वर्धा नाडियाडवाला की बहुत ही शुक्रगुजार हूं। साजिद सर और वर्धा ने मुझे इस मुकाम पर पहुंचाया है। जहां अक्षय सर के साथ काम करने का मौका मिला है। हाउसफुल फ्रेंचाइजी की बहुत बड़ी फैन रही हूं। फिल्म के गाने पर खूब डांस किए हैं। आज उसी फिल्म की फ्रेंचाइजी में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

अब तक हमने इससे पहले 4 फ्रेंचाइजी में जो कहानी देखी है। उससे यह फिल्म काफी अलग है। इस बार पूरी तरह से धमाल होने वाला है। इसमें मेरा किरदार ऐसा है, जिसे लोग पहचान नहीं पाएंगे। इस बात को मैं इसलिए कॉन्फिडेंस से कह सकती हूं, क्योंकि शूटिंग के दौरान मेरी ही टीम कई बार मुझे नहीं पहचान पाई।

मैं वर्धा के साथ वर्कआउट करती हूं। उन्होंने मेरी शोरील और एड देखी थी। एक दिन उनका फोन आया कि साथ में चाय पीनी है। उस दिन थोड़ी बारिश हो रही थी। मैं उनसे मिलनी गई तो वो बोलीं कि हमने डिसाइड किया है कि तुम 'हाउसफुल 5' का हिस्सा होगी। मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि मेरे साथ क्या हो रहा था। जब डाक्यूमेंट पर साइन करने के लिए बोलीं तो मैं अपना सिग्नेचर ही भूल गई थी।

फिल्म की शूटिंग के दौरान एकदम पिकनिक जैसा माहौल रहता है। मुझे एक सेकेंड के लिए भी नहीं लगा कि फिल्म के सेट पर हूं। सेट पर खूब मस्ती होती है, लेकिन जैसे ही शॉट शुरू होता है। सब अपने काम में बिजी हो जाते हैं। अक्षय सर, रितेश सर, अभिषेक सर के साथ बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। सेट पर सब खूब मस्ती करते हैं।

अक्षय सर एक बहुत बड़े प्रैंकस्टर हैं। एक बार जैकलीन के फोन से मुझे मैसेज कर दिए थे। बाकी अक्षय सर की एक बहुत अच्छी खूबी है कि वो अच्छे काम करने के लिए प्रोत्साहित भी करते रहते हैं।

फिल्म की शूटिंग में सबसे चुनौतीपूर्ण जब मेरा इन्ट्रो सीन शूट हो रहा था, तब बहुत ज्यादा नर्वस थी। इस सीन से पहले मैं गिर पड़ी थी। मुझे लग रहा था कि पता नहीं सीन ठीक से होगा कि नहीं होगा। पसीने छूट रहे थे। मेरी हालत ठीक ऐसी हो गई थी जैसे एग्जाम के पहले दिन होता है।

किरदार को लेकर मैं फिल्म में बहुत अलग दिख रही हूं। इसमें गंभीर किरदार नहीं है। यह फिल्म ही बहुत ही अलग तरह की है। ऐसा भी नहीं है कि कॉमेडी फिल्म है तो हर कोई कॉमेडी कर रहा है। फिल्म के डायरेक्टर तरुण मनसुखानी मुझे सारे सिचुएशन समझा दिए थे। उसी को मैं फॉलो कर रही थी।

अक्षय सर को मैं हमेशा से अपना लकी चार्म मानती हूं। 2017 में 'रांची डायरीज' से डेब्यू किया था। यह फिल्म अनुपम खेर ने प्रोड्यूस की थी। फिल्म के ट्रेलर लांच में अक्षय सर आए थे। उस वक्त मैं बहुत खुश थी। मुझे लग रहा था कि इंडस्ट्री में अच्छी शुरुआत हो जाएगी। यह नहीं पता था कि इस फिल्म के बाद चार साल तक काम नहीं मिलेगा। फिर 2022 में 'बिग बॉस 16' में मौका मिला।

'बिग बॉस' से बड़ा एक्सपोजर तो मिलता ही है। जिन्हें कोई नहीं जानता था, उन्होंने शो से अपनी पहचान बना ली।

'बिग बॉस' के समय ही मेरी फिल्म 'थैंक गॉड' रिलीज हुई थी। जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ कैमियो था। उसी समय डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर वेब सीरीज 'कर्म युद्ध' और जी5 पर 'कंट्री माफिया' रिलीज हुई थी।

कार्तिक के दिल में है कौन? 'रूह बाबा' ने उठाया पर्दा बोले- मुझे लाइव लोकेशन भेजने की जरूरत नहीं

इस समय 'भूल भुलैया 3' की सफलता का आनंद ले रहे कार्तिक आर्यन अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर मीडिया की नजरों में तब आए, जब विद्या बालन ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में उनका मजाक उड़ाया। इस एपिसोड के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने अभिनेता पर सवालों की बौछार कर दी और उनसे उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बताने की रिक्वेस्ट भी की। हालांकि, अब अभिनेता ने खुद अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर खुलासा कर दिया है। आइए जानते हैं।

कार्तिक ने लव लाइफ को लेकर किया खुलासा

हाल ही में, द मैशेबल इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने खुलासा किया है कि वह सिंगल हैं और चंदू चैंपियन के बाद से उनके पास डेट करने का कोई समय नहीं है । उन्होंने अपने बिजी शेड्यूल के बारे में भी बताया, जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे उन्हें किसी और चीज के लिए मुश्किल से ही समय मिलता है।

अभिनेता ने बताया रिलेशनशिप स्टेटस

कार्तिक से जब उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं सिंगल हूं। मुझे अपनी लाइव लोकेशन किसी को भेजने की जरूरत नहीं है। मैं किसी डेटिंग ऐप पर भी मौजूद नहीं हूं। तकनीकी तौर पर, जब से मैं चंदू चैंपियन की तैयारी और शूटिंग कर रहा हूं , मुझे समय ही नहीं मिला।

बिजी शेड्यूल में शूट की फिल्म

अभिनेता ने बताया, मैं एक सख्त शासन में था, जिसमें मुझे एक एथलीट की तरह अपने जिम, खाने और सोने के पैटर्न को कैलकुलेट करना था। यह सब दो साल तक चला। सच में, मैं पहली बार तैराकी भी सीख रहा था। दिनचर्या बहुत व्यस्त हो गई थी। साथ ही, भूल भुलैया 3 की शूटिंग करना और एक समय अवधि में इसे खत्म करना भी एक चुनौती थी। इसलिए, मैं उस सब में पूरी तरह से व्यस्त था।

विद्या बालन ने खोले राज

बता दें कि यह बात तब चर्चा में आई, जब भूल भुलैया 3 की टीम नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो पर आई थी , तो विद्या बालन ने मजाकिया अंदाज में बताया था, शूटिंग के दौरान, वह हमेशा शॉट्स के बीच अपने फोन पर लगे रहते थे। मैं उसके बगल में खड़ी रहती थी, ताकि कोई संकेत मिल जाए, लेकिन मैं उसे सिर्फ यही कहते हुए सुन पाती थी, 'मी टू, मी टू।' इसलिए मुझे कुछ पता नहीं था! और फिर अभिनेता को चिढ़ाते हुए पूछा उसका नाम क्या है?

ऋषि कपूर की बायोग्राफी 'खुल्लम खुल्ला' में नीतू का खुलासा बोलीं- बेटी रिद्धिमा बनतीं एक्ट्रेस तो पिता ऋषि सुसाइड कर लेते

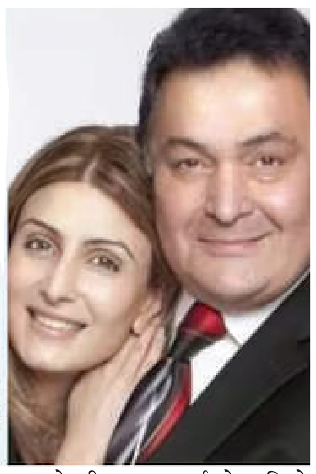

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर की बायोग्राफी 'खुल्लम खुल्लाः ऋषि कपूर अनसेंसर्ड' में बेटी रिद्धिमा कपूर के एक्टिंग करियर के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि रिद्धिमा जानती थी कि अगर उसने फिल्म इंडस्ट्री में आने की इच्छा जताई, तो उनके पिता को दुख होगा और वह आत्महत्या कर लेंगे। नीतू कपूर ने कहा, 'रिद्धिमा बहुत टैलेंटेड और सुंदर लड़की है। उसे मिमिक्री करना बेहद पसंद है। एक्टिंग के मामले में वह किसी भी एक्ट्रेस को टक्कर दे सकती थी। लेकिन रिद्धिमा को बचपन से ही पता था कि अगर उसने एक्ट्रेस बनने की इच्छा जाहिर की, तो उसके पिता को काफी दुख होगा और वह आत्महत्या कर लेंगे। ऐसा नहीं था कि उन्हें (ऋषि कपूर) लड़कियों का फिल्मों में काम करना पसंद नहीं था, लेकिन वह अपनी पत्नी और बच्चों के प्रति काफी प्रोटेक्टिव थे।'

नीतू ने कहा, 'रिद्धिमा अपने पिता को अच्छी तरह जानती थी। उनके मानसिक सुकून के लिए उसने कभी एक्टिंग को करियर बनाने की कोशिश नहीं की। लेकिन जब रिद्धिमा ने डिजाइनर बनने की इच्छा जताई तो ऋषि ने खुशी-खुशी उसे लंदन पढ़ाई के लिए भेज दिया।'

नीतू के मुताबिक, उन्होंने 21 साल की उम्र में अपना करियर इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि ऋषि स्टारडम का बुरा पक्ष देखकर चिंतित थे। वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी ऐसी समस्याओं में फंसे, जहां मीडिया उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ लिखे।

कपूर परिवार की महिलाएं उन दिनों कैमरे से दूर रहने के लिए जानी जाती थीं। राज कपूर की बेटियां और भतीजियां कभी फिल्मों का हिस्सा नहीं बनीं। उनकी बहू, बबीता और नीतू कपूर ने शादी के तुरंत बाद अपने एक्टिंग करियर को छोड़ दिया था। बबीता और रणधीर कपूर की बेटियां करिश्मा और करीना को उनकी मां ने पाला।

उन्होंने अपनी मां के सपोर्ट से ही एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। बता दें, ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की 'फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स' से स्क्रीन पर डेब्यू किया है।

हैदराबाद के फलकनुमा पैलेस से सलमान खान-रश्मिका मंदाना का बीटीएस वीडियो वायरल?

बॉलीवुड दबंग सलमान खान और रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की शूटिंग के लिए हैदराबाद के फलकनुमा पैलेस पहुंच चुके हैं। फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। हैदराबाद से लगातार फिल्म सिकंदर की शूटिंग से कई वीडियोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं, जिससे सलमान के प्रशंसक बेहद उत्सहाति हैं।

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बहरहाल, वह इस बात से खुश हैं कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और उन्हें लोकेशन से लगातार सिंकदर के शूट के वीडियोज सोशल मीडिया पर देखने के लिए मिल रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म सिकंदर की शूटिंग का मुंबई शेड्यूल पूरा हो चुका है और अब पूरी टीम प्रोडक्शन के अगले चरण के लिए हैदराबाद पहुंच चुकी है। अब, हैदराबाद के फलकनुमा पैलेस से कई बिहाइंड द सीन वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

हैदराबाद के प्रतिष्ठित फलकनुमा पैलेस से कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जहां बहुप्रतीक्षित ईद 2025 रिलीज के लिए फिल्माई जा रही फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू होने वाली हैं। इस जानकारी से प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। कथित तौर पर सितारों की एक झलक पाने की उम्मीद में महल के बाहर भीड़ जमा हो गई।

ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में रश्मिका कॉस्ट्यूम पहने हुए ऐतिहासिक स्थान पर एक दरवाजे पर खड़ी हैं और अपने सीन की शूटिंग के लिए तैयार हैं। सेट पर मौजूद बिहाइंड द सीन वीडियो से शेयर की गई इस फुटेज ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर साझा की गई कई तस्वीरों और वीडियो में सेट पर शानदार कारों की कतार दिखाई दे रही है, जिससे फिल्म की कहानी के बारे में जिज्ञासा और बढ़ गई है।

नाडियाडवाला ग्रैंडसन बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित , सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज होगी। सलमान ने पिछले ईद पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की आधिकारिक घोषणा की थी। फिल्म में सलमान खान और रश्मिका के अलावा प्रतीक बब्बर, शरमन जोशी, काजल अग्रवाल और सत्यराज भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'वीडी 12' के सेट पर घायल हुए विजय देवरकोंडा, एक्शन सीन करते वक्त कंधे पर लगी चोट, नहीं लिया ब्रेक

अभिनेता विजय देवरकोंडा साउथ की फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। इस समय अभिनेता की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं, जिनमें से एक गौतम तिन्नानुरी की निर्देशित 'वीडी 12' है। विजय फिजियो और रिहैब करवा रहे हैं क्योंकि एक फाइट सीक्वेंस के दौरान चोट लगने के बाद उनके कंधे में दर्द हो रहा है। लेकिन वे अभी भी अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं और

जोरों-शोरो से फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फैंस भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान विजय को कंधे पर चोट लग गई है।

अभिनेता विजय देवरकोंडा गौतम तिन्नानुरी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। जब यह घटना हुई, तब वे अभी तक वीडी 12 के लिए एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे थे। ।

अभिनेता की टीम ने बताया कि उन्होंने इसके बावजूद शूटिंग जारी रखी क्योंकि ब्रेक के लिए कोई समय नहीं था।

विजय की टीम के एक सूत्र ने बताया कि जब उन्हें चोट लगी, तब वे एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा, अपने सीन शूट कर रहे हैं।

सूत्र ने आगे बताया, अभिनेता चोट को और न बढ़ाने का उपाय कर रहे हैं और दर्द को सहने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अब उनके शेड्यूल में ब्रेक लेने का कोई समय नहीं है। हालांकि, अभिनेता या फिल्म की टीम ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

खबरों की मानें तो विजय की 'वीडी 12' को दो भागों में रिलीज करने की योजना जरूर बनाई गई है, लेकिन इसमें एक शर्त भी रखी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के निर्माता नागा वामसी का कहना है कि अगर 'वीडी 12' का पहला भाग अगर चल जाएगा और दर्शकों को पसंद आएगा। तभी इसके दूसरे भाग को रिलीज किया जाएगा।

'मुझे सेडक्टिव मत बनाओ', जब नोरा फतेही ने छोटा ब्लाउज पहनने से कर दिया था इनकार

एक्ट्रेस, डांसर और मॉडल नोरा फतेही को उनके आइटम नंबर्स के लिए जाना जाता है। जिन फिल्मों में भी नोरा फतेही के आइटम नंबर्स रहे हैं खूब धमाल ही मचा है। फिर चाहे वो उनका गाना 'हाय गर्मी' हो या फिर 'दिलबर दिलबर'। नोरा के यादगारों गानों में 'दिलबर' भी है, जिसे जॉन अब्राहम की फिल्म 'सत्यमेव जयते' में फिल्माया गया था। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने सालों के बाद खुलासा किया है कि इस गाने के लिए उन्हें छोटा ब्लाउज पहनने के लिए दिया गया था, जिसे पहनने से उन्होंने इनकार कर दिया था। चलिए बताते हैं इस किस्से के बारे में।

दरअसल, नोरा फतेही ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल मेलबर्न में शिरकत की थी। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने ट्रेंडिंग गाने 'दिलबर' को याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्होंने छोटा ब्लाउज पहनने का विरोध किया था। नोरा बताती हैं कि जब नोरा को छोटा ब्लाउज पहनने के लिए कहा गया तो उन्होंने मेकर्स से कहा कि उन्हें ओवर सेडक्टिव ना बनाया जाए। 'दिलबर' एक्ट्रेस ने मेकर्स से कहा कि वो समझती हैं कि गाना सेक्सी है। सभी पैदाइशी सेक्सी हैं लेकिन उनका मानना था कि वल्गर होने की जरूरत नहीं है।

नोरा फतेही ने बताया कि उन्होंने छोटा ब्लाउज पहनने से

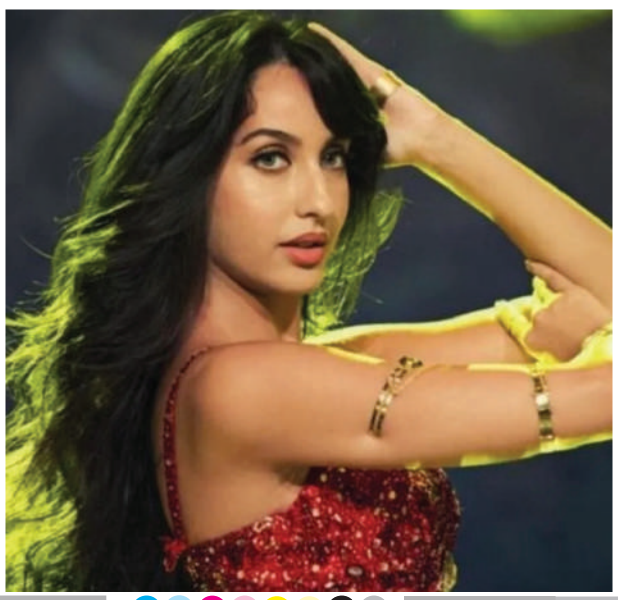

इनकार कर दिया था। फिर उन्होंने डायरेक्टर मिलाप जावेरी को जैसे-तैसे मनाया और प्यार से समझाया था फिर एक्ट्रेस के लिए दूसरा ब्लाउज मंगवाया गया था। नोरा फतेही ने कहा कि मिलाप कई पार्टियों में उनका मजाक बना चुके हैं। नोरा ने बताया कि वो रमजान का महीना भी था।

नोरा फतेही ने बताया कि उनके लिए ब्लाउज फिर से बनाया गया। उन्होंने कहा कि पेट दिखाने में समस्या नहीं है लेकिन वो ज्यादा क्लीवेज नहीं दिखा सकती थीं। उनका मानना था कि कई लोगों को ये ओवर सेक्सी लगता है। एक्ट्रेस ने कहा कि वो नए ब्लाउज के साथ ज्यादा कंफर्टेबल थीं।

नोरा फतेही ने डायरेक्टर को समझाया

छोटे ब्लाउज वाले मामले को लेकर नोरा फतेही ने डायरेक्टर मिलाप जावेरी को काफी समझाया था। उन्होंने कहा कि निर्देशक को समझाना काफी मुश्किल होता है। एक्ट्रेस ने मिलाप जावेरी से कहा था कि वो चाहती थीं कि दर्शकों का फोकस उनके चेहरे और डांस मूव्स पर रहे। क्योंकि उनका मानना था कि वो उस समय कुछ नहीं थीं। डायरेक्टर को समझाते हुए उनसे नोरा ने कहा था कि गाना और म्यूजिक काफी अच्छा है तो इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए। इसके बाद जाकर मिलाप जावेरी माने थे।

इन बातों से चिढ़ जाती है पत्नी, होने लगती हैं लड़ाइयां

पति-पत्नी के बीच में थोड़ी बहुत अनबन होना बेहद आम चीज है। हालांकि, कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें लेकर पत्नियां इतनी बुरी तरह से चिढ़ जाती हैं कि घर के अंदर रोज की लड़ाइयां आम हो जाती हैं। इसके चलते घर का माहौल पूरी तरह से नेगेटिव और टॉक्सिक बन जाता है।

शादी वो कमिटमेंट है, जो एक ओर गंभीर और गहरा होता है, तो दूसरी ओर बेहद नाजुक भी। मुश्किल से मुश्किल समय में जहां पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ देते नजर आते हैं, तो कभी-कभी छोटी-छोटी चीजें रिश्ते को इस तरह से तोड़कर बिखेर देती हैं कि उसे फिर से पुराना प्यार भरा रूप दे पाना नामुमकिन हो जाता है। इन्हीं छोटी चीजों में पतियों की कुछ आदतें भी हैं, जिनके कारण पत्नियां इतना बुरा चिढ़ जाती हैं कि घर में लड़ाइयों का दौर बढ़ जाता है। और जब ऐसा होता है, तो शादीशुदा जीवन कड़वाहट से भरने लगता है। पत्नियों को नाराज करने वाली पतियों की ऐसी ही कुछ आदतें नीचे दी गई हैं। आप भी अगर शादीशुदा हैं, तो इन पॉइंट्स को अपने दिमाग में जरूर नोट कर लीजिए।

समय न निकालना

शादी के बाद की सबसे बड़ी और आम गलती, जो लगभग सभी पति करते हैं, वो है पत्नी के लिए समय नहीं निकालना। माना कि पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते दफ्तर और अन्य चीजों में व्यस्तता बढ़ जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि अपने जीवनसाथी को ही इग्नोर करना शुरू कर दिया जाए।

इस तरह के बर्ताव से पत्नियां काफी ज्यादा हर्ट होती हैं। उन्हें लगने लगता है कि पति उन्हें प्यार नहीं करते और ये चीज उनके दिल में इस तरह से घर करने लग जाती है कि भावनाएं गुस्से के रूप में बाहर निकलने लगती हैं।

रिश्ते से जुड़ी चीजों में मां की सुनना

मां की जगह कोई नहीं ले सकता। लेकिन जब बात शादीशुदा जीवन से जुड़े निर्णय लेने की हो, तो इसमें सबसे अहम भूमिका पत्नी की होनी चाहिए। अपने घर के बड़ों से चीजों को लेकर राय लेना अलग बात है, लेकिन अपनी मैरिड लाइफ से जुड़ी हर चीज को मां को बताना और सुनना भी सिर्फ उनकी, ये चीज पत्नियों के मन में सिर्फ और सिर्फ चिढ़न ही पैदा करेंगीं। एक-दो बार तो वो इस बर्ताव को इग्नोर कर सकती हैं, लेकिन अगर उन्हें लगेगा कि उनकी शादीशुदा जिंदगी का कंट्रोल सासू मां के हाथों में है, तो घर में रोज की लड़ाइयां आम हो जाएंगीं।

बैचलर्स लाइफ की आदतें नहीं छोड़ना

ये एक और ऐसी चीज है, जिससे न जाने कितनी शादीशुदा महिलाएं परेशान हैं। लड़कियों को तो शादी से पहले ही ये ट्रेनिंग मिलनी शुरू हो जाती है कि उन्हें घर को कैसे संभालना है। वहीं आमतौर पर लड़कों का घर के कामों से लेकर जिम्मेदारियों में न के बराबर हिस्सेदारी होती है। ऐसे में जब शादी हो जाती है, तो ज्यादातर लड़के अपनी बैचलर्स लाइफ की आदतों को छोड़ नहीं पाते हैं। इस स्थिति में लड़की को ये लगने लगता है कि वो पत्नी नहीं बल्कि मां की भूमिका निभा रही है। ये बात उन्हें इस तरह से ट्रिगर करती है कि चीजें बिगड़ना तय हो जाता है।

बच्चों की परवरिश में साथ नहीं निभाना

आमतौर पर भारतीय परिवारों में बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही डाली जाती है। इसके चलते हालत यह हो जाती है कि घर और बाहर के काम के साथ-साथ बच्चे से जुड़ी हर चीज को भी उन्हें ही संभालना पड़ जाता है। यह स्थिति जबरदस्त तनाव पैदा करती है। भावनाएं चिड़-चिड़ाहट और लड़ाइयों के रूप में सामने आने लगती हैं। यह घर के पूरे माहौल को टॉक्सिक बना देता है।

पति के लिए मैं सिर्फ उसके पेरेंट्स की केयरटेकर थी

4 औरतों ने बताया क्यों आई एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर करने की नौबत

आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि शादी के बाद पुरुष अक्सर अपने पार्टनर की जरूरत को नजरअंदाज करते हैं। ऐसे में किसी शादीशुदा औरत का पराए मर्द के साथ रिश्ता होना बहुत चौंकाने वाला नहीं होता है। यहां आप ऐसी ही महिलाओं के एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर शुरू होने की दास्तां को जान सकते हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं कि शादी में धोखे की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन जब इस रिश्ते में बंधे दो लोगों के बीच प्यार, विश्वास, परवाह, रोमांस और रोमांच ना हो तो अक्सर लोग इसकी पूर्ति दूसरे जगहों से करने लगते हैं। यही वजह है कि लोग एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर करते हैं।

आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि लोग गुस्से, नाराजगी या नफरत के कारण अपने पार्टनर को धोखा देते हैं। लेकिन जब महिलाओं की बात आती है, तो धोखे का कारण बहुत ही गंभीर और सोच में डाल देना वाला होता है। इसका अंदाजा आप यहां एक्स्ट्रामैरिटल करने वाली 4 महिलाओं द्वारा किए खुलासों से लगा सकते हैं।

घर की जिम्मेदारियों से नहीं बचता था खुद के लिए समय

मेरी 24 साल की उम्र में ही शादी हो गई थी। मैं एक ऐसी पत्नी बनकर रह गई थी जो दिनभर घर के सारे काम करती थी और अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है।

मुझे कभी अपने लिए समय ही नहीं मिला। इसके साथ ही मेरे पति न तो रोमांटिक हैं और न ही उन्हें मेरी कोई चिंता और परवाह जिसने मुझे बहुत अकेला कर दिया था। इसलिए, जब मैंने खुद पर थोड़ा ध्यान देना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि कैसे मैंने खुद को जिम्मेदारियों में पूरी तरह से भूला दिया है। इस बीच मुझे किसी और के साथ खुशी मिलने लगी जो कि बहुत शानदार था।

पति को मुझमें कमी के सिवा कुछ नहीं दिखता

मेरे पति एक नार्सिसिस्ट व्यक्ति हैं। उन्हें लगता है कि उनसे बेहतर कोई नहीं है। उन्हें मुझमें हर समय सिर्फ कमियां नजर आती है। वह मुझे एक पल के लिए भी खुश करने की परवाह नहीं करते। उनकी अपमानजनक टिप्पणियों से मेरे लिए उनके साथ शादी में रहना मुश्किल हो गया है। लेकिन मैं उन्हें तलाक भी नहीं दे सकती क्योंकि हमारे परिवार के लोग एक-दूसरे से बहुत करीब हैं। इसलिए, मुझे अपनी खुशी कहीं और तलाशनी पड़ी।

पति के लिए मैं सिर्फ उसके पेरेंट्स की केयरटेकर हूं

मेरे पति को सिर्फ अपने माता-पिता की परवाह है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है मैं बस उनके पेरेंट्स की केयरटेकर हूं। यह ऐसा है जैसे मेरा उसके जीवन में कोई स्टैंड नहीं है। कभी-कभी यह बर्दाश्त से बाहर हो जाता है। और काफी समय हो गया है जब से मैं उनसे नाराज हूं। वह कभी भी मेरी केयर नहीं करते और न ही ऐसा करने का कोई प्रयास करते है। इसलिए, जब किसी दूसरे व्यक्ति ने मुझमें रुचि दिखाई, तो मैं वहीं पिघल गया। और इस तरह मेरा अफेयर शुरू हुआ।

हमारा रिश्ता बोरिंग हो गया था

हमारे रिश्ते में कोई मजा नहीं रह गया था। हम रोज बस काम के बाद एक साथ बैठकर टीवी देखते थे। कोई डेट नाइट नहीं, कोई गिफ्ट नहीं, कोई सरप्राइज नहीं। हमारे रिश्ते में ऐसी कोई चुनौतियां नहीं थीं जो इसे रोमांचक बनाए रखतीं।

मैंने उसे अपनी चिंता बताने की कोशिश की लेकिन उसने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। और इसलिए मैंने एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर किया। मुझसे जो एकमात्र गलती हुई वह यह कि मैंने उसे धोखा दिया। लेकिन इससे मुझे यह जानने में मदद मिली कि मैं अब उससे प्यार नहीं करती।

हैप्पी मैरिड लाइफ गोल्डन रूल्स

विवाह से पहले लड़का और लड़की को सगे संबंधियों से बहुत से टिप्स मिलते हैं। लेकिन शायद ही कभी कोई ठीक से यह बता पाता है कि रिश्ते में लंबे समय तक खुश रहने के लिए किन बातों का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। शादी दो लोगों का मिलन है जो आपसी सहमति से शुरू होता है। इस रिश्ते को चलाने के लिए प्यार के साथ समझदारी की भी जरूरत होती है। इसलिए जिम्मेदारी से भरे इस बंधन में बंधने से पहले अच्छी तरह से विचार कर लेना चाहिए।

इसमें कोई दोराय नहीं कि हर व्यक्ति अपनी शादी में हमेशा खुश रहना चाहता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ चाहना काफी नहीं, हर छोटी-छोटी चीज का ख्याल पति-पत्नी दोनों को मिलकर रखना होता है। यदि इसका बोझ केवल एक ही व्यक्ति पर हो तो कुछ समय में ही रिश्ते में बिगड़ने लगता है। ऐसे में यहां हम आपको शादी को सफल बनाने के कुछ नियम बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप हमेशा पार्टनर के साथ अपने रिश्ते को मजबूत रख सकते हैं।

ससुराल के लोगों के बारे में कमेंट करने से बचें

दो लोग जब शादी के बंधन में बंधते हैं, तो कई बातें ऐसी होती है जहां परिवार का जिक्र आता है। ऐसे में शब्दों का चयन बहुत ही सावधानी से करना जरूर होता है। हर परिवार के अपने तौर तरीके होते हैं, इसलिए किसी को खुद से कमतर कहना गलत है, खासतौर पर जब वह आपका सुसराल हो। ध्यान रखें जिस तरह से आप अपने परिवार के लोगों के बारे में बुरा भला नहीं सुन सकते हैं, उसी तरह ऐसी बातें आपके पार्टनर के लिए भी असहनीय हो सकती है।

अपने झगड़े को बहुत सावधानी से चुनें

शादी का रिश्ता बहुत ही नाजुक होता है, इसलिए इसमें झगड़े जितने कम होंगे उतना ही पति-पत्नी के लिए अच्छा होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि साथ रहने पर ऐसी बातें हो जाती हैं जो गुस्से और नाराजगी का कारण बन जाए। लेकिन हर छोटी-छोटी चीजों को लेकर पार्टनर के साथ लड़ना समझदारी नहीं है। जितना हो सके आराम से बात करके हर प्रॉब्लम को हल करने की कोशिश करें। जब तक कोई बहुत बड़ा मुद्दा ना हो तब तक पार्टनर के सामने अपनी आवाज ऊंची ना करें।

पार्टनर के अटैचमेंट स्टाइल को समझें

सिर्फ समझदारी से शादी को लंबे समय तक खुशहाल नहीं रखा जा सकता है। पति-पत्नी के बीच रोमांस का होना बहुत ही जरूरी है। एक-दूसरे की जरूरत को समझना रिश्ते को मजबूत बनाता है। ध्यान रखें हर कपल अलग है, ऐसे में किसी दूसरे से अपने पार्टनर को कंपेयर करना गलत है। इससे रिश्ते में दूरियां आने लगती है। हमेशा मिलकर चीजों को बेहतर करने का रास्ता निकालें, एक-दूसरे के सीमाओं का सम्मान करें।

जिंदगी में सच्चे इंसान का साथ बहुत ही मुश्किल से मिलता है

जिंदगी में सच्चे इंसान का साथ बहुत ही मुश्किल से मिलता है। समय आने पर कई बार अपने ही पराए की तरह व्यवहार करने लगते हैं। ऐसे में कौन आपकी सचमुच परवाह करता है इसका पता लगाने के लिए आप इस लेख की मदद ले सकते हैं।

सोशल मीडिया के समय में जान पहचान बनाना कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम तक लोगों के हजारों दोस्त हैं। फोन में सैकड़ों नंबर लेकिन फिर भी लोग अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों के पास कोई ऐसा नहीं है जिसके साथ वह अपना दुख बांट सके। उनसे अपनी मन की बात कर सकें। पर यह जरूरी नहीं कि यह अकेलापन हमेशा से हो, कई बार हम अपने अच्छे समय में उन लोगों को भूला देते हैं, जो निस्वार्थ भाव से हमसे जुड़े रहते हैं। ऐसी गलती आपसे ना हो इसलिए यहां हम आपको कुछ ऐसी क्वालिटी बता रहे हैं जिससे आप ऐसे लोगों की पहचान कर सकते हैं और इन्हें संभालकर रख सकते हैं।

हर कंडीशन में साथ खड़े रहना

कहा जाता है कि खराब समय में ही अपने और पराए की पहचान होती है। ऐसे में जो लोग आपके बुरे समय में आपका साथ दें, उन्हें अच्छा समय आने पर भुलाना नहीं चाहिए। क्योंकि यही लोग आपकी असली ताकत होते हैं।

बेस्ट करने के लिए मोटिवेट करना

ऐसा कई बार होता है कि हम खुद की क्षमता पर ही शक करने लगते हैं। ऐसे में किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो हममें विश्वास दिखाए। यह बताए कि हम कर सकते हैं। माना जाता है कि ऐसे लोगों का साथ किस्मत से मिलता है। यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे बहुत ही संभालकर रखें।

ईमानदारी से गलती बताना

हर कोई बस अपनी तारीफ सुनना चाहता है, यदि कोई गलती बता दे तो लोग गुस्से से लाल हो जाते हैं। लेकिन वास्तव में ऐसे लोगों को अपने सबसे करीब रखना चाहिए। यह दूसरों की तरह मीठी बाते करके आपको खुश नहीं रखते हैं, बल्कि ईमानदारी से आपको कड़वा सच दिखाते हैं। इनकी मदद से ही आप बेहतर बन सकते हैं।

आपकी सक्सेस को अपनी जीत मानना

एक-दूसरे को रौंदकर आगे बढ़ने की रेस में जो आपकी सफलता को अपनी जीत की तरह सेलिब्रेट करे ऐसे लोग कम ही मिलते हैं। इसलिए यदि आपके पास कोई ऐसा है तो उसे हमेशा खुद के करीब रखें।

बातों को समझना

जो लोग हमारी सच में परवाह करते हैं, वो हमारी गलतियों से हमें जज नहीं करते हैं। वह जानते हैं कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। वह हमेशा बात को समझते हैं, और माफ करने के लिए तैयार रहते हैं।

किताबों से दूर भागता है बच्चा तो अपनाएं ये तरीके कुछ ही दिनों में लगने लगेगा पढ़ाई में मन

माता-पिता बच्चे के अच्छे गुणों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए अभिभावक उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बच्चों को अच्छे स्कूल में भेजने की प्रयास करते हैं, उनके लिए कोचिंग और अन्य सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराते हैं, ताकि बच्चा मन लगाकर पढ़ सके और अपनी शिक्षा पूरी कर सके। हालांकि बाल मन पढ़ाई से अधिक खेलकूद में रुचि रखता है।

कई बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता है। कई बार वह माता पिता के कहने पर पढ़ने तो बैठ जाते हैं लेकिन उनका ध्यान पढ़ाई में नहीं होता। कई बार माता पिता डांट फटकार कर बच्चों पर दबाव बनाते हैं। हालांकि डांटने या जबरन पढ़ाने से बच्चे की रुचि पढ़ाई में नहीं बढ़ती। आइए जानते हैं कि अगर आपका बच्चा भी पढ़ाई से मुंह चुराता है, तो क्या करें कि उनका मन पढ़ाई में लगने लगे।

प्रोत्साहन दें

बच्चे माता पिता से सराहना की उम्मीद रखते हैं। आपसे तारीफ सुनने के लिए वह पढ़ाई में मन लगाने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि अभिभावक अक्सर ही तुलना करके उनका मनोबल कम करते हैं। ऐसा न करें, हर वक्त बच्चे की गलती निकालने और दूसरों से तुलना करने के बजाए उनकी तारीफ करें। तारीफ से वह प्रोत्साहित होंगे और काम में मन लगेगा।

दबाव न डालें

बच्चों को किसी काम के लिए समझाने और दबाव डालने में फर्क है। उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें। हर समय पढ़ाई का दबाव डालने से उसके ऊपर नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है। इस कारण बच्चे को पढ़ाई बोझ की तरह लगती है। इसलिए उनपर जरूरत से अधिक दबाव न बनाएं, हंसते-खेलते बच्चों को पढ़ाई की कठिन बातें समझाने की कोशिश करें।

रूटीन बनाएं

बच्चे के लिए एक अच्छा रूटीन प्लान करें। योजना के साथ बच्चे को पढ़ाई की ओर प्रोत्साहित कर सकते हैं। हर दिन पढ़ाई के लिए टाइम टेबल चार्ट बनाएं और इसे दैनिक कार्य का हिस्सा बनाएं। ध्यान रखें 45 मिनट से ज्यादा पढ़ाई न कराएं।

योग और ध्यान

बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने के लिए योग का अभ्यास कराएं। इससे मस्तिष्क पर सकारात्मक असर पड़ता है और बच्चे का मन पढ़ाई से भटकता नहीं है। योग के साथ अच्छी डाइट भी बच्चे को फोकस बनाती है।

शादी के बाद बदल जाता है भाई-बहनों के साथ रिश्ता

शादी के बाद हर रिश्ता बदल जाता है। यहां तक कि जिन भाई-बहनों के साथ बचपन से साथ बड़े होते हैं, उनके साथ भी कुछ भी पहले की तरह नहीं रह जाता है। इसलिए जरूरी है कि शादी से पहले ही खुद को इस चीज के लिए तैयार कर लें।

विवाह के बाद नए रिश्तों के बनने पर जो चीज सबसे ज्यादा नजरअंदाज हो जाती है, वह भाई-बहनों का रिश्ता है। बचपन से एक-दूसरे की कमियों और सीक्रेट्स को जानते हुए, साथ लड़ते-खेलते बड़े होने के बावजूद एक समय के बाद भाई-बहनों के साथ रिश्ता बस सगे-संबंधियों वाला हो जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण शादी के बाद एक-दूसरे से बढ़ जाने वाली उम्मीद हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि शादी से पहले ही इन चीजों को अच्छी तरह से समझ लिया जाए। ताकि शादी के बाद भाई-बहनों के साथ रिश्ते को मजबूत रखने के लिए सही कदम उठाया जा सके।

पहले से ज्यादा नजदीकियां

यदि जीवनसाथी आपके भाई-बहनों के साथ अच्छी तरह से घुल मिल जाए, तो यह चीज आपके साथ भाई-बहनों को शादी के बाद भी जोड़े रखने का काम करती है। रिश्ते पहले से ज्यादा मजबूत हो जाते हैं। लेकिन इसका ठीक उल्टा होना भी दुर्भाग्यपूर्ण सच है। यदि आपके पार्टनर और सिबलिंग के बीच एक-दूसरे के प्रति नकारात्मक भावनाएं हैं, तो आपकी बॉन्डिंग भी इससे बिगड़ सकती है।

बातों को शेयर करने से बचना

शादी के बाद जजमेंट के डर से कई लोग अपनी परेशानियों और जीवनसाथी के साथ अपने निजी मुद्दों को भाई-बहन के साथ शेयर करने से बचने लगते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह से खुद को फैमिली ड्रामा का हिस्सा बनने से बचाने के लिए भी भाई-बहन अक्सर बातों को खुलकर नहीं बताते हैं।

एक-दूसरे की चीजों से जलना

हम सब अपने भाई-बहनों के साथ बचपन से कई चीजों पर लड़ते बड़े होते हैं। कई बार माता-पिता से यह शिकायत भी रहती है कि उसे मुझसे ज्यादा या अच्छी चीज मिली। लेकिन शादी के बाद यह अंतर जलन में बदल जाती है, जो रिश्तों में खटास ला सकती है। इसलिए हमेशा शादी के बाद भाई-बहनों से बात करते समय इस चीज का ध्यान जरूर रखें कि उन्हें किसी तरह से कमतर महसूस ना हो।

उम्मीदों का बढ़ जाना

शादी के बाद भाई-बहनों की उम्मीद एक-दूसरे से बदलने के साथ बढ़ भी जाती है। हो सकता है वह आपकी वास्तविक स्थिति को समझे बिना आपसे मदद की उम्मीद करें। यह सोचें कि आप उन पर खुलकर खर्चा कर सकते हैं, फैमिली हॉलिडे प्लान कर सकते हैं। इसके अलावा जो भाई-बहन शादी से पहले बहुत करीब होते हैं, वह अक्सर इस चीज की उम्मीद शादी के बाद भी एक-दूसरे से करते हैं। लेकिन नए परिवार की जिम्मेदारियों के साथ हर समय एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना मुश्किल हो सकता है।

ज्यादा बात ना करना

यदि आप और आपके भाई-बहन एक ही शहर में नहीं रहते हैं, तो आप शायद टेक्स्ट मैसेज या फोन कॉल पर बात करने के आदी हो। लेकिन, जब आप में से कोई शादी कर रहा हो या नवविवाहित जीवन का आनंद ले रहा हो, तो आपस में हर दिन बात होना कम हो जाता है। इसलिए जरूरी है, कि बॉन्डिंग को स्ट्रांग रखने के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार समय निकालकर आपस में बात जरूर करें।

कच्चे तेल की आपूर्ति के विभिन्न विकल्पों के बीच तेल की कीमतें स्थिर रहेंगी, बोले पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया पोस्ट में संकेत दिया कि भारत में तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव के बीच स्थिर रहने की उम्मीद है क्योंकि देश के पास कच्चा तेल खरीदने के कई विकल्प हैं। संभावित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों पर चिंताओं को संबोधित करते हुए, पुरी ने जोर देकर कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं की विविध श्रेणी तक पहुँच के साथ, ऐसी स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए खुद को रणनीतिक रूप से तैनात किया है। पुरी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्राजील और गुयाना जैसे देशों से अधिक आपूर्ति बाजार में आ रही है। वर्तमान में, तेल की वैश्विक आपूर्ति खपत से आगे निकल गई है, जिससे बाजार में स्थिरता सुनिश्चित होती है। उन्होंने

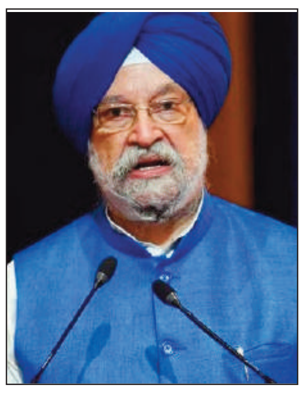

यह भी कहा कि दुनिया के कुछ हिस्सों में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ता देशों के पास चुनने के लिए कई विकल्प हैं। पुरी के अनुसार, वैश्विक तेल आपूर्ति मांग से आगे निकल रही है, जिससे निकट भविष्य में बाजार और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। चुनौतीपूर्ण समय के दौरान ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखने में भारत के लचीलेपन पर विचार करते हुए, पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की, जिनके नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता की त्रिविधता को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया है। पुरी ने कहा, कुछ साल पहले दुनिया के लिए एक खतरनाक समय के दौरान भी, भारत ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता की त्रिविधता को सफलतापूर्वक पार किया। उन्होंने दोहराया कि भारतीय तेल कंपनियाँ सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों की पेशकश करने वाले आपूर्तिकर्ताओं से कच्चा तेल खरीदकर आर्थिक लाभ को प्राथमिकता देना जारी रखेंगी। ऊर्जा सुरक्षा को संबोधित करने के अलावा, पुरी ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को धीरे-धीरे अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज, हम एक नए युग की शुरुआत में हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न केवल एक गेम चेंजर है, बल्कि पहले से ही यह दिखा रहा है कि बदलाव कहाँ आ रहे हैं। पुरी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कई वैश्विक नेताओं से पहले एआई और चौथी औद्योगिक क्रांति के महत्व को पहचाना, जिससे भारत ऊर्जा प्रबंधन के भीतर एआई I को एकीकृत करने में अग्रणी बन गया। उन्होंने आगे बताया कि ऊर्जा उद्योग में एआई का रचनात्मक और बड़े पैमाने पर लाभ उठाया जा रहा है, और उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रवृत्ति आगे भी जारी रहेगी, जो इस क्षेत्र के भविष्य को आकार देगी। जैसे-जैसे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य विकसित होता है, पुरी की टिप्पणियाँ ऊर्जा क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और अवसरों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाते हुए ऊर्जा सुरक्षा और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

किन्नौर से इस साल मंडियों में गया 45 लाख पेटी सेब, जिले में पांच साल में रिकॉर्ड उत्पादन

किन्नौर,5 नवंबर (एजेंसियां)। साल 1970 से अब तक किन्नौर जिले में इस साल सेब का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष जिले से सेब की 45 लाख पेटियां देश और प्रदेशकी विभिन्न मंडियों के लिए भेजी जा चुकी हैं। जिले में अब तक सबसे अधिक सेब उत्पादन साल 2022-23 में हुआ था। इस वर्ष जिले में सेब की 41 लाख से अधिक पेटियों का उत्पादन हुआ था। अब यूनिवर्सल कार्टन लागू होने से भी बागवानों को खासा मुनाफा हो रहा है। गौर हो कि जनजातीय जिला किन्नौर में उगने वाला सेब अपने स्वाद, मिठास और गुणवत्ता के लिए देश-प्रदेश में मशहूर है। हर वर्ष जिले में सेब की लाखों पेटियां का उत्पादन होता है। इस वर्ष जिले में सेब का अब तक रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया गया है। इस वर्ष रविवार तक जिले से सेब की 45 लाख पेटियां देश-प्रदेश की विभिन्न मंडियों में पहुंच चुकी है। इस वर्ष बागवानों को प्रति पेटी के 15 सौ से 29 सौ रुपये दाम मिले हैं। बंपर फसल के बावजूद किन्नौर के सेब को बेहतर दाम मिल रहे हैं। जिले में अब सेब की आधुनिक तकनीक से पैदावार की जा रही है। खाली पड़ी जगहों में भी सेब की नई पौध लगाई जा रही है। जिले में हर वर्ष बागवान अपनी आर्थिकी को मजबूत कर रहे हैं। इस वर्ष भी जिले में सेब से बागवानों को करीब आठ करोड़ की कमाई हुई है। किनफैड किन्नौर के पूर्व उपाध्यक्ष कमल किशोर नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष से यूनिवर्सल कार्टन को शुरू किया है। इससे जहां बागवानों को लाभ मिल रहा है, वहीं सेब आढ़तियों को भी इसका फायदा पहुंच रहा है। पहले जहां एक पेटी में 28 से 32 किलोग्राम सेब जाता था, वहीं अब यूनिवर्सल कार्टन के चलते प्रति पेटी 22 से 24 किलोग्राम सेब बिक रहा है।

बाजार में शानदार तेजी, बैंक निफ्टी करीब हजार अंक चढ़कर तो निफ्टी 24200 के ऊपर बंद

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने निचले स्तरों से शानदार रिकवरी दिखाई है और कल की दिखी सारी गिरावट को पाटते हुए बढ़त के साथ कारोबार की क्लोजिंग दिखाने में कामयाबी हासिल की है। कल अगर बैंक निफ्टी ने 500-600 अंकों के करीब की गिरावट दिखाई तो आज करीब 1000 अंकों की रिकवरी के साथ शानदार ट्रेड पर क्लोज दिखाकर निवेशकों को कुछ राहत दिलाई है।

किन ऊपरी लेवल पर बंद हुआ शेयर बाजार

बीएसई का सेंसेक्स 694.39 अंकों या 0.88 फीसदी की उछाल के साथ 79,476.63 पर बंद हुआ है। एनएसई का निफ्टी 217.95 अंकों या 0.91 फीसदी की उछाल के साथ 24,213.30 के लेवल पर बंद हुआ है।

बैंक निफ्टी में कैसा बंद हुआ कारोबार

सुबह बैंक निफ्टी 51102 के लेवल पर बाजार खुलने के तुरंत बाद देखा गया था। आज बाजार की रिकवरी ने इसको जबरदस्त रिवर्सल दिलाया और ये करीब हजार अंकों की उछाल के साथ बंद होकर निवेशकों को राहत दे पाया है। आज मंगलवार के दिन शेयर बाजार में बैंक निफ्टी ने 992 अंकों या 1.92 फीसदी की जोरदार तेजी के साथ 52,207 के लेवल पर कारोबार दिखाया है।

सेंसेक्स के शेयरों का हाल

बीएसई सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयरों में उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ है और 9 शेयरों में गिरावट पर ट्रेड बंद हुआ है। जेएसडब्ल्यू स्टील 4.72 फीसदी ऊपर तो टाटा स्टील 3.64 फीसदी ऊपर बंद हुआ है। एक्सिस बैंक 2.73 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.56 फीसदी और इंडसइंड बैंक 2.49 फीसदी ऊपर बंद होने में सफल रहे। देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक एसबीआई 2.33 फीसदी चढ़कर बंद हुआ है।

बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन

बीएसई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.77 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है और इसमें कल के मुकाबले अच्छा उछाल देखा गया है। बीएसई पर 4058 शेयरों में कारोबार रहा जिसमें से 2468 शेयरों में तेजी रही और 1478 शेयरों में गिरावट पर कारोबार बंद हुआ है। 112 शेयर बिना किसी बदलाव के साथ बंद हुए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	धनु	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	वृश्चिक	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
तुला--	04-55	बजे
वृश्चिक-	07-05	बजे
धनु----	09-19	बजे
मकर....	11-25	बजे
कुंभ-	13-16	बजे
मीन-	14-54	बजे
मेष----	16-29	बजे
वृष----	18-15	बजे
मिथुन	20-15	बजे
कर्क---	22-27	बजे
सिंह---	00-39	बजे
कन्या--	02-46	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-20 सूर्यास्त. - 17-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 00-41 तक उपरान्त षष्ठी
मास - कार्तिक शुक्ल , बुधवार 06 November
नक्षत्र - मूल 11-00 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - सुकर्मा 10-50 तक उप धृति
करण- बव 12-32 तक उप बालव
विशेष:- लाभ पंचमी, ज्ञान जया पंचमी
व्रत -त्योहार -धनु मे शुक्र रातसे सौभाग्य पंचमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:59 से 13:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:20 - 07:43	शुभ	उत्पात	17:38 - 19:16	अशुभ
अमृत	07:43 - 09:09	शुभ	शुभ.	19:16 - 20:51	शुभ
काल	09:09 - 10:34	अशुभ	अमृत.	20:51 - 22:25	शुभ
शुभ	10:34 - 11:59	शुभ	चंचल.	22:25 - 23:59	शुभ
रोग	11:59 - 13:25	अशुभ	रोग	23:59 - 01:34	अशुभ
उत्पात	13:25 - 14:50	अशुभ	काल	01:34 - 03:09	अशुभ
चंचल	14:50 - 16:16	शुभ	लाभ.	03:09 - 04:44	शुभ
लाभ	16:16 - 17:38	शुभ	उत्पात	04:44 - 06:20	अशुभ

13 साल में पहली बार बदला टाटा फैमिली का नियम

टाटा संस के बोर्ड में हुई नोएल टाटा की एंट्री

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा फैमिली के नियम में बड़ा बदलाव हुआ है। रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में शामिल किया गया है। टाटा फैमिली के नियम के मुताबिक, नोएल टाटा, टाटा संस के बोर्ड में शामिल नहीं हो सकते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि, साल 2022 में रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने एक नियम बनाया था जिसके मुताबिक, टाटा ट्रस्ट और टाटा संस के चेयरमैन एक ही व्यक्ति नहीं हो सकते। लेकिन नोएल टाटा के लिए ये नियम बदल गया और पहली बार एक ही व्यक्ति को टाटा ट्रस्ट और टाटा संस में जगह मिली है। दरअसल, इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक नोएल टाटा की टाटा संस में नियुक्ति टाटा ट्रस्ट्स के नामित सदस्य के रूप में हुई है। दिवाली से पहले हुई टाटा संस की एक वर्चुअल मीटिंग में इस आशय का एक ऑनलाइन प्रस्ताव पारित किया गया। ऐसे में 2011 के बाद यानी 13 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब टाटा परिवार का कोई सदस्य टाटा ट्रस्ट और टाटा संस दोनों के बोर्ड में शामिल होगा। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में 66% हिस्सेदारी है।

क्या काम करेंगे नोएल टाटा

नोएल टाटा के शामिल होने के साथ अब टाटा संस बोर्ड में टीवीएस के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और रक्षा मंत्रालय के पूर्व नौकरशाह विजय सिंह के साथ टाटा ट्रस्ट के तीन नामित निदेशक हो गए हैं। नोएल टाटा, सिंह, श्रीनिवासन और मेहली मिस्त्री वर्तमान में टाटा ट्रस्ट को संचालित करने वाली कार्यकारी समिति का गठन करते हैं। हालांकि, टाटा संस ने इस मामले में अभी तक कोई कोई टिप्पणी नहीं की। टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के अनुसार, ट्रस्ट बोर्ड के एक-तिहाई निदेशकों को नामित कर सकते हैं। वर्तमान में, टाटा संस बोर्ड में नौ निदेशक शामिल हैं – अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन सहित दो कार्यकारी निदेशक, नोएल टाटा, श्रीनिवासन और सिंह सहित तीन गैर-कार्यकारी निदेशक और चार स्वतंत्र निदेशक।

चंद्रशेखरन से मिले नोएल टाटा

सूत्रों के अनुसार, नोएल टाटा ने अपनी नियुक्ति के बाद चंद्रशेखरन से मुलाकात की जिससे दोनों के बीच "स्वस्थ कामकाजी रिश्ते" की नींव बनी रहे। नोएल टाटा वर्तमान में टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्प, ट्रेंट और वोल्टास के गैर-कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जबकि टाइटन और टाटा स्टील में उपाध्यक्ष और गैर-कार्यकारी निदेशक का पद भी संभाल रहे हैं।

इन कंपनियों में छोड़ी भूमिकाएं

67 वर्षीय नोएल टाटा ने 65 साल की उम्र में समूह की कंपनियों में अपना एग्जीक्यूटिव रोल छोड़ दिया था। ग्रुप के नियम के मुताबिक अधिकारियों को 70 वर्ष की आयु में सभी बोर्ड पद छोड़ने की भी आवश्यकता होती है। हालांकि, ट्रस्टी या अध्यक्ष के लिए कोई सेवानिवृत्ति की आयु नहीं है। समूह के करीबी विशेषज्ञों के मुताबिक, नोएल टाटा पर समूह कंपनियों की अध्यक्षता जारी रखने पर कोई कानूनी या संविदात्मक प्रतिबंध नहीं है क्योंकि यह एक गैर-कार्यकारी भूमिका है।

नोएल टाटा अप्रैल 2014 में एफएच कवराना के बाद समूह के रिटेल वेंचर ट्रेंट के अध्यक्ष बने। उनके नेतृत्व में, रिटेल सेक्टर का राजस्व 430% बढ़ गया, जो वित्त वर्ष 2014 में 2,333 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2014 में 12,375 करोड़ रुपये हो गया, जो 19 करोड़ रुपये के घाटे से बढ़कर 1,477 करोड़ रुपये के लाभ पर पहुंच गया।

मिडिल क्लास के लिए लौटा सस्ते का जमाना

बाजार में फिर मिलेगा भारत ब्रांड का आटा-चावल

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। मिडिल क्लास के लिए सस्ते का जमाना फिर लौट आया है। इसकी वजह सरकार का 'भारत ब्रांड' के सस्ते आटा और चावल का फिर से बाजार में लौट आना है। आम लोगों को सस्ते और किफायती दाम पर जरूरी राशन मिल सके इसलिए सरकार ने 'भारत'ब्रांड के तहत सामाना बेचना शुरू किया था। मंगलवार को इस योजना का दूसरा फेज लॉन्च कर दिया। सरकार रियायती दर पर 'भारत' ब्रांड के तहत जो आटा और चावल सेल करती है। उसे सरकार की को-ऑपरेटिव सोसायटी की मदद से ग्राहकों तक पहुंचाया जाता है। इसमें भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ , भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ और केन्द्रीय भंडार शामिल हैं। वहीं इसकी कुछ सेल सरकार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी करती है।

अब इतनी है 'भारत' के सामान की कीमत

दूसरे फेज में सरकार ने 'भारत' ब्रांड के तहत गेहूं के आटा को 30 रुपए प्रति किलोग्राम और चावल को 34 रुपए प्रति किलोग्राम के रेट्स पर लॉन्च किया है। ये दो तोल 5 किलो और 10 किलो के पैकेट में उपलब्ध होंगे। हालांकि सरकार ने इस बार सामान की जो कीमत रखी है, वह इस योजना के पहले चरण के मुकाबले थोड़ी अधिक है। तब आटे की कीमत 27.5 रुपए तथा चावल का दाम 29 रुपए प्रति किलोग्राम था।खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इन सामानों की डिलीवरी करने वाली इन सहकारी समितियों की मोबाइल वैन को हरी

झंडी दिखाकर मंगलवार को रवाना किया। उन्होंने कहा कि देश में आम नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए ये सरकार की ओर से किया जा रहा एक अस्थायी हस्तक्षेप है।"

सरकार ने खरीदा है इतना अनाज

सरकार ने देश में महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के अंतर्गत भारत ब्रांड के लिए दूसरा चरण शुरू किया है। इसके तहत आटे के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया है।प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत ब्रांड के तहत सामान तब तक मिलता रहेगा, जब तक आवंटित किया गया भंडार समाप्त नहीं हो जाता। अगर और अधिक राशन की जरूरत पड़ी तो सरकार के पास पर्याप्त भंडार है। सरकार दोबारा राशन आवंटित कर देगी।पहले चरण में चावल की कम बिक्री पर मंत्री ने कहा कि सरकार का मकसद कारोबार करना नहीं है। बल्कि सरकार का उद्देश्य ग्राहकों को राहत देना और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना है। अगर बाजार में मांग देखी गई तो सरकार छोटे आकार के पैकट लाने पर विचार करेगी।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ ।अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा । आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी ।अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है । अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही हैछोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें ।सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का -फुल्का काम करें ।कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे | रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें जिनकी आपको बाद में काफी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने -जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 200 रुपये बढ़कर 81,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी 1800 रुपये उछली

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की ताजा लिवाली और मजबूत वैश्विक रुख के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 200 रुपये बढ़कर 81,300 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली बहुमूल्य धातु सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई से 1,300 रुपए घटकर 81,100 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई थी। मंगलवार को चांदी 1,800 रुपये उछलकर 96,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 200 रुपए बढ़कर 80,900 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि इससे पहले इसका भाव 80,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू बाजारों में स्थानीय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की मांग में तेजी के कारण पीली धातु की कीमतों में तेजी आई। इस बीच, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाला सोने का अनुबंध 18 रुपये या 0.02 प्रतिशत गिरकर 78,404 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। दिन के कारोबार के दौरान, बहुमूल्य धातु 78,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर और 78,191 रुपये प्रति 10 ग्राम के निम्नतम स्तर पर पहुंच गयी। बाजार के जानकारों के अनुसार, सोने की कीमतें वर्तमान में 78,500 रुपये के स्तर के पास मामूली प्रतिरोध का सामना कर रही हैं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी लगभग 2,745-2,750 डॉलर प्रति औंस पर इसी तरह की बाधा है। यह प्रतिरोध मजबूत बना हुआ है, क्योंकि आगामी अमेरिकी चुनाव निवेशकों के लिए सतर्कता का एक स्तर जोड़ता है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट- कमोडिटी एवं करेंसी, जतीन त्रिवेदी ने कहा, इसके अतिरिक्त, 7 नवंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती के निर्णय से पूरे सप्ताह सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है। हालांकि, दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 239 रुपये अथवा 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 94,523 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 1.50 डॉलर प्रति औंस या 0.05 प्रतिशत बढ़कर 2,747.70 डॉलर प्रति औंस हो गया। कोटक सिक्योरिटीज की कमोडिटी रिसर्च की एवीपी कायनात चैनवाला के अनुसार, कॉमेक्स गोल्ड में सोमवार को तेजी आई, जिसे हाल के मतदान आंकड़ों के बाद सुरक्षित निवेश की मांग से समर्थन मिला, जिसमें मंगलवार के मतदान से पहले कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच कोई स्पष्ट अग्रणी नहीं होने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में कड़ी टक्कर का संकेत दिया गया था। पिछले सप्ताह, कड़े मुकाबले वाले चुनाव के बीच सोना 2,801.80 डॉलर प्रति औंस के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, यह सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्ति के रूप में सोने पर निवेशकों का भरोसा बढ़ने का प्रतीक है। हालांकि, चैनवाला ने कहा कि मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से यह उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व मौद्रिक नरमी के प्रति सतर्क रुख अपना सकता है, जिसके बाद सोना अपने उच्चतम स्तर से नीचे आ गया। एशियाई बाजार में कॉमेक्स चांदी वायदा 0.37 प्रतिशत बढ़कर 32.73 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी ला रहा है नया ऐप

कंफर्म टिकट खरीदना होगा आसान

नई दिल्ली,5 नवंबर (एजेंसियां)। रेलवे की तरफ से यूजर एक्सपीरियंस बेहतर करने के लिए लगातार नए कदम उठाए जाते हैं। हाल ही में भारतीय रेलवे ने कॉमप्रिहेंसिव मोबाइल ऐप लाई गई है। एक ऐप में ही यूजर्स को बहुत सारी पैसेंजर सर्विस मिलने वाली हैं। अभी इसे बनाकर तैयार कर लिया गया है। साथ ही खई अन्य पहलुओं पर भी विचार किया जा रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो इस साल के अंत तक इसे लॉन्च किया जा सकता है।

तो चलिये आपको भी इस ऐप के बारे में बताते हैं-

♦यूजर्स इस ऐप की मदद से टिकट बुकिंग कर पाएंगे। यहीं से प्लेटफॉर्म पास, मॉनिटर शेड्यूल और अन्य टास्क भी पूरे किए जा सकते हैं।

♦इस ऐप को सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम की तरफ से बनाया गया है। यही ऐप को डेवलप, डिजाइन करती है। इसी की मदद से इंफोर्मेशन सिस्टम को बनाया जा सकता है।

♦ये ऐप मौजूद सिस्टम के साथ ही काम करेगी। आईआरसीटीसी के इस नियम में कैटरिंग, टूरिज्म सर्विस का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

♦आईआरसीटीसी भी बिल्कुल वैसे ही काम करती रहेगी। आईआरसीटीसी के बीच और प्लांड ऐप पर काम चल रहा है। ऐसे में ये आपके लिए काफी अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

♦अभी एप्लीकेशन और वेबसाइट पर आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट, ई-कैटरिंग फूड ऑन ट्रैक, रेलवे मदद और नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम उपलब्ध है।

♦आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट के पास टिकट बुकिंग के राइट्स रिजर्व हैं। इसी वजह से, ऐप को 100 मिलियन लोग डाउनलोड कर सकते हैं। ये रेलवे की सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली ऐप है।

♦आईआरसीटीसी की तरफ से अन्य सुपर ऐप को एक रेवेन्यू की दृष्टि से देखा जाता है। ऐसे में ये आपके लिए काफी अच्छा ऑप्शन साबित होती है।

♦थर्ड पार्टी बुकिंग प्लेटफॉर्म को आईआरसीटीसी से किया जा सकता है और यहीं से इस्तेमाल

♦किया जा सकता है। आईआरसीटीसी ऐप की मदद से रेलवे ने करीब 4270 करोड़ का रेवेन्यू कमाया है।

♦आईआरसीटीसी पर करीब 453 मिलियन की टिकट बुकिंग हुई है। ये कुल टिकट का 30.33% रेवेन्यू है जो काफी फादेमंद साबित होता है।

स्वेज नहर विवादों के 166 साल

क्या ईरान ने भारत और तुर्की से जंग के बाद बनाई थी स्वेज नहर

इजरायल के चलते मिस्र को क्यों सुननी पड़ी?

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। ईरान के एक महान राजा डेरियस का एक शिलालेख है, जिस पर लिखा है- मैं फारसी हूं, फारस से निकलकर मैंने मिस्र पर विजय प्राप्त की। मैंने इस नहर को नील नदी से लेकर फारस के समुद्र तक खोदने का आदेश दिया जो मिस्र में बहती है। यह नहर वैसी ही खोदी गई जैसा कि मैंने आदेश दिया था। इससे जहाज मिस्र से इस नहर के माध्यम से फारस तक गए। जानते हैं इसी स्वेज नहर की यह कहानी, जिसका कनेक्शन भारत, तुर्की, इजरायल और ईरान से भी है। दरअसल, यह कहानी इसलिए भी बतानी जरूरी है कि हाल ही में ईरान से तनातनी के बीच इजरायल के युद्धपोत इसी स्वेज नहर से होकर गुजरे हैं। इसे लेकर मिस्र को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

डेरियस ने कई जंग लड़ी, इसी के चलते वह भारत आया

बेहिस्तून शिलालेख में कहा गया है कि डेरियस प्रथम ने ईरान के राजा गौमता की हत्या करने के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उसने गृहयुद्ध लड़ा। आखिरकार वह अखमनी साम्राज्य को फिर से स्थापित कर पाया। यही वही डेरियस था, जिसने कई विदेशी युद्ध लड़े, जो उसे भारत और तुर्की तक ले आए थे। डेरियस के समय में फारस यानी ईरान का साम्राज्य अपने सबसे बड़े विस्तार पर पहुंच चुका था।

भारत पर आक्रमण करने वाला पहला फारसी राजा

डेरियस प्रथम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला फारसी राजा था। उसने 516 ईसा पूर्व में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग पर आक्रमण किया था। उस वक्त डेरियस प्रथम ने भारत के पंजाब, सिंध, झेलम नदी घाटी के कुछ हिस्से और गांधार पर कब्जा कर लिया था। हालांकि, नहर बनाने का काम इन युद्धों के बाद कब किया गया था, इस बारे में जानकारी स्पष्ट नहीं मिलती है।

चालीपु स्टेल स्मारक में नहर का जिक्र मिलता है

ईरान में एक स्मारक है, जिसे चालीफ स्टेल के नाम से जाना जाता है। इसमें एक नहर के निर्माण से संबंधित लेख है, जिसके बारे में कहा गया है कि यह नील नदी और लाल सागर को जोड़ती थी। इस नहर को बनाने का काम ईरान के महान राजा डेरियस प्रथम ने पूरा किया था। डेरियस का शासन 522 ईसा पूर्व से लेकर 486 ईसा पूर्व तक था। हालांकि, मिस्र में भी फैरोहों राजाओं के काल में ऐसी ही एक नहर बनाने का जिक्र मिलता है।

एक प्राचीन किताब में मिलती है नहर की खुदाई का जिक्र

बुक आफ एक्सोडस में कहा गया है कि मिस्र छोड़ने वाले यहूदियों ने एक नहर बनाई थी। इसी नहर को डेरियस ने बहाल

किया था, जो नील नदी, लाल सागर और फारस की खाड़ी के बीच कारोबारी रास्ता था।

बुक आफ एक्सोडस बाइबिल से जुड़ी दूसरी किताब है। इसमें बताया गया है कि कभी इजरायली यानी यहूदी लोग मिस्र में गुलाम थे। अत्याचारों से तंग आकर यहूदियों ने मिस्र छोड़ दिया, जिसके बाद उन सभी ने अपने लिए एक पवित्र देश बनाने का संकल्प लिया था। प्राचीन काल में बनी इस नहर के आधार पर ही आधुनिक स्वेज नहर की नींव रखी गई। 193.30 किलोमीटर लंबी स्वेज नहर मिस्र में कृत्रिम समुद्रस्तरीय जल मार्ग है। यह नहर स्वेज के इस्तमुस से होकर अफ्रीका और एशिया को बांटते हुए भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। 1858 में फ्रांसीसी इंजीनियर और राजनयिक फर्डिनांड डी लेसेप्स ने नए सिरे से नहर बनाने के लिए स्वेज नहर कंपनी बनाई। तब नहर का निर्माण तुर्की सरकार ने 1859 से 1869 तक कराया। 17 नवंबर, 1869 को यह नहर खोल दी गई। 1866 में इस नहर के पार होने में 36 घंटे लगते थे। मगर, आज इसे पार करने में 18 घंटे से कम वक्त लगता है। फिलहाल यह नहर अभी मिस्र के नियंत्रण में है।

इस नहर का प्रबंध पहले स्वेज कैनाल कंपनी करती थी, जिसके आधे शेयर फ्रांस और आधे शेयर तुर्की, मिस्र और अन्य अरब देशों के थे। बाद में मिस्र और तुर्की के शेयरों को ब्रिटेन ने खरीद लिया। 1888 में एक समझौता हुआ कि इस नहर पर किसी एक राष्ट्र की सेना नहीं रहेगी। मगर, ब्रिटेन ने वादाखिलाफी करते हुए इस नहर पर अपनी सेनाएं बैठा दीं।

1947 में जब भारत आजाद हो रहा था, तब यह तय हुआ कि कंपनी के साथ 99 वर्ष का पट्टा रद्द हो जाने पर इसका स्वामित्व मिस्र सरकार के हाथ आ जाएगा। 1951 में मिस्र में ग्रेट ब्रिटेन के विरुद्ध आंदोलन छिड़ा और आखिर में 1954 में एक करार हुआ। इसके अनुसार ब्रिटेन नहर से अपनी सेना हटा ली। बाद में मिस्र ने इस नहर का 1956 में राष्ट्रीयकरण कर इसे अपने पूरे अधिकार में कर लिया।

1956 की बात है, जब इजरायल और बाद में ब्रिटेन-फ्रांस ने मिस्र पर आक्रमण कर दिया था। तब स्वेज नहर से आवागमन रोक दिया गया था। यही स्वेज संकट कहलाता है। यह आक्रमण स्वेज नहर पर पश्चिमी देशों का नियंत्रण पुन कायम करने और मिस्र के राष्ट्रपति कर्नल नासिर को सत्ता से हटाने के मकसद से किया गया था। युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका, सोवियत संघ और राष्ट्र संघ ने राजनैतिक दखल दिया, तब जाकर कहीं यह संकट खत्म हुआ। यह संकट स्वेज नहर के राष्ट्रीयकरण के चलते हुआ था। 1957 में स्वेज नहर को सभी देशों के जहाजों के आवागमन के लिए खोल दिया गया।

स्वेज संकट ने दुनिया के आधुनिक इतिहास और राजनीति को एक नई दिशा दी थी। मिस्र के राष्ट्रपति जमाल अब्दुल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण करके ब्रिटेन और फ्रांस के साम्राज्यवाद को चुनौती दी थी और यहीं से विश्व की दो महाशक्तियों के प्रभाव से अलग एक तीसरी दुनिया का रास्ता साफ हुआ जिसे गुटनिरपेक्ष आंदोलन नाम दिया गया। इसके गठन में तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी भूमिका निभाई थी।

इस नहर के कारण यूरोप से एशिया और पूर्वी अफ्रीका का सरल और सीधा मार्ग खुल गया और इससे लगभग 6,000 मील की दूरी की बचत हो गई। इससे अनेक देशों, पूर्वी अफ्रीका, ईरान, अरब, भारत, पाकिस्तान, सुदूर पूर्व एशिया के देशों, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि देशों के साथ व्यापार में बड़ी सुविधा हो गई है और व्यापार बहुत बढ़ गया है।

स्वेज नहर में आवागमन कॉन्वॉय के रूप में होता है। हर दिन तीन कॉन्वॉय चलते हैं। दो उत्तर से दक्षिण और एक दक्षिण से उत्तर की तरफ। जहाजों की गति 11 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे होती है। दरअसल, जहाजों के तेज गति से चलने पर नहर के किनारे टूटने का डर रहता है। इस नहर की यात्रा का समय 12 से 16 घंटों का होता है। इस नहर से एक साथ दो जहाज पार नहीं हो सकते हैं। जब एक जहाज गुजरता है तो दूसरे को गोदी में बांध दिया जाता है। ऐसे में इस नहर से होकर एक दिन में अधिकतम 24 जहाज ही गुजर सकते हैं। स्वेज नहर बन जाने से यूरोप और सुदूर पूर्व के देशों के बीच की दूरी बहुत घटी है। जैसे लिवरपूल से मुंबई आने में 7,250 किमी और हांगकांग पहुंचने में 4,500 किमी, न्यूयॉर्क से मुंबई पहुंचने में 4,500 किमी की दूरी कम हो जाती है। इस नहर के कारण ही भारत और यूरोपीय देशों के बीच कारोबारी रिश्ते बढ़े हैं।

वोटिंग से 8 दिन पहले झारखंड में सीबीआई रेड

हेमंत के करीबी पंकज मिश्रा के नजदीकियों के 17 ठिकानों पर छापेमारी, 30 लाख रुपए जब्त

रांची/साहेबगंज, 5 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से 8 दिन पहले सीबीआई ने मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बड़ी कार्रवाई की है। 1200 करोड़ रुपए के अवैध खनन मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार में 17 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसमें झारखंड के 3 जिले साहिबगंज, पाकुड़, राजमहल में रेड जारी है। इसके अलावा कोलकाता और पटना में भी टीम जांच कर रही है।

सूचना है कि सीबीआई ने छापेमारी के दौरान अलग-अलग जगहों से 30 लाख रुपए जब्त किए हैं। एजेंसी ने जिन लोगों के यहां रेड मारी है, वे सभी पंकज मिश्रा के करीबी बताए जाते हैं। मिश्रा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि रह चुके हैं। साहिबगंज में छह लोगों राजमहल उधवा के बड़े कारोबारी महताब आलम, मिर्जाचौकी के रंजन वर्मा, संजय जायसवाल, बरहरवा के सुब्रतो पाल, पत्थर व्यवसायी टिंकल भगत, अवध किशोर सिंह उर्फ पतरु सिंह, बरहरवा के भगवान भगत और कृष्णा शाह के यहां छापेमारी जारी है। साहेबगंज में हुए 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक के अवैध खनन मामले की शुरुआत मामूली से एक शिकायत से हुई थी। दरअसल, साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर अवैध खनन चल रहा था। इसके कारण यहां के ग्रामीणों के घरों में दरारें पड़ने लगी थी। इससे तंग आकर 2 मई 2022 को ग्रामीण अवैध खनन बंद कराने वहां पहुंचे, जिसे खनन में शामिल लोगों के शागिर्दों ने वहां से खदेड़ दिया। आखिर में ग्रामीण विजय हांसदा ने साहिबगंज के एसटी एससी थाने में सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, उनके सहयोगी विष्णु यादव, पवित्र यादव, राजेश यादव, बच्चू यादव, संजय यादव व सुभाष यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

इस एफआईआर के आधार पर ईडी ने 8 जुलाई 2022 को साहिबगंज के तकरीबन 20 ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें एक नाम बरहेट विधायक सीएम हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का भी था। इस छापेमारी में कई पत्थर व्यवसायी के घर से ईडी को कई अहम सुराग हाथ लगे। पंकज मिश्रा पर कई तरह के आरोप हैं। उस पर साहेबगंज में 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक की अवैध माइनिंग, उससे हुई अवैध कमाई के अतिरिक्त टेंडर मैनेज करने का भी आरोप लगा है। ईडी ने उसे अवैध माइनिंग और अवैध कमाई मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ही मामले में ईडी ने आरोप अदालत में आरोप गठित कर दिए हैं। अवैध खनन के आरोपी पंकज मिश्रा को झारखंड हाईकोर्ट ने 21 अक्टूबर को जमानत दी थी।

जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं

सीएम योगी बोले- पहले औरंगजेब ने लूटा था, अब मंत्री आलम

रांची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। 'गेटवे ऑफ झारखंड' के नाम से मशहूर कोडरमा में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने राज्य की हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस तरह औरंगजेब ने देश को लूटा था, मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड सरकार एक मंत्री था आलमगीर आलम। उनके घर से नोटों की गड्डियां मिली थीं। ये पैसा झारखंड के गरीबों का था, जिसे लूटकर जमा किया गया था। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के कोडरमा और बड़कागांव की सभाओं में सीएम योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे का नारा दोहराया। उन्होंने लोगों से कहा कि अपनी ताकत का एहसास करवाइए। जातियों में नहीं बंटना है। जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे, कांग्रेस

और विपक्ष यही काम करती है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या को बुला रहे हैं। एक दिन ये लोग आपको घर के अंदर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए, एक रहिए और नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि देश का इतिहास गवाह है जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं।

बता दें, झारखंड में दो चरणों में 81 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को 38 सीटों पर मतदान होगा। झारखंड की हेमंत सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री रहे आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल, उनके घरेलू नौकर जहांगीर आलम, एक बिल्डर और दो इंजीनियर्स के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 जुलाई 2024 को छापेमारी की थी। इस दौरान कुल 35.23 करोड़ रुपए कैश जब्त किए गए थे। जहांगीर के फ्लैट के कमरों में झोले में भर-भरकर 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। तब नोट गिनने की तीन मशीन मंगाई गई। तीन दिन की गिनती के बाद यहां कुल 31.20 करोड़ रुपए मिले। फ्लैट से जमीन और ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़े कागजात भी मिले। ईडी ने आलम से करीबी बिल्डर मुन्ना के घर से भी 2.93 करोड़ रुपए जब्त किए थे। जबकि शेष राशि आलम से जुड़े अन्य लोगों के यहां मिली थी। ईडी की यह कार्रवाई ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के मामले से जुड़ी थी।

वीरेंद्र राम को टेंडर घोटाले में पिछले साल 23 फरवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने खुलासा किया था कि वीरेंद्र ने टेंडर कमीशन के माध्यम से करीब 125 करोड़ की संपत्ति अर्जित की है।

रायपुर गोली-कांड करने वाले लंगड़ाते-रोते दिखे

खुद को बताते थे डॉन, दूसरे गैंग से बदला लेने चलाई गोली, भाजपा नेता बोले- इनमें महापौर का गुर्गा भी

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर सोमवार को हुए गोलीकांड के दो बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये खुद को सोशल मीडिया पर छत्तीसगढ़ का डॉन बताया करते थे। इन्हें जब पुलिस थाने लेकर पहुंची तो एक बुरी तरह से लंगड़ाकर चल रहा था। दूसरा रोते बिलखते ले जाया जा रहा था। दोनों ने ही सोमवार को शेख साहिल नाम के युवक पर गोली चलाई थी। गोलीकांड के बाद भाजपा प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि मामले में फरार तीसरा आरोपी हीरा छुरा महापौर का गुर्गा है। पुलिस ने जिन्हें पकड़ा है उनके नाम शेख शाहनवाज उर्फ शानू (25) और शाहरुख (19) है। दोनों रायपुर के मौदहापारा के रहने वाले हैं। जब इन्होंने गोली चलाई तो छर्रे साहिल के कंधे और गर्दन में धंस गए। फिलहाल उसका इलाज अंबेडकर अस्पताल में चल रहा है। घायल साहिल भी पुराना बदमाश है। पुराने झगड़े का बदला लेने के लिए शेख

शाहनवाज की गैंग ने अटैक किया। साहिल के मर्डर का प्लान था मगर ये कामयाब नहीं हो सके।

शाहनवाज और शाहरुख से पुलिस पूछताछ कर रही है कि इन्हें कट्टा कहां से मिला। एएसपी लखन पटले ने बताया कि इनका एक और साथी हीरा छुरा फरार है। एक और नाम पुलिस को मिला है जो इस कांड में था। अधिकारी ने कहा कि जो लोग भी इस वारदात में सपोर्ट करने उकसाने वाले थे सभी के खिलाफ एक्शन होगा। इंस्टाग्राम पर सीजी डॉन नाम के एक ग्रुप में शाहनवाज और शाहरुख ने सबको मार देंगे कह कर धमकी दी थी। इसी तरह के ऑडियो पर यह वीडियो भी बनाया करते थे। खुद को डॉन बताया करते थे। मौका पाकर इन बदमाशों ने वारदात को भी अंजाम दे दिया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में घायल साहिल, गोली चलाने वाले शाहनवाज और शाहरुख, हीरा छुरा पर 5 से 6 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। ये सभी पुराने बदमाश हैं। सभी की क्राइम हिस्ट्री पुलिस के पास है। पुलिस सूत्रों के अनुसार साहिल उसके भाई का एक गैंग है। शाहनवाज और शाहरुख का दूसरा गैंग है। ये सभी नशीली टैबलेट की तस्करी करते हैं। कई बार पकड़ में आते हैं जेल जाते हैं। दो साल पहले पचपेड़ी नाका के एक रेस्टोरेंट में दोनों गैंग के बीच झगड़ा हो गया था।

नशे के धंधे में दोनों गैंग के लोगों को कॉम्पिटिशन था। उनमें कई बार मारपीट हुई। जेल में भी इनके बीच अप्रैल में मारपीट हो चुकी थी। गोली लगने से घायल साहिल भी कुछ दिन पहले ही छूटा है। पता चला है कि गोली कांड में शामिल शाहनवाज का पिता छोटा अन्नू उर्फ अनवर रायपुर का कुख्यात बदमाश था, जिसकी ओडिशा जेल में मौत हो चुकी है, वह चाकूबाज था। 14 साल पहले रायपुर कोर्ट के भीतर छोटा अन्नू पर हमला हुआ था।

पीएम की सुरक्षा के नाम पर रोका हेमंत का हेलिकॉप्टर

जेएमएम ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी, कहा - सभी स्टार प्रचारकों को मिले समान अवसर

रांची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा का हवाला देकर सीएम हेमंत सोरेन के हेलिकॉप्टर को उड़ान नहीं भरने देने का मामला अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तक पहुंच गया है। जेएमएम ने चिट्ठी लिख इसकी शिकायत की है।

अपनी चिट्ठी में जेएमएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। जेएमएम ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि दूसरी पार्टियों के स्टार प्रचारों को जिस तरह का अवसर चुनाव प्रचार में मिलता है, जनजातीय जन प्रतिनिधियों को मिलना चाहिए। जेएमएम की चिट्ठी में जिक्र है कि हमारे स्टार प्रचारक हेमंत सोरेन का चाईबासा के गुदड़ी में चार नवंबर को 1.15 बजे चुनावी सभा थी। वे इस सभा को 1.45 बजे खत्म कर सिमडेगा के बाजारटांड मैदान में होने वाली सभा में जाना था। यह सभा 2.25 बजे होनी थी। चुनाव आयोग से इस सभा की अनुमति भी मिली हुई थी।

इसी दिन पीएम नरेंद्र मोदी का चाईबासा कॉलेज मैदान में 2.40 बजे जनसभा था। चाईबासा से गुदड़ी की दूरी लगभग 80 किमी और गुदड़ी से सिमडेगा की दूरी लगभग 90 किमी है। हेमंत सोरेन के हेलिकॉप्टर को प्रधानमंत्री की सुरक्षा का हवाला देते हुए 150 किमी की दूरी तय करने के लिए डेढ़ घंटे तक रोका रखा। चिट्ठी में जेएमएम ने लिखा है कि निर्वाचन आयोग की ओर से बताया गया था कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के दृष्टिकोण से 50 किमी के दायरे में उड़ानवर्जित रहता है। यह 15 मिनट का होगा।

जेएमएम के पत्र में इस बात का जिक्र है कि निर्वाचन आयोग की ओर से जब राजनीति दलों के साथ बैठक हुई थी तब लिखित और मौखिक रूप से यह आश्वस्त किया गया था कि प्रतिद्वंदि राजनैतिक दलों के नेताओं, प्रचारकों तथा अधिकृत उम्मीदवारों को एक समान अवसर देते हुए चुनाव कराया जाएगा।

36 हस्तियों को सम्मानित करेंगे उप राष्ट्रपति

पीएम नरेंद्र मोदी ने जिन बुटलू का किया जिक्र उन्हें शहीद वीर नारायण सम्मान, सूची जारी

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने राज्य अलंकरण सम्मान की घोषणा कर दी है। 36 हस्तियों को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सम्मानित करेंगे। हाल ही में मन की बात कार्यक्रम में नारायणपुर के बुटलूराम का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उन्हें शहीद वीर नारायण सम्मान से नवाजा जाएगा। 'मन की बात' कार्यक्रम के 115वें ऐपिसोड में नारायणपुर जिले के देवगांव निवासी बुटलूराम माथरा की प्रशंसा पीएम ने की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि, बुटलूराम माथरा अबूझमाड़िया जनजाति की लोक कला को संरक्षित करने में जुटे हुए हैं।

पत्नी ने तलाक मांगा तो फंदे पर झूला पति

भिलाई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में पारिवारिक विवाद के बाद पत्नी शिकायत करने थाने गई, तो पति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि, पत्नी उससे तलाक लेना चाहती थी, लेकिन पति इसके लिए राजी नहीं था। इसलिए दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होते रहती थी। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हीरालाल साहू (40) घासीदास नगर बाम्बे आवास में रहता था। वो मकान ठेकेदारी का काम करता था। हीरालाल का एक बेटा और बेटी है। दोनों की शादी करीब 18 साल पहले हुई थी, इनके 17 साल की लड़की और 15 साल एक लड़का भी है। हीरालाल और सुशीला साहू के बीच पिछले 5-6 सालों से अनबन चल रही थी। आए दिन विवाद होने के कारण तलाक की स्थिति आ गई थी। पत्नी बार-बार उससे तलाक मांग रही थी। लेकिन हीरा लाल उसे तलाक नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर सोमवार दोपहर दोनों के बीच फिर झगड़ा हुआ। इसके बाद तंग आकर करीब 12.30 बजे पत्नी उसकी शिकायत करने थाने में चली गई। वो थाने में भी नहीं पहुंची थी कि, उसका बेटा दौड़ता हुआ आया और बताया कि, पिता ने फांसी लगा ली है। पत्नी जब घर पहुंची तो देखा कि हीरालाल कमरे के अंदर फंदे से लटक रहा था। उसने जामुल पुलिस को मामले की सूचना दी।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव के लिए होम वोटिंग शुरू

85 साल से ज्यादा उम्र वाले वोटर घर बैठे कर सकेंगे मतदान, 7 नवंबर तक मिलेगी सुविधा

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण उपचुनाव के लिए मंगलवार से होम वोटिंग शुरू हो गई है। 85 साल से ज्यादा उम्र वाले वोटर इस सुविधा के तहत घर बैठे ही वोटिंग कर सकेंगे। निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा ने होम वोटिंग के लिए मतदान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। होम वोटिंग की सुविधा क्षेत्र के मतदाता के लिए 5 से 7 नवंबर तक सुविधा रहेगी। इसके तहत बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया जाएगा। उम्र ज्यादा होने की वजह से अब मतदान केंद्र तक जाने-आने में काफी दिक्कतें होती है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से होम वोटिंग की सुविधा दी जाती है। 5 नवंबर को ईवीएम मशीनों की कमिशनिंग का कार्य किया जा रहा है। यह काम सेज बहार स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। मतदान के लिए मशीनों को तैयार करने में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए निर्धारित कंपनी के इंजीनियर एक दिन पहले रायपुर पहुंच रहे हैं। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों की कमिशनिंग की प्रक्रिया में मेसर्स इलेक्ट्रानिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर मौजूद रहेंगे।

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत

चार दिन चलेगी पूजा, छत्तीसगढ़ में एशिया का सबसे बड़ा स्थायी घाट, सूर्यकुंड में 51 नदियों का पानी

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। देशभर समेत छत्तीसगढ़ में आज से नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की शुरुआत हो गई है। अब चार दिन छठ पूजा चलेगी। दुर्ग, सरगुजा, रायगढ़ और जगदलपुर समेत तमाम जिलों में छठ घाट बनाए गए हैं। वहीं बिलासपुर में एशिया का सबसे बड़ा स्थायी छठ घाट बनाया गया है। तोरवा छठ घाट मुंबई के जुहू से भी बड़ा है, जो साढ़े 7 एकड़ में फैला हुआ है। इस छठ घाट में पुलिस चौकी, लाइटिंग, पार्किंग स्थल, सामुदायिक भवन और गार्डन बनाए गए हैं। वहीं भिलाई में सूर्यकुंड बनाया गया है, जहां 51 नदियों का पानी डाला गया है। यहां व्रती सूर्य देव और छठी मैया

की पूजा कर रहे हैं। आइए जानते हैं छठ पर्व की हर छोटी-बड़ी बातें और मान्यताएं, छठ पर्व क्यों और कैसे मनाया जाता है। बिलासपुर जिले में तोरवा स्थित छठ घाट एशिया का सबसे बड़ा स्थायी और व्यवस्थित घाट है, जहां 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ छठ पूजा करने आते हैं। त्योहार से पहले यहां अरपा नदी की महाआरती की जाएगी। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में छठ पर्व ज्यादा मनाया जाता है, लेकिन पिछले एक दशक से छत्तीसगढ़ में भी उत्साह देखा जा रहा है। बिलासपुर जैसा स्थायी और बड़ा घाट पर्व का उद्गम स्थल बिहार में भी नहीं है। छठ मुख्य रूप से बिहार प्रांत का पर्व है। समिति के पदाधिकारी बताते हैं कि, अकेले पटना में 82 घाट हैं, लेकिन सभी घाटों का एरिया महज 100 से 200 मीटर ही है।

तोरवा में एक किलोमीटर एरिया में पूजा और अर्घ्य के लिए बेदी बनाई गई है। यहां छठ घाट की साफ-सफाई और रंग-रोगन किया गया। पूजा स्थल के लिहाज से मुंबई के जुहू स्थित चौपाटी को सबसे बड़ा घाट माना जाता है, लेकिन यह स्थायी नहीं है।

अस्पताल में लगी आग, मरीज को छोड़कर भागे डॉक्टर

ऑपरेशन के दौरान फटा एसी का कंप्रेसर, खिड़की काटकर पेशेंट को निकाला, सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम

रायपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में मंगलवार दोपहर एसी का कंप्रेसर फटने से आग लग गई। बताया जा रहा है कि मरीज का ऑपरेशन चल रहा था, तभी आग भड़की। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक जब आग लगी तो डॉक्टर्स बीच ऑपरेशन के दौरान मरीज को छोड़कर भाग गए। ऑक्सीजन सिलेंडर और सुरक्षा इंतजाम नहीं होने की वजह से मरीज को निकालने में देरी हुई। काफी देर तक ऑपरेशन थियेटर में ही पड़ा रहा। बताया जा रहा है कि सबसे पहले आग ट्रामा सेंटर के एक ऑपरेशन थियेटर में लगी। इसके बाद लपटें आस-पास फैलने लगी। मौके पर मौजूद स्टाफ ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन ट्रामा सेंटर में अधिक धुआं भर गया। इसकी वजह से वहां दिखना बंद हो गया। मरीज को ट्रॉमा सेंटर के ऑपरेशन थियेटर से दरवाजे के जरिए बाहर निकालने की कोई व्यवस्था नहीं थी, जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने कटर से खिड़की की ग्रिल को काटा। एसडीआरएफ की टीम ने डॉक्टरों की मदद से मरीज को बाहर निकाला और दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया। मरीज की हालत गंभीर है। रेस्क्यू करने गए जवान की सफेद टी-शर्ट धुएं से काली पड़ गई। धुएं के कारण चेहरा भी काला पड़ गया। जवान ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ काफी देर तक अस्पताल के अंदर सर्चिंग करता रहा। इसके बाद जवान बाहर आया। आग पर काबू पा लिया गया है। रेस्क्यू करने वाली टीम में संभागीय सेनानी एनिमा कुजूर, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट पुष्पराज सिंह, अनिल साहू, जय सिंह ठाकुर, गुलशन जायसवाल, बाय स्टीफन, पूर्णानंद देवांगन, जितेंद्र यादव, हरीश वर्मा और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू किया।

कनाडा में मंदिर पर हमला, पुलिस अधिकारी सस्पेंड

खालिस्तानी झंडा लहराया था, 3 लोगों पर केस दर्ज, भारत ने कहा था– ट्रूडो सरकार एक्शन ले

ओटावा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के बाहर खालिस्तानी समर्थकों के प्रदर्शन में शामिल होने वाले एक पुलिस अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, हरिंदर सोही नाम का व्यक्ति पील रीजनल पुलिस टीम में अधिकारी के पद पर है। वह रविवार (3 नवंबर) को मंदिर के बाहर खालिस्तानी झंडा लहराता नजर आया था। पील पुलिस के मीडिया ऑफिसर रिचर्ड चिन ने बताया कि पुलिस को मंदिर के बाहर हिंसा से जुड़े फुटेज मिले हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें पुलिस अधिकारी प्रदर्शन में शामिल नजर आ रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है। अब तक 3 लोगों पर हिंदू मंदिर के बाहर भारतीय कॉन्सुलर अधिकारियों पर हमले के मामले में केस दर्ज किया गया है। पील पुलिस ने बताया कि मंदिर के बाहर हिंसा के बाहर उसके आसपास दूसरी जगहों पर भी प्रदर्शन के मामले सामने आए। पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने कहा कि उन्हें पहले ही हमले की

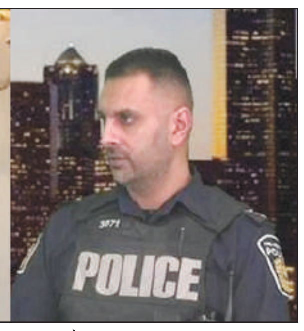

जानकारी मिली थी। सभी को प्रदर्शन करने और अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इस दौरान किसी भी तरह की हिंसा या अपराध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। हिंसा में जो लोग शामिल थे, उन्हें गिरफ्तार करके सजा दी जाएगी।

दूसरी तरफ, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा में मंदिर पर हमले का मामला चिंतित करने वाला है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गए जयशंकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने भी इस मामले में चिंता जताई है। कनाडा में भारतीय डिप्लोमैट्स की जासूसी को भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें बिना किसी सबूत के आरोप लगाने की आदत पड़ गई है।

दरअसल, ब्रैम्पटन में 3 नवंबर को हिंदू सभा मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया था। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए थे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा की थी।

उन्होंने कहा कि हमें कनाडा सरकार से कार्रवाई की उम्मीद है। ऐसी घटनाएं हमें कमजोर नहीं कर सकतीं। वहीं विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा की सरकार से पूजास्थलों की रक्षा की अपील की थी। इससे पहले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है।

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में उच्चायोग ने हिंदू सभा मंदिर के बाहर कॉन्सुलर कैंप लगाया था। यह कैंप भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगा था। इसमें जीवन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के 40 साल पूरे होने को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे खालिस्तानी वहां पहुंचे और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया।

कांग्रेस का भाजपा पर वार

कहा– यह चुनाव जनता की सरकार और पीएम को खुश करने वालों के बीच

रांची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इस बीच राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की साथी कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहाने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा सरकार ने 2015 में पावर प्लांट लगाने में अदाणी समूह को फायदा पहुंचाया। कांग्रेस ने कहा कि झारखंड में यह मुकाबला लोगों के लिए काम करने वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुश करने वालों के बीच है। एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, वर्ष 2015 के जून महीने में मोदानी ग्रुप ने झारखंड में गोड्डा जिले के दस गांवों में कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। झारखंड में तत्कालीन भाजपा राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से, स्थानीय किसानों से 1,255 एकड़ तक भूमि का अधिग्रहण किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान बल प्रयोग और डराने-धमकाने की कई रिपोर्ट्स आईं।

मालदीव ने पाक से अपने हाई कमिश्नर को वापस बुलाया

बिना इजाजत तालिबानी डिप्लोमैट से मुलाकात की थी, विदेश मंत्रालय बोला– उन पर कार्रवाई होगी

माले, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मालदीव ने पाकिस्तान में मौजूद अपने हाई कमिश्नर मोहम्मद तोहा को वापस बुलाने बुलाने का फैसला किया है। दरअसल, तोहा ने 1 नवंबर को इस्लामाबाद में तालिबान के डिप्लोमैट सरदार अहमद शाकीब से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच अफगानिस्तान-मालदीव के रिश्तों पर चर्चा हुई।

मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अपने हाई कमिश्नर को इस बैठक की इजाजत नहीं दी थी। इसी वजह से सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक इस्लामाबाद में मौजूद मालदीव मिशन की वेबसाइट से भी तोहा का नाम हटा दिया गया है। मालदीव की लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तोहा को इस साल जुलाई में पाकिस्तान में बतौर हाई कमिश्नर भेजा गया था। मालदीव की सरकार ने तोहा के खिलाफ

कार्रवाई करने की बात कही है।

2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से अब तक किसी भी देश ने उसकी सरकार को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, 3 साल से अफगानी सत्ता पर काबिज तालिबान कई देशों से कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान जैसे कई सेंट्रल एशियाई देशों ने अफगानिस्तान के डिप्लोमैटिक रिश्तों की शुरुआत की है। हालांकि, काबुल में अब भी सभी पश्चिमी देशों के दूतावासों पर ताला जड़ा हुआ। साउथ एशिया के सबसे छोटे इस्लामिक देश मालदीव ने भी अब तक तालिबान की सत्ता को मान्यता नहीं दी है।

मार्च में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने भारत के एक डेलिगेशन से मुलाकात की थी। तब मुत्ताकी ने कहा था कि हम भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर रिश्तों को मजबूत करना चाहते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों, छात्रों और मरीजों के लिए वीजा लेने की प्रक्रिया आसान करने की अपील की थी।

चीन ने दुनिया के सामने पेश किया नया 'अदृश्य' फाइटर जेट जे-35ए

पाकिस्तान भी खरीद रहा, तेजस के इंतजार में भारत

बीजिंग, 5 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के साथ चल रहे तनाव के बीच चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स ने देश के झुहाई एयरशो में अपने पांचवीं पीढ़ी के नए फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया है। इसे अमेरिका के एफ-35 का जवाब कहा जा रहा है। चीन की सेना का दावा है कि यह फाइटर जेट स्टील्थ तकनीक से लैस है और रेडॉर की पकड़ में नहीं आता है। इस तरह से चीनी विमान एक तरह से अदृश्य होगा और दुश्मन के इलाके में आसानी से हमला कर पाएगा। चीनी वायुसेना के कर्नल नियू वेंयु ने बताया कि जे-35ए एक मध्यम आकार का स्टील्थ लड़ाकू विमान है जो एक साथ कई तरह की भूमिका निभा सकता है। चीन के इस फाइटर जेट को पाकिस्तान की सेना भी खरीद चुकी है और जल्द ही उसकी आपूर्ति शुरू होने वाली है। पाकिस्तानी पायलट इसको उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं। एक तरफ चीन और पाकिस्तान की वायुसेना में स्टील्थ फाइटर जेट शामिल हो रहे हैं, वहीं भारतीय वायुसेना अब भी अपने स्वदेशी चौथी पीढ़ी के फाइटर जेट तेजस के नए संस्करण के इंतजार में हैं। अमेरिका की कंपनी जीई तेजस फाइटर जेट के नए संस्करण के लिए इंजन नहीं दे रही है। उसने कहा है कि अब वह साल 2025 में इसकी सप्लाई कर पाएगी। एक तरफ जहां भारतीय वायुसेना तेजस के इंतजार में है, वहीं सबसे बड़ा दुश्मन चीन एक के बाद एक नए फाइटर जेट शामिल कर रहा है। यही नहीं चीन इसे पाकिस्तान को भी दे रहा है जिससे खतरा काफी बढ़ता जा रहा है। यही नहीं तेजस स्टील्थ तकनीक से लैस नहीं है।

चीन में 12 से 17 नवंबर तक झुहाई एयर शो आयोजित होने जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए रूस का सुखोई- 57 फाइटर जेट भी पहुंचा है। चीनी सेना के अधिकारी ने इस फाइटर जेट की एक तस्वीर जारी की और ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इसे वायुसेना में शामिल कर लिया गया है या नहीं। अमेरिका के बाद अब चीन दूसरा ऐसा देश बन गया है जिसकी वायुसेना में दो तरह के स्टील्थ फाइटर जेट शामिल हैं। चीन के पास पहले से ही जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट है। इस नए फाइटर जेट की चीन के सोशल मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का नया फाइटर जेट शेनयांग जे-35ए विमानवाहक पोत आधारित विमान एफसी-31 का ही एक वेरिएंट है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही

पेन्नी वोंग से मुलाकात कर बोले जयशंकर

कैनबेरा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेन्नी वोंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। दोनों नेताओं ने अपने-अपने पड़ोस, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा की।

जयशंकर 15वें ऑस्ट्रेलिया-भारत विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए कैनबरा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज कैनबेरा में 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेन्नी वोंग से मुलाकात की। इस दौरान हमने इस पर चर्चा की। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। यह मजबूत राजनीतिक संबंधों, मजबूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विस्तारित व्यापार,

अधिक गतिशीलता और गहरे शैक्षिक संबंधों में परिलक्षित होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने अपने-अपने पड़ोस, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की।' वहीं, वोंग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'ऑस्ट्रेलिया और भारत की साझेदारी हमारे साझा क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। आज, मैंने अपने अच्छे दोस्त का स्वागत किया।'

उन्होंने यह भी एलान किया कि ऑस्ट्रेलिया अगले साल पहली बार भारत में 'प्रथम राष्ट्र व्यापार मिशन' भेजेगा। यह मिशन भारत के साथ जुड़ने के इच्छुक प्रथम राष्ट्र व्यवसायों के लिए नई वाणिज्यिक साझेदारी का समर्थन करेगा और प्रथम राष्ट्र व्यवसायों को विदेशों में नए बाजारों में बढ़ावा देगा। उन्होंने आगे कहा, 'हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, कृषि, शिक्षा और कौशल, और पर्यटन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। आज, मैंने घोषणा की कि अल्बानियाई सरकार ऑस्ट्रेलिया-भारत साइबर और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी भागीदारी के तहत छह प्रभावशाली परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही है।'

दोनों नेता भारत के रायसीना डायलॉग के ऑस्ट्रेलियाई संस्करण 'रायसीना डाउन अंडर' में भी भाग लेंगे। बता दें, रायसीना डायलॉग भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख सम्मेलन है, जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुरक्षाकर्मी ने दो चीनी नागरिकों को मारी गोली

मामूली झगड़े के बाद की फायरिंग

कराची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। कराची में एक निजी सुरक्षाकर्मी ने मामूली झगड़े के बाद दो चीनी नागरिकों को गोली मार दी। इससे दोनों विदेशी नागरिक घायल हो गए। दोनों नागरिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें एक चीनी नागरिक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सिंध प्रांत के औद्योगिक व्यापारिक पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पाकिस्तान पुलिस और उच्चाधिकारियों में हड़कंप मच गया। पाकिस्तान ने पुलिस उपमहानिरीक्षक अजहर महेसर ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मी ने चीनी नागरिकों पर गोली क्यों चलाई? सुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद सिंध प्रांत के गृह मंत्रालय ने सतर्कता दिखाई। गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर ने तत्काल सुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

सीएम सोरेन की उड़ान में देरी से नाराज झामुमो

रांची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में होने वाले चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में घमासान जारी है। वहीं सत्तारूढ़ झामुमो ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की।

बता दें कि पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे तक उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के उड़ान में देरी को लेकर झामुमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा। पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गढ़वा और चाईबासा दौरे के कारण नो-फ्लाई जोन लगाया गया है। हमारे स्टार प्रचारक हेमंत सोरेन दोपहर 1.45 बजे पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी में बैठक करने के बाद दोपहर 2.25 बजे सिमडेगा के बाजार टांड में चुनावी सभा को संबोधित करने वाले थे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए दोपहर 2.40 बजे चाईबासा पहुंचना था। झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने राष्ट्रपति मुर्मु को पत्र लिखकर कहा कि गुदड़ी और चाईबासा के बीच की दूरी 80 किमी है जबकि सिमडेगा की दूरी 90 किमी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सोरेन के दौरे को मंजूरी दे दी थी। लेकिन प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए सीएम के हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे तक रोके रखा गया।

भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा था कि सुरक्षा कारणों से 50 किलोमीटर के दायरे में 15 मिनट के लिए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा।

पाकिस्तान आर्मी चीफ का कार्यकाल बढ़ा

3 नहीं, 5 साल का होगा, दावा– फौज को लुभाने के लिए शहबाज सरकार का फैसला

इस्लामाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आर्मी चीफ के कार्यकाल को अब 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दिया गया है। पाकिस्तान की सरकार ने सोमवार को कानून में यह संशोधन किया। इसी के साथ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर भी अब 2027 तक पद पर कायम रहेंगे। पहले उनका कार्यकाल 2025 में खत्म होने वाला था।

आर्मी चीफ के अलावा पाकिस्तानी सेना के दूसरे सीनियर कमांडरों का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने पाकिस्तान आर्मी एक्ट 1952 में संशोधन का प्रस्ताव रखा था। इसे सदन के अध्यक्ष अयाज सादिक ने पारित कर दिया है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, शहबाज सरकार का यह कदम सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा

है। जियो न्यूज के मुताबिक, सीनेट में इस संशोधन को पास करने में करीब 16 मिनट का समय लगा।

इस अमेंडमेंट को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल, इमरान सत्ता से बेदखली के लिए फौज को जिम्मेदार ठहराते हैं। वे उनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग कर चुके हैं। नेशनल असेंबली में सेशन के दौरान इमरान की पार्टी पीटीआई के सांसद उमर अयूब ने कहा कि बिना डिबेट के संसद में इस तरह कानून पारित करना असल में उसे कुचलने जैसा है। यह देश और हमारी सेना, दोनों के लिए अच्छा नहीं है। खान की पार्टी के सांसदों ने संसद सत्र के दौरान बिल की आलोचना की। दरअसल इमरान की पार्टी के लोग सत्ता से बेदखली के लिए सेना को जिम्मेदार ठहराते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो अगस्त के महीने से जेल में हैं, कई बार सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ विवाद में रहे हैं। उन्होंने साल 2022 में आर्मी के बड़े अधिकारियों पर अपनी सत्ता से बेदखली का आरोप लगाया था। खान की पार्टी ने फरवरी के चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं, लेकिन फिर भी बहुमत हासिल नहीं कर पाई थी। इमरान की ही पार्टी के नेता फवाद चौधरी ने कुछ महीने पहले कहा था कि अगर खान फौज से डील कर लें तो वे प्रधानमंत्री बन सकते हैं। ऐसे में पीएम शहबाज को उन लोगों से खतरा है, जो उन्हें सत्ता में वापस लाए हैं। इससे पहले इमरान ने कहा था कि पाकिस्तान में जंगल राज चल रहा है। इस जंगल के राजा आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर हैं। यहां जो भी होता है उनके हिसाब से होता है।

आदिवासियों की घटती आबादी चिंता का विषय

जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखने के भाजपा के वादे पर बोले मरांडी

रांची, 5 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि वह पार्टी के राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के वादे का समर्थन करते हैं। उन्होंने आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से बाहर रखने के फैसले पर भी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि आदिवासी समुदाय की घटती जनसंख्या चिंता का विषय है।

मरांडी ने एएनआई के साथ बातचीत में कहा, आदिवासी समुदाय को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा, क्योंकि झारखंड में उनकी जनसंख्या लगातार घट रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आजादी के बाद से झारखंड में आदिवासी जनसंख्या में दस फीसदी की कमी आई है।

उन्होंने कहा, अगर हम विशेष रूप से संथाल परगना की बात करें, तो कमी 16 फीसदी तक पहुंच जाती है, जो चिंता का विषय है। जबकि बाकी जनसंख्या बढ़ रही है। आदिवासियों की संख्या घट रही है। जिससे सभी के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। आदिवासियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा गया है, ताकि उनके समुदाय को संरक्षित किया जा सके। मरांडी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गढ़वा में एक रैली में भाग लिया। मरांडी ने कहा, प्रधानमंत्री ने झारखंड में चुनाव अभियान की शुरुआत गढ़वा से की। उन्होंने झारखंड के लिए भाजपा के घोषणापत्र के मुद्दों पर बात की और बताया कि राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार की योजनाओं को रोका है।

पाकिस्तान में कंगाली के हालात

अध्यापकों को आठ महीने से नहीं मिली सैलरी, मजदूरों से भी कम हैं वेतन

इस्लामाबाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब है और अब हालात ये हो गए हैं कि वह स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों को सैलरी भी नहीं दे पा रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में सरकारी अध्यापकों को बीते आठ महीने से सैलरी नहीं मिली है। इसके चलते स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिन अध्यापकों को सैलरी नहीं मिली है, वे 2200 गर्ल्स कम्युनिटी स्कूलों, 541 बेसिक शिक्षा स्कूलों और 275 नेशनल

कमीशन ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट स्कूलों के अध्यापक हैं। गौर करने वाली बात ये है कि पाकिस्तान में सरकार ने अकुशल कामगारों का न्यूनतम वेतन भी 36 हजार पाकिस्तानी रुपये तय किया हुआ है, लेकिन अध्यापकों को मजदूरों से भी कम यानी कि 21 हजार रुपये ही वेतन मिलता है। अध्यापकों की सैलरी देने के लिए दो अरब रुपये की जरूरत है, लेकिन सरकार की तरफ से फंड जारी नहीं किया जा रहा है। फाउंडेशन ने बताया कि पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर जरीफुल मानी के स्थानांतरण के बाद अध्यापकों की सैलरी अटक गई है। अध्यापकों का कहना है कि अब उनके पास घर चलाने के लिए पैसे भी नहीं है और उन्हें भारी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूल किराए की इमारतों में चल रहे हैं और फंड जारी न होने की वजह से इन इमारतों को खाली करने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि कई स्कूल बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं।

एसबीआई कियोस्क संचालक पर फायरिंग

जशपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जशपुर में बदमाशों ने कियोस्क सेंटर के संचालक पर फायरिंग कर दी। बीच-बचाव करने आई दादी की गोली लगने से मौत हो गई। इस दौरान बदमाश अपनी बाइक मौके पर छोड़कर भाग गए। पुलिस ने पास के जंगल में आरोपियों की घेराबंदी कर ली है। मामला कांसाबेल थाना क्षेत्र के बटईकेला गांव का है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दो नकाबपोश आरोपी बाइक पर सवार होकर बटईकेला एसबीआई कियोस्क सेंटर पहुंचे थे। उन्होंने संचालक संजू गुप्ता से लूटपाट की कोशिश की। उसने विरोध किया, तो बाइक सवारों ने संजू गुप्ता से मारपीट की।

सऊदी अरब के इतिहास में पहली बार जोरदार बर्फबारी

हजारों साल से तपती रेत पर बिछी सफेद चादर

रियाद, 5 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी देखी गई है। देश के अल-जौफ के रेगिस्तान में भारी बर्फबारी देखने को मिली है, जो इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे एक शीतकालीन वंडरलैंड भी बना है, जो आमतौर पर अपनी शुष्क जलवायु के लिए जाना जाता है। यह बर्फबारी क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि के बाद हुई है। इसे इस पूरे क्षेत्र के मौसम के लिहाज से एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। सऊदी अरब के अल जौफ का रेगिस्तान आश्चर्यजनक सर्दियों के वंडरलैंड में बदल गया है। सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार, अल-जौफ में बर्फबारी की एक ठंडी लहर ने

शुष्क परिदृश्य में पहले कभी ना देखी गई झलक दिखाई है। सऊदी की ये घटना मौसम के विशेषज्ञों को हैरान कर रही है।

सऊदी अरब पिछले हफ्ते से मौसम के असामान्य दौर का सामना कर रहा है। अल-जौफ के कुछ हिस्सों में बीते बुधवार को भारी बारिश के साथ ओले गिरे थे। इसके बाद उत्तरी सीमा, रियाद और मक्का क्षेत्र में भी बारिश हुई। तबुक और अल बहाह क्षेत्रों को भी मौसम के इस बदलाव ने प्रभावित किया। इसके बाद सोमवार को अल-जौफ के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई। यहां गिरे बर्फ की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है। यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) का कहना है कि असामान्य ओलावृष्टि की वजह से अरब सागर से ओमान तक फैला एक निम्न दबाव प्रणाली है। इस,से नमी से भरी हवा इस क्षेत्र में आई, जो आमतौर पर शुष्क रहता है। इससे सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गरज, ओले और बारिश हो रही है। ये आने वाले दिनों में भी जारी रह सकती है।

सऊदी अरब में बर्फबारी दुर्लभ है लेकिन देश के मौसम में बदलाव कई वर्षों से बदल रहा है। कुछ साल पहले सहारा के तपते रेगिस्तान में तापमान में नाटकीय गिरावट हुई थी और ये -2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

'मेरा परिवार चुनाव नहीं लड़ना चाहता'
बृजेंद्र ओला ने फिर चला पुराना दांव; क्या फिर होंगे कामयाब?

झुंझुनू, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उपचुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां सातों विधानसभा सीटों पर रणनीति के तहत चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में दावेदार भी अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव जीतने के लिए नीति अपना रहे है। झुंझुनूं विधानसभा सीट से कांग्रेस ने सांसद बृजेंद्र ओला के बेटे अमित ओला को प्रत्याशी बनाया है। बृजेंद्र ओला ने लोकसभा चुनाव की तरह ही इस बार भी चुनावी रणनीति के तहत बयान दिया है।

सांसद बृजेंद्र ओला ने चुनाव प्रचार के दौरान नुक्कड़ सभा में कहा कि 'मेरा परिवार चुनाव नहीं लड़ना चाहता था, लेकिन पार्टी ने उनकी बात नहीं मानी और टिकट दे दी।' वहीं, उन्होंने लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान भी यही कहा था कि 'मैं लोकसभा के टिकट के लिए मना करके आया था लेकिन पार्टी ने आदेश दिया और कहा कि पार्टी संकट में है, तो मैंने कहा जरूर लड़ेंगे।' जिसके बाद बृजेंद्र ओला झुंझुनूं से सांसद बनकर लोकसभा पहुंचे।

झुंझुनूं में फंसी बाजी या फिर रणनीति?

बृजेंद्र ओला की ओर से दिए गए इस बयान को रणनीति के तहत माना जा रहा है। क्योंकि लोकसभा चुनाव के समय भी उन्होंने इसी तरह का बयान दिया था। सियासी जानकारों का मानना है कि ओला कि यह नीति इस बार काम आती नहीं दिख रही है। दरअसल, इस बार बृजेंद्र ओला का बयान झुंझुनूं में फंसी हुई बाजी की ओर इशारा कर रहा है।

देखने मिलेगा रोचक मुकाबला!

कांग्रेस प्रत्याशी अमित ओला और भाजपा के राजेन्द्र भाबूं के बीच के मुकाबले को पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरकर रोचक और त्रिकोणीय बना दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि गुढ़ा भाजपा की बी टीम हैं।

'कबाड़े खुलेंगे तो साढूपणा भूल जाएंगे'
साढू वाले बयान पर किरोड़ी मीना का डोटासरा पर तीखा पलटवार

दौसा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के नजदीक आते ही भाजपा-कांग्रेस में बयानबाजी तेज हो गई है। मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने दौसा में प्रचार के दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता पर सियासी तीर चलाए। मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के साढू वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कबाड़े खुलेंगे तो साढूपणा भूल जाएंगे।

दौसा में नुक्कड़ सभा के दौरान मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत नॉन इश्यू की बात करते हैं, लेकिन युवाओं के भविष्य की आवाज उठाना गलत बात नहीं है। इस मौके पर किरोड़ी मीना ने डोटासरा पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि जिस दिन पीसीसी चीफ के कबाड़े खुल जाएंगे तो वो सारा साढूपणा भूल जाएंगे।

डोटासरा ने दिया था ये बयान

दरअसल, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ में 15 सितंबर को आयोजित किसान महासम्मेलन में बीजेपी के दिग्गज नेता किरोड़ी लाल मीना को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना ढाई महीने से जेब में इस्तीफा लेकर घूम रहे हैं।

मुख्यमंत्री जापान-कोरिया जा रहे हैं। उनसे एक किरोड़ी मीना नहीं संभल रहे, जापान-कोरिया क्या संभालेंगे? किरोड़ी और वे दोनों साढू बन गए हैं। क्योंकि दोनों ही राजस्थान की पर्ची सरकार को बदलना चाहते हैं। इसके बाद डोटासरा ने दौसा में कांग्रेस की नामांकन सभा में डोटासरा ने किरोड़ी को साढू बताया था।

दौसा में अलग अंदाज में दिखे सचिन पायलट
डीसी के बने सारथी तो समर्थकों संग खूब थिरके भी

दौसा, 5 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान को राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गति दी। पायलट ने लगातार दस घंटे कुण्डल व सैंथल क्षेत्र के दो दर्जन गांवों में जाकर जनसम्पर्क किया। इस दौरान सचिन पायलट अलग ही अंदाज में दिखे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ नृत्य व भोजन किया तथा ट्रैक्टर भी चलाया। नुक्कड़ सभाओं पर फोकस किया। देर शाम दौसा शहर की नागौरी पुलिया व प्रधान कार्यालय भी पहुंचे।

चुनाव प्रचार के दौरान सचिन पायलट ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा तथा दौसा से उनके परिवार के संबंधों की भी बार-बार चर्चा की। साथ ही उन्होंने डीसी का मतलब भी बताया। पायलट ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल है, जबकि वह डीसी लिखते हैं। डीसी का मतलब डायरेक्ट करंट होता है। कांग्रेस का विधायक बनने से किसी का पद आने-जाने वाला नहीं है, बल्कि परमानेंट होने का चांस भी होता है।

डांस पॉलिटिक्स' में शामिल हुए सचिन पायलट

दौसा उपचुनाव डांस पॉलिटिक्स में सचिन पायलट का नाम भी जुड़ गया है। दौसा के बड़ोली व तीतरवाड़ा मेहरों की ढाणी में सचिन पायलट गीतों पर थिरके। बता दें कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और मंत्री किरोड़ीलाल मीना के बाद अब पायलट का डांस सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

सचिन बने डीसी बैरवा के सारथी

चुनाव प्रचार के दौरान सचिन पायलट कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल के सारथी बने नजर आए। पायलट ने सैंथल के गांधी सर्किल से लेकर करीब एक किलोमीटर सभा स्थल तक ट्रैक्टर पर बैठकर खुद ड्राइविंग की। इस दौरान दौसा सांसद किरोड़ी मीना और कांग्रेस प्रत्याशी भी पायलट के साथ रहे। पायलट ने प्रत्याशी को बैठाकर कार भी चलाई। बड़ोली में ग्रामीणों ने 61 मीटर का साफा भी बांधा। जगह-जगह जेसीबी से पुष्पवर्षा की गई।

फंस गए पूर्व मंत्री महेश जोशी, बढ़ी मुश्किलें
जल जीवन मिशन में कथित घोटाले को लेकर एसीबी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की मुश्किलें बढ़ गई है। जल जीवन मिशन में कथित घोटाले को लेकर एसीबी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में 22 अन्य आरोपियों के खिलाफ भी नामजद एफआईआर दर्ज की गई है।

घोटाले के तहत जलदाय विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका की जांच की जाएगी। एसीबी ने यह भी स्पष्ट किया है कि महेश जोशी को जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। इस मामले में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों से भी सख्ती से पूछताछ की जाएगी। यह मामला सरकार के लिए एक चुनौती बन गया है और अब देखने वाली बात यह होगी कि एसीबी की जांच में और क्या खुलासे होते हैं।

बता दें कि जल जीवन मिशन में घोटाले का मामला गहलोत सरकार के समय किरोड़ी लाल मीणा ने उठाया था। मीणा अशोक नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गए थे। जहां पर मुकदमा दर्ज नहीं होने पर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए थे। दो दिन बाद 22 जून 2023 को उन्हें पुलिस ने हिरासत में लिया था। लेकिन इसके बाद भी किरोड़ीलाल इस घोटाले के मामले में विरोध जाहिर करते रहे।

भाजपा प्रत्याशी के संबोधन पर भड़क उठे लोग
समर्थकों से भिड़े, ऐसा क्या बोल गए रेवंतराम डांगा

नागौर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। खींवसर उपचुनाव से पहले ही भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा की जनसभा में विकास के कार्यों को लेकर शुरू हुआ विरोध तू-तड़ाक पर पहुंच गया। खींवसर उपचुनाव में जनसभा के लिए पहुंचे रेवंतराम डांगा अपना उद्बोधन शुरू ही किया तभी सामने बैठे लोगों ने कहा कि खींवसर में आपने क्या विकास कार्य करवाए। खींवसर में जितना विकास कार्य हुआ है वह बेनीवाल ने करवाया है। इसी को लेकर कार्यक्रम में तू ताड़क हो गई।

बता दें कि खींवसर उपचुनाव के दौरान देर रात्रि में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा करने रोल ग्राम पंचायत के चोपड़ों गुजरों की ढाणी में अपनी चुनावी सभा करने पहुंचे। जैसे ही वो सभा को संबोधित करने पहुंचे उसी दौरान वहां पर कुछ लोग जमकर बेनीवाल के जयकारे लगाने लगे। इसके बाद बीजेपी की ओर से भी रेवत राम डांगा के जयकारे लगाए जाने लगे। उसके बाद रेवंतराम डांगा के और बेनीवाल के समर्थक दोनों ही आमने-सामने हो गए। रेवत राम डांगा अपने चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करने लग गए। विकास कार्यों को लेकर बात शुरू की। तभी स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के बीच जंग छिड़ गई।

स्थानीय लोगों ने कहा कि आपने क्या खींवसर के लिए विकास का कार्य करवाया। विकास का कार्य तो सारा ही हनुमान बेनीवाल ने ही करवाया है।

इस पर रेवंतराम डांगा ने बोला कि हनुमान बेनीवाल ने क्या करवाया है यह सब विकास कार्य मैंने करवाया है। इस बात पर माहौल बिगड़ता चला गया।

तेजी से लुढ़का पारा, न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे

अजमेर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम करवट ले रह है। कई इलाकों में पारा 15 डिग्री के नीचे आ चुका है। सीकर, फतेहपुर, सिरोही में न्यूनतम पारा तेजी से लुढ़का है। सीकर सबसे ठंडा इलाका रहा। सीकर जिलें में पारा 13.3 और सीकर के फतेहपुर में 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के सिरोही में भी न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री रहा। माउंट आबू की बात करें तो यहां भी न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है, लेकिन अभी भी यह सामान्य से 5.5 प्रतिशत अधिक है। अजमेर में अधिकतम तापमान 34.6 और न्यूनतम 17.3 डिग्री सेल्सियस रहा। भीलवाड़ा में अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 16.9 डिग्री रहा। अलवर में अधिकतम तामपान 33 और न्यूनतम 15.8 डिग्री रहा। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 36.9 और न्यूतनम 21.8 डिग्री रहा।

इस बार पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार सर्दियां भी कड़ाके की पड़ सकती हैं। राजस्थान का मौसम चक्र बीते एक साल में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और बारिश वाला रहा है। इसलिए अनुमान है कि इस बार सर्दी भी बहुत ज्यादा रहने वाली है। सर्दी कई सालों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है। इसका असर अभी से दिखाना शुरू हो चुका है। नवंबर के पहले सप्ताह में ही प्रदेश के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के नीचे जा चुका है।

झुंझुनू में अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री रहा वहीं न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री दर्ज किया गया। दौसा में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री व न्यूनतम 15.1 डिग्री दर्ज किया गया। नागौर(खींवसर) में अधिकतम तापमान 36 डिग्री व न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। डूंगरपुर(चौरासी)- अधिकतम तापमान 34.9 व न्यूनतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस। उदयपुर(सलूंबर)- अधिकतम तापमान 32.4 व न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस। टोंक(देवली-उनियारा)- अधिकतम 34.8 व न्यूनतम 19.5 डिग्री सेल्सियस। अलवर (रामगढ़)- अधिकतम तापमान 32.9 व न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वासुदेव देवनानी ऑस्ट्रेलिया रवाना
राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में भाग लेंगे

अजमेर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा पर दिल्ली से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए। देवनानी ऑस्ट्रेलिया में आयोजित राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की बैठक 5 से 8 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होगी।

विधानसभा की कार्यप्रणाली को मिलेगी नई दिशा

देवनानी ऑस्ट्रेलिया में सम्मेलन में भाग लेने के बाद राष्ट्र मंडल संसदीय संघ के पोस्ट कॉन्फ्रेंस स्टडी ट्यूर के तहत इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान भी जाएंगे। इस अध्ययन यात्रा के दौरान देवनानी इन देशों में भारत के राजदूतों से मुलाकात करेंगे। देवनानी इन देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करेंगे और संसदीय प्रतिनिधियों से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस अध्ययन यात्रा से राजस्थान विधानसभा की कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलेगी। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का यह वार्षिक सम्मेलन है। यह सम्मेलन प्रतिवर्ष अलग- अलग देशों में आयोजित किया जाता है। देवनानी राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं।

चार देशों की यात्रा के दौरान देवनानी ऑस्ट्रेलिया में सम्मेलन को संबोधित करेंगे और संसदीय प्रक्रियाओं और परंपराओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, अवसर व चुनौतियां, संसदीय संस्थाओं की सुदृढ़ता के लिए सर्वोतम प्रक्रियाओं को अपनाने हेतु मानक व दिशा-निर्देश और लिंग आधारित हिंसा के मुकाबले के लिए कानून निर्माण विषयों पर प्रस्तुतीकरण देंगे। विभिन्न विधान मंडलों के विश्लेषण के साथ राजस्थान विधान मंडल के परिप्रेक्ष्य में यह प्रस्तुतीकरण होगा।

नवाचारों पर होगी चर्चा

सम्मेलन के दौरान देवनानी वहां की संसदीय संस्थाओं के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। देवनानी विभिन्न देशों के विधान मंडलों के प्रतिनिधि मंडलों को राजस्थान विधानसभा में किये गए नवाचारों की जानकारी देंगे। इस यात्रा के दौरान विधानसभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी विधानसभा अध्यक्ष के साथ रहेंगे।

इस विदेश यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान में रहने वाले प्रवासी राजस्थानियों, शिक्षाविदों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और सिंधी समाज के प्रबुद्धजन से भी मुलाकात करेंगे।

पोस्टमार्टम के बाद टाइगर की हत्या की पुष्टि
वन्य जीव एक्ट के तहत आरोपियों पर होगी कार्रवाई

सवाई माधोपुर5 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के उलियाणा गांव के खेत में मिले टाइगर के शव का आज मेडिकल बोर्ड की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान टाइगर की हत्या की पुष्टि हो गई है। रणथंभौर बाघ परियोजना के सीसीएफ अनूप के.आर. ने जानकारी देते हुए कहा कि टाइगर के शरीर पर पत्थरों तथा धारदार हथियार द्वारा गंभीर चोट पहुंचाए जाने के निशान मिले हैं, जिससे टाइगर की मौत हो गई।

रणथंभौर बाघ परियोजना के सीसीएफ ने जानकारी देते हुए बताया कि दो दिन पहले टाइगर टी 86 ने उलीयाणा के निवासी भरतलाल मीणा पर हमला करके उसे मौत के घाट उतार दिया था। बदले में ग्रामीणों ने टाइगर पर हमला कर दिया और पत्थरों तथा धारदार हथियारों से टाइगर की हत्या कर डाली। कल शाम को टाइगर का शव वन विभाग द्वारा कब्जे में लिया गया था। उसके बाद आज राजबाग नाका चौकी पर टाइगर के शव का मेडिकल बोर्ड की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया गया। जयपुर से भी डॉक्टरों की टीम मेडिकल बोर्ड में शामिल रही।

टाइगर के हाथ, पीठ और सिर पर गंभीर धारदार हथियार से चोट के गहरे निशान मिले हैं, जिससे टाइगर की मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार अब वन्य जीव अधिनियम के तहत टाइगर की हत्या में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी को लेकर हुई आपसी रंजिश में फायरिंग से युवक के मुंह में छर्रा लगा

भरतपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। साइबर ठगी के मामले में पुलिस से पकड़वाने के बाद शुरू हुई आपसी रंजिश ने आज एक हिंसक झड़प का रूप ले लिया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बहरहाल गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। भरतपुर के कामा थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के विवाद के कारण दो पक्षों में तीव्र टकराव का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दोनों पक्षों को आमने-सामने देखा जा सकता है, जहां वे एक-दूसरे पर पथराव और फायरिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना में एक महिला सहित तीन लोग घायल हुए हैं और गांव में तनाव की स्थिति है, जिसके मद्देनजर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना की जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत कुछ महीने पहले हुई थी जब जमशेद नामक व्यक्ति ने गांव के निवासी जबरू को साइबर ठगी के आरोप में पुलिस से पकड़वाया था। तभी से दोनों के बीच रंजिश जारी थी।

दुष्कर्म के बाद मासूम की हत्या के आरोपी को फांसी की सजा
मां-बाप को भी चार साल का कारावास

उदयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर जिले में दुष्कर्म और निर्मम हत्या के मामले में पॉक्सो कोर्ट 2 ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मासूम के साथ दुष्कर्म के आरोपी को फांसी की सजा सुनाई है। साथ ही हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने में सहयोग करने वाले आरोपी के मां-बाप को भी 4 साल कारावास की सजा सुनाई गई है।

पूरे प्रदेश को हिलाकर रख देने वाला यह मामला उदयपुर जिले के मावली क्षेत्र में हुआ था, जहां आरोपी कमलेश ने आठ साल की मासूम बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने बुलाकर पहले दुष्कर्म किया और उसके बाद गला घोंटकर बच्ची की हत्या करके शव के 10 टुकडे. कर दिए थे। हत्या और दुष्कर्म का यह मामला पिछले साल 29 मार्च 2023 को हुआ था। मामले में साक्ष्यों और पुलिस इन्वेस्टिगेशन की रिपोर्ट और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने कमलेश को दोषी माना है। कोर्ट ने 8 दिन पहले मुख्य आरोपी कमलेश सहित उसके माता-पिता को साक्ष्य मिटाने और सहयोग करने के आरोप में दोषी करार दिया था। मामले में आरोपी के वकील ने कोर्ट से समय मांगा था, जिस पर कोर्ट ने उन्हें 4 नवंबर तक का समय दिया था। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी कमलेश को फांसी की और उसके माता-पिता को 4-4 साल कारावास की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार आरोपी के माता और पिता ने पहले से ही जमानत याचिका दायर कर रखी थी, ऐसे में उन्हें जमानत दे दी गई।

पहली कटाई के कारण पाम ऑयल की कीमतों में उछाल

प्रति टन पाम ऑयल की कीमत 19,000 रुपये

सिद्दीपेट, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों को पाम ऑयल की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार के दूरदर्शी निर्णय से सिद्दीपेट के किसानों को भरपूर लाभ मिल रहा है। सिद्दीपेट के किसानों ने जैसे ही अपनी पाम ऑयल की पहली फसल की कटाई शुरू की, प्रति टन पाम ऑयल की कीमत 13,000 रुपये से बढ़कर 19,000 रुपये हो गई।

व्यापारियों का अनुमान है कि कीमत 21,000 रुपये तक और बढ़ सकती है। जिले में पाम ऑयल की खेती का रकबा बढ़कर 12,000 एकड़ हो गया है, जो खम्मम जिले के बाद दूसरे नंबर पर है। 2021 में इस फसल की खेती करने वाले किसानों को इस साल अपनी पहली फसल मिलनी शुरू हो गई है। कई किसानों को दिसंबर में अपनी पहली फसल मिल जाएगी। जिले के किसानों ने अब तक करीब 80 टन फसल काट ली है, जिसे उन्होंने खम्मम में एक ऑयल पाम फैक्ट्री में भेज दिया है। हालांकि, सिद्दीपेट के किसान अगले जून तक जिले में अपनी उपज बेच सकते हैं। चूंकि नांगनूर मंडल के नरम्मेट्ला में एक ऑयल पाम फैक्ट्री बना रही है, इसलिए उनकी उपज का विपणन बहुत आसान हो जाएगा। अधिकारियों ने पहले ही घोषणा कर दी है कि अगले जून तक फैक्ट्री खोल दी जाएगी, जब सिद्दीपेट के कई किसान अपनी फसल ले लेंगे। इस बीच, सिद्दीपेट बागवानी अधिकारी सुवर्णा ने कहा कि उन्होंने इस साल 4,000 एकड़ और जोड़ने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से अब तक 800 एकड़ हासिल कर लिया गया है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए, उन्होंने कहा कि वे ड्रिप और अन्य कृषि उपकरणों पर 80 से 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रहे हैं, इसके अलावा बागवानी विभाग के माध्यम से 57,000 रुपये और मनरेगा के माध्यम से चार साल के लिए चरणबद्ध तरीके से 47,000 रुपये की सहायता दे रहे हैं।

किसान समाला संजीव रेड्डी, जिन्होंने अपनी पहली फसल प्राप्त की, ने कहा कि वे मूल्य वृद्धि से बहुत खुश हैं। उन्होंने मरकुक मंडल के इप्पलगुडेम में चरणबद्ध तरीके से 33 एकड़ में पाम ऑयल की खेती की थी। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और मंत्री टी हरीश राव ने किसानों को पाम ऑयल की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसका उद्देश्य खेती को 50,000 एकड़ तक बढ़ाना था।

आदिवासी छात्र को मेडिकल की पढ़ाई के लिए मिली वित्तीय सहायता

कुमराम भीम आसिफाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रेब्बाना मंडल के आदिवासी छात्र मानेपल्ली शिरिशा को 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी, जो चिकित्सा की पढ़ाई में समस्याओं का सामना कर रहा था। पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव ने मंगलवार को छात्र को सहायता राशि सौंपी। राव ने शिरिशा को नीट-2024 में रैंक हासिल करने और मेडिसिन सीट पाने का अवसर मिलने पर बधाई दी।

उन्होंने उसे शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने और अपने माता-पिता और समुदाय का नाम रोशन करने की सलाह दी। उन्होंने छात्र की मदद के लिए धन जुटाने वाले उपनिरीक्षक पी रामा राव, उनके एनआरआई मित्र दुर्गम राज कुमार, लोकेश और थुदुम देब्बा के प्रदेश अध्यक्ष बी पोचैया की सराहना की। रामा राव, पोचैय्या और कोलावर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनके कृष्णय्या उपस्थित थे।

कपास की खरीद में देरी से किसान चिंतित

आदिलाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में अपर्याप्त खरीद केन्द्रों के कारण किसानों को अपनी कपास उपज बेचने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले को एशिया में कपास के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक माना जाता है। वनकालम सीजन में आदिलाबाद, मंचेरियल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में 10.15 लाख एकड़ में कपास की फसल उगाई गई थी। अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में इस साल 71.05 लाख क्विंटल की उपज दर्ज की जाएगी।

भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने घोषणा की थी कि वह 4 जिलों में कपास की उपज की खरीद के लिए 18 कृषि बाजार यार्डों के अधिकार क्षेत्र में 24 केंद्र बनाएगा। दो खरीद केंद्र आदिलाबाद शहर में थे, जबकि बोथ, सोनाला, पोचेरा, नेराडिगोंडा, इंद्रवेली, नारनूर,

इचोडा, गुडीहटनूर, बेला, सिरिकोंडा और जैनथ मंडल केंद्र में एक-एक खरीद केंद्र खोले गए थे। सोमवार को निर्मल जिले के भैंसा कस्बे में खरीद की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हुई, जो स्थिति को दर्शाता है। किसानों ने कहा कि आसिफाबाद और मंचेरियल जिलों के कई हिस्सों में कुछ प्रमुख केंद्रों को छोड़कर खरीद केंद्रों की पहचान नहीं की गई थी। नतीजतन, किसानों को कपास की उपज निजी व्यापारियों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि, सीसीआई से संबंधित खरीद केंद्र न होने के कारण किसानों को व्यापारियों द्वारा ठगा जा रहा है। उदाहरण के लिए, उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित 7,520 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय लगभग 7,000 रुपये प्रति क्विंटल की पेशकश की जा रही है। इसके अलावा, उन्हें उपज की लागत पर 2.5 प्रतिशत का कमीशन लगाया जाता है, इसके अलावा 25 रुपये प्रति क्विंटल हमाली शुल्क भी लगाया जाता है। उन्हें लगभग 700 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है।

शीघ्र मुआवजा देने पर वन अधिकारियों की सराहना

मंचेरियल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने मंगलवार को यहां लक्सेटीपेट वन रेंज के जंगलों में बाघ और तेंदुए द्वारा मार दी गई गायों के एक किसान को मुआवजा देने के लिए प्रशंसा प्राप्त की। मंचेरियल वन प्रभाग अधिकारी (एफडीओ) सर्वेश्वर और लक्सेटीपेट वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) सुभाष ने बताया कि हाल ही में बाघ और तेंदुए द्वारा मारे गए तीन गायों के लिए गोंडुगुडा गांव के किसान चतरू को 33,000 रुपये का मुआवजा दिया गया है। गायों पर उस समय हमला किया गया जब वे मेडारम वन खंड में चर रही थीं। किसान ने मुआवजा जल्दी जारी करने के लिए अधिकारियों को धन्यवाद दिया। वन अधिकारियों ने दावा किया कि पहली बार आवेदन को 12 घंटे के भीतर संसाधित किया गया और किसान को मुआवज़ा दिया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जंगली जानवरों द्वारा मवेशियों की हत्या के बारे में सूचित किए जाने पर तुरंत वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे जाल और बिजली की बाड़ लगाकर बाघ और तेंदुए को नुकसान न पहुंचाएं।

अधिकारियों ने जंगल के किनारे बसे गांवों के निवासियों से अनुरोध किया कि वे खेतों में पशुओं को चराने के लिए जंगल के अंदर न जाएं और बाघ से अचानक टकराव से बचें। उन्होंने चरवाहों को सलाह दी कि अगर बाघ और तेंदुआ दिखाई दें तो वे इसकी जानकारी साझा करें। उन्होंने लोगों से बाघ से सावधान रहने को कहा।

खम्मम बाजार में सीसीआई केंद्र की मांग की

कपास खरीद के लिए बीआरएस नेताओं ने की मांग

खम्मम, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में कपास किसानों की समस्याओं को लेकर बीआरएस कार्यकर्ताओं ने खम्मम कृषि बाजार में प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से किसानों की मदद के लिए आगे आने की मांग की। पार्टी के जिला अध्यक्ष, एमएलसी, ताथा मधुसूदन, पूर्व विधायक सैंड्रा वेंकट वीरय्या, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष लिंगला कमल राजू, पूर्व बाजार समिति अध्यक्ष गुंडाला कृष्णा और अन्य ने मंगलवार को बाजार का दौरा किया।

किसानों ने बीआरएस नेताओं को बताया कि व्यापारी और अधिकारी मंडी में लाए गए कपास की जांच किए बिना ही खरीद से इनकार कर देते हैं। मधुसूदन ने अधिकारियों से सवाल किया कि मंडी में कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) का खरीद केंद्र क्यों नहीं बनाया गया?

एमएलसी ने अधिकारियों से यह बताने की मांग की कि व्यापारियों ने अब तक कितनी मात्रा में कपास खरीदा है और सीसीआई ने कितना कपास खरीदा है। बाद में बीआरएस नेताओं ने जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान से मुलाकात की और उन्हें एक याचिका सौंपी जिसमें किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई। मीडिया से बात करते हुए मधुसूदन ने कहा कि मौजूदा सीजन में कपास किसानों की हालत बहुत दयनीय है। कपास किसान अपनी उपज सही कीमत पर नहीं बेच पा रहे हैं और बाजार में सीसीआई अधिकारियों के न होने के कारण उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार से किसानों के कल्याण के लिए खम्मम कृषि बाजार में तत्काल सीसीआई खरीद केंद्र स्थापित करने की मांग की । राज्य भर में बेमौसम बारिश और चक्रवात के कारण नुकसान झेलने वाले कपास किसानों की मदद की जानी चाहिए। पार्टी नेता एस हरिप्रसाद, बेल्लम वेणुगोपाल, उन्नम ब्रह्मैया, वीरू नाइक, बी वीरन्ना, स्थानीय पार्षद थोटा वीरभद्रम, मतेती नागेश्वर राव, पसुमर्थी राममोहन और अन्य उपस्थित थे।

आरटीए चेकपोस्ट बैरिकेड पर अवैध राज्य चिह्न को लेकर विवाद

जोगुलम्बा गदवाल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन विभाग ने मंगलवार को जोगुलम्बा गदवाल जिले में स्थापित बैरिकेड्स पर तेलंगाना राज्य का एक अनौपचारिक प्रतीक लगा दिया है। अंतर्राज्यीय सीमा पर आलमपुर-कुर्नूल रोड पर स्थापित आरटीए सीमा चौकी बैरिकेड ने फिर से विवाद खड़ा कर दिया है। जोगुलम्बा गदवाल आरटीए अधिकारियों द्वारा लगाए गए बैरिकेड की तस्वीरें विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई हैं। कई लोगों ने आरटीए अधिकारियों द्वारा बैरिकेड पर अनौपचारिक प्रतीक का उपयोग करने पर गंभीर आपत्ति जताई है।

एसआरजी ने एक्स पर कहा कि तेलंगाना के आधिकारिक लोगो का अनादर करना अधिकारियों के लिए फैशन बन गया है। मामले को बदतर बनाने के लिए, बैरिकेड को आंध्र प्रदेश के एक निजी अस्पताल द्वारा प्रायोजित किया गया है। यह पहली बार नहीं है कि अधिकारियों ने आधिकारिक कार्यक्रमों में तेलंगाना राज्य के अनौपचारिक लोगो का इस्तेमाल किया है। इस साल अगस्त में जीडब्ल्यूएमसी ने लेआउट रेगुलेशन स्कीम हेल्प डेस्क के साथ एक बैनर लगाया था जिस पर अनौपचारिक प्रतीक लगा हुआ था। इस पर विवाद खड़ा हो गया था और भारत राष्ट्र समिति ने इस कृत्य पर गंभीर आपत्ति जताई थी।

बीआरएसवी ने की छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति जारी करने की मांग

आदिलाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) विंग के तत्वावधान में लगभग 300 छात्रों ने मंगलवार को उटनूर मंडल केंद्र में छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति को तत्काल जारी करने की मांग को लेकर धरना दिया। इंटरमीडिएट, डिग्री और पोस्ट-ग्रेजुएशन कोर्स की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने एकीकृत आदिवासी विकास प्राधिकरण (आईटीडीए)-उटनूर के सामने धरना दिया। उन्होंने प्रतिपूर्ति योजना के तहत छात्रवृत्ति और फीस के भुगतान में देरी के लिए सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने छात्रवृत्ति और फीस को मंजूरी देने की मांग की।

बीआरएसवी के जिला अध्यक्ष धरणी राजेश ने आरोप लगाया कि सरकार छात्र विरोधी नीतियां अपना रही है। उन्होंने सरकार पर

छात्रवृत्ति और प्रतिपूर्ति योजना के तहत फीस जारी करने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि मेधावी छात्र पढ़ाई छोड़ रहे हैं क्योंकि वे फीस नहीं भर पा रहे हैं और अपने शिक्षण संस्थानों से प्रमाण पत्र नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि छात्र भूखे मर रहे हैं क्योंकि उन्हें सरकारी छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि छात्रवृत्ति और फीस देने में देरी के कारण निजी शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को कॉलेजों पर ताला लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने सरकार से छात्रों की समस्याओं पर ध्यान देने की मांग की। इस दौरान क्रांति भुमन्ना, साजिद, जैदी वेंकटेश, श्रीकांत, दिनेश और कई अन्य उपस्थित थे।

होटल में खाना खाने से महिला की मौत, 9 अन्य अस्पताल में भर्ती

निर्मल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल कस्बे में एक होटल में खाना खाने के बाद बीमार पड़े 10 लोगों में से एक की मंगलवार को बोथ में इलाज के दौरान मौत हो गयी। निर्मल पुलिस ने बताया कि मध्य प्रदेश की फूल कली बैगा (19) और बोथ मंडल के पोचेरा गांव के एक निजी स्कूल की रसोइया की सुबह सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह उन 10 लोगों में से एक थीं जिन्हें रविवार को शहर के ग्रिल नाइन होटल में खाना खाने के बाद दस्त और उल्टी की शिकायत हुई थी। पता चला है कि रसोइये ने स्कूल के कर्मचारियों के साथ निर्मल में कपड़ों की खरीदारी के बाद होटल में चिकन करी और चावल खाया था। उनमें से एक को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने बताया कि बीमारी का कारण फूड पॉइजनिंग है। बाकी लोगों को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। स्कूल की प्रिंसिपल स्मिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। होटल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू की गई।

पीडीएस चावल की तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

मंचेरियल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम कमिश्नरेट की टास्क फोर्स टीम ने मंगलवार को मंडमरी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए चावल की तस्करी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक ट्रॉली और 7 क्विंटल चावल जब्त किया गया। रामागुंडम टास्क फोर्स के इंस्पेक्टर राज कुमार ने एक बयान में कहा कि मंडमरी के विद्यानगर से मोतम राजू को उस समय पकड़ा गया जब वह ट्रॉली से अनाज को अवैध रूप से महाराष्ट्र ले जा रहा था।

वाहन जांच के दौरान उसे मंडमरी पुलिस को सौंप दिया गया, जबकि चावल को नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। वाहन जांच में उपनिरीक्षक लछन्ना और टीम के कर्मचारियों ने भाग लिया।

बेसबॉल खेलते समय बीमार पड़ा छात्र

निर्मल में इलाज के दौरान मौत

निर्मल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेसबॉल खेलते समय बीमार पड़े एक छात्र की मंगलवार को निर्मल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि निर्मल जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी आवासीय विद्यालय में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाला फैयाज हुसैन बेसबॉल खेलते समय बीमार पड़ गया था। उसे तुरंत कस्बे के एक अस्पताल में ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस बीच, अभिभावकों और परिवार के सदस्यों ने स्कूल के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए धरना दिया और छात्र की मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि हुसैन की मौत संस्थान के प्रिंसिपल और शिक्षकों की लापरवाही के कारण हुई। वे घटना की जांच चाहते हैं।

उटनूर में शुरू हुई पांचवीं राज्यस्तरीय गिरिजन खेल प्रतियोगिता

आदिलाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 3 दिवसीय पांचवीं राज्य स्तरीय गिरिजन खेल प्रतियोगिता मंगलवार को उटनूर मंडल केंद्र के कुमराम भीम परिसर में शुरू हुई। आदिलाबाद के सांसद जी नागेश इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जबकि खानपुर के विधायक वेदमा बोज्जू और बोथ के उनके समकक्ष अनिल जाधव और आईटीडीए-उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। पहले दिन की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गणमान्यों ने पदक प्रदान किए। उटनूर के परशुराम ने स्प्रिंटिंग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि महेश और सतीश दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। भद्राचलम की लिखिता ने स्प्रिंटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। चिन्नू बाई और प्रसन्ना ने रजत और कांस्य पदक जीते।

ताडबन्द हनुमान मंदिर के ग्यारहवें अन्नकूट प्रसाद में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताड़बन्द स्थित श्री हनुमान मंदिर में श्री बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स महाकाली मंदिर सिकंदराबाद बाकलिया राजपुरोहित परिवार द्वारा ग्यारहवां अन्नकूट महाप्रसादी कार्यक्रम सोमवार 4 नवंबर शाम 6:15 बजे पुजा-अर्चना, दीप प्रज्वलितकर बालाजी महाराज को भोग लगाकर भक्तों के लिए अन्नकूट प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अन्नकूट प्रसादी के आयोजक गजेन्द्रसिंह बाकलिया राजपुरोहित (निम्बोल) ने बताया कि हर वर्ष की भांति तेलंगाना में बसे समाज बन्धुओं व सभी भक्तों के लिए ग्यारहवें अन्नकूट प्रसादी का भव्य आयोजन किया गया।

अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि युवा बीआरएस नेता नन्दकिशोर व्यास (बिलाल), लक्ष्मणसिंह, सोहनसिंह, गुलाबसिंह राजपुरोहित, शंकरसिंह अन्ना, विजयसिंह जाणुंदा, पृथ्वीसिंह धांगड़वास, हरिसिंह, अमरसिंह, विष्णु रामावत, बाबुलाल व्यास, अखिलेशसिंह (पुणे) विभिन्न समाजों के गणमान्य भक्तों व राजपुरोहित समाज बन्धुओं ने सपरिवार हजारों की संख्या में

पधारकर लाभ लिया। अवसर पर भक्तों को सम्बोधित करते हुए आयोजक गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने अन्नकूट प्रसाद में पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रदेश मे बहुत से स्थानों पर अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाता है, लेकिन ताडबन्द हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद का अलग ही महत्व है जिसमे हजारों की संख्या में भक्त सपरिवार पधारकर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लेते है। कार्यक्रम के सफल आयोजन व भव्य रूप प्रदान करने में रामसिंह, गजेन्द्रसिंह, भगवानसिंह, हेमेन्द्रसिंह, जयपालसिंह, पियुषसिंह, धर्मेन्द्रसिंह बाकलिया (निम्बोल), पारससिंह, विरेन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह, हर्षसिंह, कुंज सेवड़ तालकिया, नारायणसिंह निमाज, परबत सोलंकी, बिरबलसिंह, श्रवणकुमार घोड़ेला, राधेश्याम माली, गोपी साँखला, महावीरसिंह बरवाला, नेमीचन्द लखारा व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु खिलाड़ियों का चयन

आसिफाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 8, 9 और 10 तारीख को होने वाली राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए लड़कियों में मौनिका, अमूल्य, अनीता, आलेख्य, इंद्रजा, योचना, मधुराक्षी, लड़कों में महेश, प्रणय, कीर्तन, साई, चरण और विवेक का चयन किया गया है। सिद्दीपेट जिले में मंगलवार को आदिलाबाद जिला केंद्र में एसजीएफ के तत्वावधान में आयोजित जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने शानदार प्रतिभा दिखाई। प्रभारी डीईओ यादैया, एचएफ सचिव संबाशिव राव, कोच अरविंद, साई, राकेश, फाइन बॉल एसोसिएशन के महासचिव कनापर्थी रमेश, आदिवासी जिला खेल अधिकारी बांदा मीना रेड्डी ने राज्य स्तर के लिए चयनित छात्रों को सम्मानित किया।

दंडारी संस्कृति को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि आदिवासियों की दंडारी (गुसाडी) संस्कृति को संरक्षित कर भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। मंगलवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलक्टर भवन के सभाकक्ष में एसपी डीवी श्रीनिवास राव, जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, कागज नगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला के साथ आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोवलक्ष्मी ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए डंडारी चेक वितरित किए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले दंडारी उत्सव के लिए सरकार प्रति डंडारी 15 हजार रुपये देगी। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को डंडारी संस्कृति को संरक्षित कर भावी पीढ़ी को देना चाहिए। जिले के आसिफाबाद मंडल में 22 डंडारियों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपये, तिरयानी मंडल में 37 के लिए 5 लाख 55 हजार रुपये, वानकिडी मंडल में 30 के लिए 4 लाख 50 हजार रुपये, जैनूर मंडल में 50 के लिए 7 लाख 50 हजार रुपये और 36 लाख रुपये केरामेरी मंडल में 5 लाख चालीस हजार रुपये, लिंगपुर मंडल में 20 लोगों के लिए 3 लाख रुपये, सिरपुर-यू मंडल में 41 लोगों के लिए 6 लाख 15 हजार रुपये, कागजनगर मंडल में 9 लोगों के लिए 1 लाख 35 हजार रुपये, प्रत्येक के लिए 15 हजार रुपये निर्धारित किए गए। रेबेना मंडल, सिरपुर-टी मंडल में प्रत्येक को 15-15 हजार रुपये के चेक वितरित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि जंगूबाई, जोड़ेघाट और मारलावी क्षेत्रों में पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने और जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं, इसके तहत पर्यटन मंत्रालय ने आधुनिकीकरण के लिए 4.8 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है। जोड़ेघाट क्षेत्र का काम जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। आसिफाबाद के विधायक ने कहा कि वार्षिक दंडारी महोत्सव को और भव्य बनाने के लिए सरकार दंडारी को 15 हजार रुपये देगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष धनराशि बढ़ने की संभावना है और संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा कर उसे भविष्य के लिए उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी ली जानी चाहिए।

करमन घाट पर छठ पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा चार दिवसीय छठ पूजा का आयोजन करमन घाट हनुमान मंदिर पर किया गया है। संघ के अध्यक्ष एनके सिंह एवं मंदिर समिति प्रभारी वेणु गोपाल की देखरेख में तालाब का साफ-सफाई की गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार को नहाय खाए, और बुधवार को खरना तथा गुरुवार को प्रथम अर्घ्य और शुक्रवार को सुबह के अर्घ्य के साथ पूजा का समापन होगा। संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, मंदिर समिति प्रभारी वेणु गोपाल, अमरजीत सिंह, पी. सुरेश, सतीश गौड़ एवं अन्य लोगों ने श्रद्धालुओं से छठ पूजा में शामिल हो कर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टेस्ट में रोहित और धोनी से बेहतर कप्तान थे कोहली: घर में कभी सीरीज नहीं हारे

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में दी मात

नई दिल्ली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी भारत को आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान हैं। दूसरी ओर विराट कोहली हैं। वे कभी कप्तान के तौर पर आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सके। हालांकि, जब चर्चा टेस्ट क्रिकेट की होती है तो बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से मीलों आगे नजर आते हैं।

आज विराट 36 साल के हो गए हैं। इस मौके पर जानते हैं कि रेड बॉल क्रिकेट में उन्होंने किन ऊंचाईयों को छुआ और क्यों आज भी उनकी कप्तानी के कारनामें मिसाल बने हुए हैं।

घर में सभी 11 सीरीज जीतीं

धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो टीम इंडिया को अभी-अभी न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी झेलना पड़ा है। कोहली की कप्तानी में ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने भारत की जमीन पर 11 टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी की। भारत ने सभी 11 सीरीज अपने नाम कीं।

कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। अश्विन और जडेजा के सपोर्ट और कोहली की अटैकिंग फील्ड स्ट्रैटजी से भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। यहां से कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

7 साल में महज 2 घरेलू टेस्ट गंवाए

कोहली की कप्तानी में विदेशी टीमें भारत में टेस्ट ड्रॉ कराने को भी अचीवमेंट मानती थीं। उनकी कप्तानी में भारत ने 7 साल में महज 2 टेस्ट गंवाए, एक 2017 में ऑस्ट्रेलिया से और दूसरा 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ। कोहली की कप्तानी में भारत में 5 टेस्ट ड्रॉ रहे, जिनमें ज्यादातर बार मौसम ने विदेशी टीमों का साथ दिया।

घरेलू मैदान पर कोहली ने क्लीन स्वीप तो दूर, कभी सीरीज हार भी नहीं झेली। इसके उलट, कोहली ने न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ घर में क्लीन स्वीप किया। न्यूजीलैंड को तो उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 2 टेस्ट सीरीज हराई थीं।

विदेश में 16 टेस्ट जीते

फुल टाइम कप्तान बनने के बाद कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। भारत ने 2-0 से सीरीज गंवाई। यहां के बाद सीधे 2018 में कोहली की कप्तानी में भारत ने SENA देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट खेला, जहां भारत ने 7 टेस्ट जीते।

इस बीच भारत ने एशिया और वेस्टइंडीज में बाकी टेस्ट खेले। कोहली ने अपनी कप्तानी में बांग्लादेश, श्रीलंका और वेस्टइंडीज में 13 टेस्ट खेले और 9 में जीत हासिल की। यहां टीम ने महज 1 मैच गंवाया, जबकि 3 टेस्ट ड्रॉ रहे, तीनों में बारिश ने भारत का काम बिगाड़ा। इनमें 2 क्लीन स्वीप भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया को सीरीज हराई, इंग्लैंड में डंका बजाया

कोहली ने SENA देशों में भी टीम इंडिया को 2 टेस्ट सीरीज जिताईं। इतना ही नहीं, इंग्लैंड में एक सीरीज 2-2 से ड्रॉ भी खेली। यहां तक कि मजबूत साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट भी जीते। कोहली सेना देशों में सबसे ज्यादा 7 टेस्ट जीतने वाले एशियन कैप्टन हैं।

कोहली ने 2018 में भारत को पहली बार ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जिताई थी। ऑस्ट्रेलिया में ही 5 साल पहले कोहली ने अपना टेस्ट कप्तानी करियर शुरू किया था। 2021 में कोहली की ही तैयार की गई टीम इंडिया ने रहाणे की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज जीती। कोहली निजी कारणों से सीरीज का 1 ही टेस्ट खेल सके थे।

2021 में कोहली इंग्लैंड को भी टेस्ट सीरीज हराने के करीब पहुंच गए थे। 5 टेस्ट की सीरीज के शुरुआती 4 मैचों में भारत 2-1 से आगे था। पांचवां टेस्ट कोरोना महामारी के कारण 2022 में कराया गया, लेकिन तब कोहली कप्तानी छोड़ चुके थे। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारत ने पांचवां टेस्ट गंवाया और सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई।

कोहली की टेस्ट कप्तानी इसलिए भी बहुत बड़ी है, क्योंकि उन्होंने भारत को विदेश में टेस्ट और सीरीज जीतना सिखाया। उनसे पहले टीम इंडिया अगर SENA में एक टेस्ट भी जीतती थी तो उसे अचीवमेंट माना जाता था। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार सीरीज जीतने से पहले भी भारत ने 8 सीरीज गंवाई थीं।

न्यूजीलैंड में झेला इकलौता क्लीन स्वीप

विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया का सबसे बुरा हाल भी न्यूजीलैंड ने ही किया था। न्यूजीलैंड ने 2021 में भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हराया। उससे पहले 2020 में टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में 2-0 से भी हार गई थी।

कोहली के कप्तानी करियर में भारत ने इसके अलावा किसी और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना नहीं किया। इसके अलावा कोहली की कप्तानी में भारत ने 2 या उससे ज्यादा टेस्ट की सभी सीरीज में कम से कम एक टेस्ट तो जरूर जीता।

विदेश में कोहली के आगे नहीं टिकता धोनी का रिकॉर्ड

विराट के बाद भारत के दूसरे सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी रहे। उनकी कप्तानी में भारत ने 60 में से 27 टेस्ट जीते। वह विदेश के 30 टेस्ट में 6 ही बार भारत को जीत दिला सके, लेकिन उन्होंने घर में भारत को टॉप पर पहुंचाए रखा।

धोनी की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को घर में लगातार 8 टेस्ट हराए। धोनी का सबसे बुरा दौरा SENA देशों में ही रहा, जहां वह 3 ही टेस्ट जीत सके। 2011 और 2012 में तो टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार 8 टेस्ट हार गई थी। धोनी ने SENA देशों में कोहली के बराबर 14 टेस्ट जरूर गंवाए, लेकिन उनके जितने टेस्ट जीत नहीं सके।

विराट के रिकॉर्ड से बहुत दूर हैं रोहित

रोहित शर्मा ने 2013 में टेस्ट खेलना शुरू किया। उनके डेब्यू के बाद भारत ने 112 टेस्ट खेले, रोहित इनमें 64 मुकाबले ही खेल सके। वजह यह थी कि वह विदेश के टेस्ट में खराब थे। उन्होंने 2021 से विदेश में परफॉर्म करना शुरू किया और टेस्ट टीम में स्थापित हुए।

टेस्ट टीम में जगह पक्की करते ही रोहित के लिए दिक्कत यह हो गई कि जनवरी 2022 में विराट ने कप्तानी छोड़ दी। उन्हें मजबूरन टी-20 और वनडे के साथ टेस्ट कप्तानी भी करनी पड़ी। नतीजा यह हुआ कि भारत 3 साल में 5 घरेलू टेस्ट हार गया। 3-0 की क्लीन स्वीप भारत ने अपने टेस्ट इतिहास में पहली बार झेली है।

सवाल यह भी है कि क्या रोहित सच में बहुत खराब टेस्ट कप्तान हैं? जवाब है नहीं, उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है और वह अब तक 21 में से 12 टेस्ट जीत चुके हैं। हालांकि, घरेलू मैदान पर मिल चुकीं 5 हार के कारण वह 21वीं सदी में भारत के सबसे खराब टेस्ट कप्तान जरूर बन चुके हैं।

कप्तानी में कोहली ने 7 दोहरे शतक भी लगाए

बैटर विराट कोहली ने वैसे तो हर कप्तान की मौजूदगी में अपना बेस्ट प्रदर्शन दिया, लेकिन जब वह खुद कप्तान बने तो टेस्ट बैटिंग की सारी कमियों को अचीवमेंट्स में बदल दिया। कोहली ने अपनी कप्तानी में रिकॉर्ड 7 दोहरे शतक लगाए।

2014 में इंग्लैंड दौरे पर कोहली बैट से कुछ खास नहीं सके, लेकिन 2018 में उन्होंने इसे पलटा और सीरीज के टॉप रन स्कोरर बन गए। ऑस्ट्रेलिया में तो वह हर बार ही रन बनाते हैं, उन्होंने साउथ अफ्रीका में भी सेंचुरी लगाकर बताया कि ICC ने क्यों 2020 में उन्हें दशक का बेस्ट क्रिकेटर चुना था। कोहली फिलहाल भारत के चौथे टॉप रन स्कोरर हैं।

दशक के बेस्ट वनडे प्लेयर भी हैं कोहली

आईसीसी ने विराट कोहली को बेस्ट क्रिकेटर के साथ बेस्ट वनडे प्लेयर का अवॉर्ड भी दिया था। 2008 में डेब्यू के बाद भी विराट अब तक टॉप वनडे प्लेयर बने हुए हैं। 2023 के वर्ल्ड कप में उन्होंने 50वीं सेंचुरी लगाकर सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा वनडे शतक के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था।

रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह नहीं पंत करेंगे टीम इंडिया की कप्तानी?

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से होना है और इस अहम सीरीज से पहले सबसे बड़ा सवाल ये है कि टीम इंडिया का कप्तान कौन होगा. पहले टेस्ट मैच में रोहित शर्मा का खेलना मुश्किल है, ऐसे में उनकी जगह कौन टीम की कमान संभालेगा ये एक बड़ा सवाल है.

न्यूजीलैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप की हार के बाद अब टीम इंडिया का अगला चैलेंज ऑस्ट्रेलिया दौरा है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसका पहला मैच 22 नवंबर से होगा. हालांकि इस सीरीज से पहले बड़ा सवाल ये है कि टीम इंडिया की कमान कौन संभालेगा क्योंकि पहले टेस्ट मैच में रोहित शर्मा का खेलना मुश्किल है. रोहित निजी वजहों से पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उपकप्तान जसप्रीत बुमराह को बनाया गया है और ऐसा माना जा रहा है कि वो ही टीम की कमान संभालेंगे. लेकिन टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि टीम की कमान ऋषभ पंत को सौंपनी चाहिए.

मोहम्मद कैफ ने पंत को कप्तान बनाने की बात कही

मोहम्मद कैफ ने कहा कि मौजूदा टीम से सिर्फ ऋषभ पंत ही टेस्ट कप्तान के बड़े दावेदार हैं. कैफ के मुताबिक पंत इसके लायक भी हैं क्योंकि जब भी पंत खेलते हैं वो टीम इंडिया को हमेशा फ्रंटफुट पर रखते हैं. पंत किसी भी नंबर पर खेलने आएं वो हमेशा मैच जिताने वाली पारी खेलने की कोशिश करते हैं. पंत हर तरह की कंडिशन में रन बनाने का दम रखते हैं. पंत ने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में रन बनाए हैं. उन्होंने भारत की टर्निंग पिच पर भी रन बनाए हैं. कैफ ने पंत को संपूर्ण बल्लेबाज बताया.

जसप्रीत बुमराह भी हैं बड़े दावेदार

ऋषभ पंत को टेस्ट कप्तान बनाने की बात तो कैफ ने कह दी लेकिन उन्होंने इसकी असल वजह नहीं बताई. वैसे पंत से पहले बुमराह कप्तान बनने की रेस में आगे लग रहे हैं. यही वजह है कि बुमराह को दौरे के लिए उपकप्तान भी बनाया गया है. बुमराह एक टेस्ट में टीम की कमान भी संभाल चुके हैं. अगर पहले टेस्ट में रोहित नहीं खेले तो बुमराह को कप्तानी संभालते हुए देखा जा सकता है. हालांकि कैफ का कुछ और ही मानना है. कैफ ने कहा कि पंत जब आखिरी टेस्ट मैच खेलेंगे तो वो एक लेजेंड के तौर पर रिटायर होंगे. उनकी विकेटकीपिंग में गजब का सुधार हुआ है. कैफ ने कहा कि जबतक पंत क्रीज पर थे न्यूजीलैंड को राहत की सांस नहीं मिल रही थी. कैफ के मुताबिक अगर आप फ्यूचर कप्तान ढूंढ रहे हैं तो पंत से अच्छा विकल्प कोई नहीं है.

न्यूजीलैंड से हारने के बाद क्या भारत ऑस्ट्रेलिया में लगा पाएगा जीत की हैट्रिक?

शिखर धवन ने दिया जवाब

मुंबई, , 5 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज बुरी तरह हारने के बाद टीम इंडिया के हौसले पस्त हैं। टीम के सामने अब मजबूत ऑस्ट्रेलिया की चुनौती हैं, जिसके खिलाफ टीम 22 नवंबर से पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलेगी। भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। भारत के लिए यह सीरीज आसान नहीं रहने वाली है क्योंकि न्यूजीलैंड से हारने के बाद टीम का हौंसला डगमगाया हुआ है। खुद कप्तान रोहित शर्मा ने भी यह माना है कि इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए भारत को अपने खेल में टॉप पर रहना होगा। टीम के सीरीज जीतने की संभावनाओं को लेकर भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन से सवाल पूछा गया, जिसका उन्होंने जवाब दिया है।

हम स्पीड से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार- धवन

'टाइम्स ऑफ इंडिया' से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में खिताबी जीत की हैट्रिक लगाने का बड़ा मौका है। हमने वहां पिछली दो सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुझे यकीन है कि टीम पॉजिटिविटी और जीत की मानसिकता के साथ ऑस्ट्रेलिया जाएगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और यहां तक कि जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में काफी मैच खेले हैं और वे अपने अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करेंगे। यह नई जेनरेशन आत्मविश्वास से भरी, प्रेरित और प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर खुद को जल्दी से स्थापित कर लिया है, जिसका हमें ऑस्ट्रेलिया में जबरदस्त फायदा होगा। स्पीड हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन हमारे बल्लेबाज इससे निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।'

सीरीज में भारत का दबदबा

पिछले कुछ सालों पर नजर दौड़ाई जाए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत का दबदबा देखने को मिला है। भारत के दबदबे का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उसने पिछली चार सीरीज में कंगारू टीम को हराने में सफलता पाई है। इसमें 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के घर में हराना भी शामिल है।

हेड टू हेड में भी भारत आगे

इस सीरीज में दोनों टीमों के हेड टू हेड देखें तो यहां भी भारत का पलड़ा भारी नजर आता है। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 10 बार जीती है, जबकि कंगारू टीम ऐसा पांच बार ही कर सकी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को आखिरी बार इस सीरीज में 2014 में हराया था, जबकि भारतीय जमीं पर उसे 2004-05 में जीत नसीब हुई थी।

बरेली में राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता आज से

देशभर के 809 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बरेली, 5 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-17 वर्ग की राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए देशभर के खिलाड़ी बरेली आने लगे हैं। केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ ही तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना सहित कई अन्य राज्यों के खिलाड़ी शहर पहुंचे। इन्हें ठहराने के लिए अलग-अलग होटलों में कमरे बुक कराए गए हैं। जिले को पहली बार राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है।

छह से 10 नवंबर तक राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में होने वाली प्रतियोगिता के आयोजन में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए जिम्मेदार जुटे हुए हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने, मैदान तक आने-जाने, अभ्यास की व्यवस्था सहित अन्य चीजों की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को दी गई है।

खिलाड़ियों को ठहराने के लिए कई होटलों में 400 कमरे बुक किए गए हैं। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के लिए अभी तक 809 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। बालिका वर्ग में 33 व बालक में 35 टीमें भाग लेंगी। मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने बताया कि मैदान में पांच कोर्ट बनाए गए है।

पहली बार टाइम आउट बजर का होगा इस्तेमाल

राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबाल प्रतियोगिता में पहली बार टाइम आउट बजर का इस्तेमाल किया जाएगा। मैदान में बने पांचों कोर्ट में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए इसका उपयोग होगा। सभी टीमों को मुकाबले में दो बार 30 सेकंड का टाइम आउट मिलता है। इसकी अपील कोच या टीम का कप्तान कर सकता है।

क्या आरसीबी में होगी ऋषभ पंत की एंट्री?

मुंबई, 5 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में इस बार कई टीमों के कप्तानों पर बोली लगती हुई दिखाई दे सकती है। क्योंकि रिटेंशन लिस्ट सामने आने के बाद पता चला कि कई फ्रेंचाइजियों ने अपने-अपने कप्तानों को ही रिलीज कर दिया। जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत, आरसीबी के फाफ डु प्लेसिस और लखनऊ सुपर जायंट्स के केएल राहुल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर काफी अटकलें लगाई जाने लगी है।

सोशल मीडिया पर पंत को लेकर अलग ही बहस छिड़ी है। कई यूजर्स पंत को चेन्नई सुपर किंग्स में खेलते हुए देखना चाहते हैं तो कई यूजर्स का मानना है कि पंत की इस बार आरसीबी में एंट्री हो सकती है। वहीं इसको लेकर अब आरसीबी की तरफ से बड़ा हिंट मिला है। जिसके बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि आईपीएल 2025 में पंत आरसीबी की तरफ से खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं।

आरसीबी ने किया फैंस मॉक ऑक्शन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में आरसीबी की तरफ से केएल राहुल और ऋषभ पंत इन दोनों विकेटकीपर बल्लेबाजों को लेकर पोस्ट की गई। जिसमें लिखा कि, इकोज ऑफ फैन्स मॉक ऑक्शनः केएल राहुल और ऋषभ पंत ने बैंक को तोड़ दिया है। जानें कि वे कितने में बिके और अब उन्हें कौन खरीदेगा। ऐसे में अब फैंस उम्मीद लगा रहे हैं कि आरसीबी ऋषभ पंत और केएल राहुल में दिलचस्पी दिखा रही है। इन दोनों में से किसी एक विकेटकीपर को इस बार आरसीबी मेगा ऑक्शन में खरीद सकती है।

दूसरी तरफ आरसीबी इस बार कप्तान फाफ डु प्लेसिस को भी रिलीज कर चुकी है, तो वहीं दूसरी तरफ आईपीएल 2024 के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भी आईपीएल से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद अब आरसीबी को विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ-साथ एक कप्तान की भी जरूरत है। पंत जो इन दिनों कमाल की फॉर्म में दिख रहे हैं, न्यूजीलैंड के खिलाफ पंत ही एकमात्र भारतीय बल्लेबाज रहे थे जिन्होंने लगातार रन बनाए। ऐसे में मेगा ऑक्शन से दौरान आरसीबी का ज्यादा फोकस पंत के ऊपर रह सकता है।

महिला नहीं, पुरुष हैं इमाने खेलीफ? मेडिकल रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

खेल डेस्क, 5 नवंबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाज अल्जीरिया की इमाने खेलीफ एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। ओलंपिक के दौरान खेलीफ लैंगिक मामले को लेकर काफी चर्चा में रही थीं, लेकिन उन्होंने इन सबके बीच शानदार प्रदर्शन किया था और पहला स्थान हासिल करने में सफल रही थीं। हालांकि, एक बार फिर वह चर्चा में आ गई हैं और उसकी वजह है एक मेडिकल रिपोर्ट जिसमें चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खेलीफ के अंदर पुरुषों वाले कई अंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया है कि खेलीफ के पास आंतरिक अंडकोष और एक्सवाई गुणसूत्र (पुरुष गुणसूत्र) हैं, जो फाइव अल्फा रिडक्टेस अपर्याप्तता नामक डिसऑर्डर की तरफ इशारा करते हैं। पेरिस ओलंपिक के दौरान भी खेलीफ के खिलाफ खेलने वाली कुछ महिला मुक्केबाजों ने इशारों में इस बात के संकेत दिए थे। हालांकि, उस वक्त ओलंपिक समिति ने खेलीफ के खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था। खेलीफ ने चीन की यांग लियू को मुकाबले में 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

खेलीफ ने ओलंपिक के दौरान लगातार लैंगिक विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी थी और कहा था, मैं किसी भी महिला की तरह एक महिला ही हूं। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई हूं और मैंने एक महिला के रूप में जीवन जिया है, लेकिन मेरी सफलता के कुछ लोग दुश्मन हैं और वे लोग मेरी सफलता को पचा नहीं सकते।

दरअसल, विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अल्जीरिया की खेलीफ और ताइवान की लिन यू-टिंग पर बयान जारी करते हुए बताया था कि दोनों खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

जयपुर इंटरनेशनल फुटबॉल ग्राउंड में लगी आग

जलकर खाक हुई करोड़ों की बेल्जियम से मंगवाई घास

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्थित इंटरनेशनल फुटबॉल स्टेडियम में हाल ही में आग लगने की घटना चर्चा की विषय बनी हुई है। इस घटना ने राज्य सरकार की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फीफा द्वारा मान्यता प्राप्त भारत के इस दूसरे फुटबॉल ग्राउंड में राजस्थान सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च करके बेल्जियम से आर्टिफिशियल ग्रीन घास मंगवाई, लेकिन उसको अच्छे से संभाल नहीं सकी। बेल्जियम सिलाई की घास में दिवाली के दिन आग लग गई और इससे भी बड़ी बात यह है कि इंडियन फुटबॉल लीग का आयोजन इस जली हुई घास में करवाया जा रहा है, जो खिलाड़ियों और फुटबॉल फैंस के लिए चिंता का विषय है। बताया जा रहा है कि यह घास कुछ समय पहले ही करीब 10 करोड़ रुपए की लागत से खरीदी गई थी। जानकारी के अनुसार राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर में राज्य सरकार ने इंटरनेशनल लेवल का फुटबॉल ग्राउंड बनाया था। अक्टूबर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा फुटबॉल लीग का उद्घाटन किया गया था। इस फुटबॉल ग्राउंड को 13 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। खास बात यह है कि इस मैदान पर लगाई गई घास आर्टिफिशियल है, लेकिन फीफा मानकों से एप्रूव्ड है। उद्घाटन के बाद से इस स्टेडियम में कई टूर्नामेंट का आयोजन हो चुका है। फुटबॉल ग्राउंड के चारों तरफ सिंथेटिक ट्रैक भी बिछाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी अच्छी तरह से प्रैक्टिस कर सकें। फिलहाल यह फुटबॉल ग्राउंड यूनाइटेड फुटबॉल क्लब का होम ग्राउंड है। आग लगने की घटना पर कई विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी महंगी घास की सुरक्षा और रखरखाव में इतनी बड़ी लापरवाही नहीं होनी चाहिए थी।

जाति जनगणना के लिए प्रतिबद्ध, तेलंगाना नेतृत्व पर गर्व : राहुल गांधी

तेलंगाना की जाति जनगणना देश के लिए आदर्श बनेगी

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जाति जनगणना से भेदभाव वाले समुदायों की आबादी की छानबीन होनी चाहिए, प्रत्येक वर्ग में कितनी संपत्ति है और देश में संपत्ति का वितरण कैसे हो रहा है।

उन्होंने कहा, यह सिर्फ जाति जनगणना नहीं है, बल्कि यह देश की शासन प्रणाली तय करेगी और यह देश की प्रगति को परिभाषित करने का एक मजबूत राजनीतिक साधन है। देश की खुशहाली या प्रगति के लिए हमें सबसे पहले भेदभाव की प्रकृति को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि बड़े पैमाने पर भेदभाव है और दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, ओबीसी या अल्पसंख्यकों से झूठ नहीं बोल सकता। बोवनपल्ली में राजीव गांधी विचारधारा केंद्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित जाति जनगणना पर राज्य स्तरीय परामर्श को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि वह एक राजनेता के रूप में जवाबदेह हैं और वह जाति भेदभाव न होने के बारे में अन्य लोगों की तरह झूठ नहीं बोल सकते। उन्होंने कहा, हमें बस जाति भेदभाव के स्तर को मापना और उजागर करना चाहिए। जब मैं यह कहता हूं, प्रधानमंत्री और अन्य भाजपा नेता देश को विभाजित करने की बात करते हैं। सच्चाई को उजागर करने से देश कब से विभाजित हो गया है? आइए सच्चाई का पता लगाएं।

हमारे धर्म का आधार सत्य और अहिंसा है। श्री गांधी ने कहा कि उन्हें अभी भी इस बात पर आश्चर्य हो रहा है कि प्रधानमंत्री जातिगत भेदभाव को चुनौती क्यों नहीं देना चाहते और क्यों वे कई क्षेत्रों में हाशिए पर पड़े वर्गों के उचित प्रतिनिधित्व की कमी के बारे में सवाल पूछने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि देश में जातिगत भेदभाव का स्तर अद्वितीय और शायद दुनिया में सबसे खराब है, जहां दलितों के साथ अछूत जैसा व्यवहार किया जाता है। उन्होंने काफी मुखर होकर पूछा कि बोर्ड रूम, न्यायपालिका, सशस्त्र बलों या टेलीविजन एंकरों में कितने दलित या ओबीसी हैं? राहुल गांधी ने कहा कि मुझे टीजी नेतृत्व पर गर्व है कि उन्होंने इसे उठाया और हम जाति जनगणना के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। कुछ कमियां होंगी, लेकिन हम नागरिक समाज, लोगों और सरकार के बीच बातचीत करके उन्हें दूर करने की कोशिश करेंगे। सर्वेक्षण के प्रश्न नौकरशाहों द्वारा तैयार किए जाने के बजाय, भेदभावपूर्ण वर्ग ही प्रश्नों का निर्णय करेगा। हमें सच्चाई जानने से क्यों डरना चाहिए? कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीएम ए. रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क, पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, टीजी कांग्रेस प्रभारी दीपा दासमुंशी और अन्य लोग मौजूद थे, जबकि सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने श्री गांधी के अंग्रेजी भाषण का तेलुगु में अनुवाद किया। इससे पहले, कांग्रेस नेता का बेगमपेट हवाई अड्डे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल-नगाड़ों, पार्टी के झंडे लहराने के साथ जोरदार स्वागत किया गया। पूरा शहर कांग्रेस के पोस्टर और झंडों से भरा हुआ था।

निम्स अस्पताल में भर्ती छात्राओं से मिली मंत्री

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कोमरमभीम आसिफाबाद जिले के वानकिडी ट्राइबल गर्ल्स रेजिडेंशियल स्कूल की छात्राओं महालक्ष्मी, ज्योति और शैलजा से मुलाकात की, जिनका हैदराबाद के निम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने उनके परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखेगी। निम्स के निदेशक बिरप्पा, नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख गंगाधर ने मंत्री को छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में ध्यान से बताया। मंत्री ने उन्हें उपलब्ध कराये जा रहे इलाज की विस्तृत जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने एनआईएमएस के निदेशक को मरीजों के परिवार के सदस्यों के लिए विशेष आवास और भोजन की सुविधा प्रदान करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि इलाज करा रहे तीन छात्राओं में से दो छात्राओं का स्वास्थ्य स्थिर है और दूसरे छात्राओं का गहन उपचार चल रहा है। मंत्री सुरेखा ने बताया कि अस्पताल में इलाज करा रहे छात्र छात्रावास में दिए गए भोजन से बीमार नहीं हुए, वे घर से लाए गए भोजन को खाने से बीमार हुए और वही भोजन खाने वाले स्टाफ की स्वास्थ्य स्थिति ठीक है। हालांकि, जांच के लिए भेजे गए खाद्य पदार्थों की रिपोर्ट मिलने के बाद मंत्री सुरेखा ने कहा कि अगर यह पाया गया कि इस घटना के लिए अधिकारी जिम्मेदार हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इलाज करा रहे छात्रों से मिलने पहुंचे पूर्व मंत्री हरीश राव ने कोई न कोई बहाना ढूंढ लिया और सरकार की बदनामी की। तथ्यों को जाने बिना गैरजिम्मेदाराना ढंग से बोलना उचित नहीं है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद छात्रावासों के प्रबंधन में उच्चतम मानकों का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अनेक कार्यक्रमों के साथ कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रही है। मंत्री ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित करने में बड़ी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

वारंगल के विकास की योजनाएं अंतिम चरण में : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिला प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि एक महान ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले वारंगल शहर के विकास के लिए मास्टर प्लान, जनसंख्या संबंधों की भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। वन मंत्री कोंडा सुरेखा, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी ने मंगलवार को हैदराबाद के एमसीएचआरडी में वारंगल और हनमकोंडा जिलों के जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में नए मास्टर प्लान, वारंगल इनर रिंग रोड, आउटर रिंग रोड, भद्रकाली मंदिर विकास, अंडरग्राउंड ड्रेनेज, मेगा टेक्सटाइल पार्क, मामुनूर एयरपोर्ट, इको टूरिज्म और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वारंगल शहर को हैदराबाद शहर के अनुरूप विकसित करने के दृढ़ संकल्प के साथ वारंगल शहर के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कई वर्षों से लंबित वारंगल मास्टर प्लान लेकर आई है। अधिकारियों को विकास कार्यों की गति बढ़ाने का आदेश दिया गया। अधिकारियों को इनर रिंग रोड और आउटर रिंग रोड के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण युद्ध स्तर पर करने का आदेश दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि वारंगल आउटर रिंग रोड, जिसकी परिधि 41 किलोमीटर है, का निर्माण तीन चरणों में किया जाना चाहिए, पहले चरण में 20 किलोमीटर, दूसरे चरण में 11 किलोमीटर और तीसरे चरण में 9 किलोमीटर। हैदराबाद के अलावा राज्य में कोई अन्य हवाई अड्डा नहीं है, लेकिन वारंगल जिले में हवाई अड्डा बन रहा है और अधिकारियों को हवाई अड्डे का काम जल्द से जल्द शुरू करने और एक साल के भीतर इसे लोगों के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को 382 एकड़ में फैले ऐतिहासिक भद्रकाली तालाब में जमा गाद को हटाने और कल से संबंधित कार्य शुरू करने और लोगों को कोई परेशानी पैदा किए बिना तालाब को खाली करने की सलाह दी गई है।

हमारी नीति अपराधियों को पकड़कर कानून के हवाले करने की : डीजीपी

विजयवाड़ा, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के डीजीपी द्वारका तिरुमाला राव ने उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की गृह मंत्री अनीता और पुलिस विभाग के खिलाफ की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी।

इस अवसर पर डीजीपी ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनकी नीति अपराधियों को पकड़कर कानून के हवाले करने की है। डीजीपी ने स्पष्ट किया है कि वे संविधान का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे राजनीतिक दबाव में आकर अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करेंगे। द्वारका तिरुमाला राव ने कहा कि वे पवन कल्याण की टिप्पणी पर अलग से टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आईजी संजय के खिलाफ जांच चल रही है और वे जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहेंगे। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि किसी भी मामले की जांच वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब टीडीपी पार्टी कार्यालय पर हमला हुआ था, तो इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहा गया था और पिछले दिनों इस मुद्दे को कमजोर किया गया था।

पुलिस ने अपहरणकर्ता के कब्जे से बच्चे को छुड़ाया

> पुलिस ने 12 घंटे के अंदर आरोपी शेख रफीक को पकड़ा

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज पुलिस ने अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्चे को सकुशल बचा लिया। टीचर्स कॉलोनी, वारंगल का रहने वाला आरोपी शेख रफीक उर्फ रफी अफजलगंज में फुटपाथ पर रहकर मजदूरी करता था। पुलिस के अनुसार 4 नवंबर को रुबीना बेगम पत्नी मोहम्मद सद्दाम मंगर बस्ती निवासी, मल्लेपल्ली, नामपल्ली, हैदराबाद ने अपने बेटे के गायब होने की प्राथमिकी दर्ज कराई। अपने आवेदन में महिला ने कहा कि उसके पति को शराब पीने की आदत है। तीन महीने पहले उसके पति ने पारिवारिक समस्याओं के कारण एसिड पी लिया था। इसलिए 4 नवंबर को 11 बजे उसके पति अपने छोटे बेटे मोहम्मद शोहेब उम्र 4 साल के साथ घर से पति के इलाज के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल चले गए। शाम छह बजे तक वे वापस घर नहीं लौटे, इसलिए वह अपने पति, अपने बेटे मोहम्मद शोहेब को खोजने के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल आई, लेकिन उसका पति उस्मानिया जनरल अस्पताल के वेटिंग हॉल में नशे की हालत में सोया हुआ था। लेकिन उसका बेटा मोहम्मद शोहेब वहां मौजूद नहीं था, उसने सभी संभावित स्थानों पर खोज की, लेकिन नहीं मिला। इसलिए उसने अपने बेटे मोहम्मद शोहेब का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पुलिस से अनुरोध किया। एसएचओ जी लिंगेश्वर राव, डीएसआई पी राम किशन, क्राइम स्टाफ एचसी बी श्रीकांत, पीसी के मोहम्मद सुलेमान, जी श्रीकांत, के विशाल कुमार, मोहम्मद आदिल अहमद, डी चंद्रशेखर और उदय कुमार और मोहम्मद असद कादरी के नेतृत्व में पुलिस अफजलगंज की टीम ने सभी स्थानों यानी पब्लिक गार्डन, नामपल्ली रेलवे स्टेशन, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन इंदिरा पार्क, टैंक बंड और एलएंडटी मेट्रो स्टेशनों पर रात के समय अलग-अलग जगहों पर सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि की और सभी बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर गुमशुदा लड़के की तस्वीर दिखाई। सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि करते समय, संदिग्ध को डबीलपुरा फ्लाईओवर ब्रिज पर बच्चे के साथ देखा गया, तुरंत टीम मौके पर पहुंची और आरोपी व्यक्ति को पकड़ लिया जो बच्चे के साथ डबीलपुरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। टीम ने आरोपी व्यक्ति को पकड़ लिया और अपराध के समय से 12 घंटे के भीतर बच्चे को बचा लिया। पुलिस उप आयुक्त, ईस्ट ज़ोन, हैदराबाद बी. बालास्वामी ने कहा कि चार वर्षीय बच्चे के अपहरण मामले का पता लगाने में टीम द्वारा किए गए अच्छे काम की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अत्यधिक सराहना की जाती है और उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्तम ने निर्वाचित प्रतिनिधियों से धान खरीद सुनिश्चित करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों से धान खरीद में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक अभ्यास राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, गठन से पहले और बाद में। मंगलवार को यहां एक वीडियो कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, सांसदों, विधायकों, एमएलसी और अन्य अधिकारियों के साथ, इस सीजन में तेलंगाना की अनुमानित रिकॉर्ड तोड़ धान की पैदावार पर प्रकाश डाला। उत्तम ने कहा, "150 लाख मीट्रिक टन का अनुमानित उत्पादन राज्य और देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सरकार को लगभग 91 लाख मीट्रिक टन चावल खरीदने की उम्मीद है, जिसमें 47 लाख मीट्रिक टन बढ़िया किस्म का चावल और 44 लाख मीट्रिक टन अन्य किस्म का चावल शामिल है।

तत्काल खरीद के लिए 30,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं।" उन्होंने बड़े पैमाने पर खरीद प्रक्रिया के लिए सरकार की तत्परता को रेखांकित किया और कहा कि बढ़िया किस्म के चावल की पैदावार हाल ही में 500 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस प्रोत्साहन के प्रभाव को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि इस बोनस ने कई किसानों को बढ़िया किस्म के चावल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप इस श्रेणी में पर्याप्त पैदावार हुई। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "बढ़िया धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस एक ऐतिहासिक पहल है, जो भारत में पहली बार है कि सभी बढ़िया धान उत्पादकों को एमएसपी के अलावा यह बोनस मिलेगा।" उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 से कांग्रेस सरकार तेलंगाना में सभी राशन कार्ड धारकों को बढ़िया चावल वितरित करेगी, जो देश के इतिहास में एक और ऐतिहासिक कदम है। मंत्री ने खरीद अधिकारियों से सतर्क रहने का आग्रह किया और जनप्रतिनिधियों को किसानों का समर्थन करने और उन्हें सूचित करने के लिए क्षेत्र का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि किसी भी तरह की उलझन को कम किया जा सके।

उन्होंने चावल मिल मालिकों से सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आह्वान किया और मिलिंग उद्योग को समर्थन देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने अधिकारियों को खरीद केंद्रों से मिलों तक धान के परिवहन में जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाला चावल पहुंचाना है।

स्कूल गेट गिरने से बच्चे की मौत पर अभिभावकों ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को स्कूल का लोहे का गेट गिरने से मारे गए पहली कक्षा के छात्र अजय के माता-पिता और रिश्तेदार सुबह स्कूल के सामने धरने पर बैठ गए और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जब भारी लोहे का गेट गिरा तो बच्चा दूसरे बच्चों के साथ खेल रहा था। बच्चा गेट के नीचे आ गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

बच्चे गेट पर चढ़ गए और उसे हिलाने लगे, तभी गेट गिर गया और अजय उसके नीचे आ गया। हयातनगर पुलिस ने शव को शवगृह में रखवा दिया। हालांकि, अभिभावक और स्थानीय लोग स्कूल में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए। पुलिस इस मुद्दे को सुलझाने और विरोध प्रदर्शन को समाप्त करने के लिए अभिभावकों और स्कूल स्टाफ के साथ बैठक कर रही है।

तुम्मला ने किसानों से सरकारी खरीद केंद्रों पर कपास बेचने का आग्रह किया

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि एवं विपणन मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपना कपास केवल सरकारी खरीद केंद्रों पर ही बेचें। मंत्री ने मंगलवार को विपणन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में निदेशक उदय कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर तुम्माला नागेश्वर राव ने बताया कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने तेलंगाना राज्य में 105 खरीद केंद्र स्थापित किए हैं और इस बात पर जोर दिया कि सभी जिनिंग मिलों को अधिसूचित तरीके से काम करना चाहिए। मंत्री ने सीसीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के साथ कपास खरीद में नमी की मात्रा के मुद्दे पर भी चर्चा की। कृषि क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को 8897281111 पर व्हाट्सएप के माध्यम से रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, तुम्मला नागेश्वर राव ने कलेक्टरों और विपणन अधिकारियों को कपास खरीद प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया।

तेलंगाना ने सीईआईआर का उपयोग करके 50 हजार से अधिक मोबाइल बरामद किए

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस ने 20 अप्रैल, 2023 से 3 नवंबर, 2024 तक 50,788 मोबाइल डिवाइस सफलतापूर्वक बरामद किए हैं, जो मोबाइल चोरी और नकली डिवाइस से निपटने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित सीईआईआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) पोर्टल का उपयोग करके मोबाइल रिकवरी में देश भर में दूसरे स्थान पर है। 19 अप्रैल, 2023 को तेलंगाना में शुरू हुए शुरूआती पायलट के बाद इसे 17 मई, 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया गया। सीईआईआर पोर्टल के लिए राज्य नोडल अधिकारी और सुपर यूजर दोनों के रूप में काम करने वाली, डीजी सीआईडी शिखा गोयल के अनुसार, यह प्रणाली अब तेलंगाना के सभी 780 पुलिस स्टेशनों में चालू है। डीजी सीआईडी द्वारा प्रभावी निगरानी के परिणामस्वरूप 29 नवंबर 2024 को 50000 डिवाइस रिकवरी का आंकड़ा छू लिया गया और 557 दिनों के भीतर 50,788 डिवाइस रिकवरी की गई, जो कर्नाटक की तुलना में 172 दिन पहले हासिल की गई, जिसे समान अंक तक पहुंचने में 729 दिन लगे। तेलंगाना वर्तमान में औसतन 91 मोबाइल डिवाइस प्रतिदिन रिकवर करता है, जो जुलाई 2024 में प्रति दिन 87 से अधिक है।

सौर ऊर्जा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सूर्य रथ यात्रा शुरू

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सौर ऊर्जा संघ (टी-एसईए) ने भारतीय राष्ट्रीय सौर ऊर्जा महासंघ (एनएसईएफआई) के सहयोग से मंगलवार को शहर में सूर्य रथ यात्रा का शुभारंभ किया। तेलंगाना अक्षय ऊर्जा विकास निगम (टीजीआरईडीसीओ) की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनिला वविल्ला ने खैरताबाद स्थित विश्वेश्वर भवन से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत छतों पर सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा है। इस अभियान का उद्देश्य जनता को सौर ऊर्जा के लाभों के बारे में शिक्षित करना है। टी-एसईए के अध्यक्ष बी अशोक कुमार गौड़ ने कहा कि सूर्य रथ यात्रा एक अभिनव डोर-टू-डोर आउटरीच अभियान था, जिसे समुदायों को शामिल करने और उन्हें टिकाऊ ऊर्जा समाधानों के बारे में सूचित करने के लिए डिजाइन किया गया था (जो सस्ती और स्वच्छ बिजली प्रदान करते हैं) उन्होंने कहा कि यात्रा अगले एक सप्ताह में हैदराबाद के विभिन्न इलाकों को कवर करेगी।

SBI
तनावग्रस्त संपत्ति वसूली शाखा (सार्ब), छत्रपती संभाजीनगर, महाराष्ट्र
प्लॉट नं.१, सिडको टाऊन सेंटर, छत्रपती संभाजीनगर

(अचल संपत्ती के लिए) **कब्जा नोटिस** [नियम-८(१)]

जबकी, निम्न हस्ताक्षरकर्ता **भारतीय स्टेट बँक, सार्ब छत्रपती संभाजीनगर (औरंगाबाद)** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतीकरण और पुनर्निमाण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम २००२ के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, २००२ के नियम ३ के साथ पठित धारा १३(१२) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **दिनांक १८/०७/२०२४ को एक मांग नोटिस** जारी कर उधारकर्ता **मे.श्री लक्ष्मीव्यंकटेश्वरा कॉटन मील एलएलपी** को उक्त नोटिस में उल्लिखित राशी **रू.६,३२,६९,६०१.००** (रूपये छह करोड बत्तीस लाख उनसठ हजार छह सौ एक रूपये मात्र) को दिनांक १८/०७/२०२४ को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से ६० दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा।

उधारकर्ता और जमानतदार राशी चुकाने मे असफल रहे है, इसलिए उधारकर्ता और आम जनता के यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा १३(४) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के साथ उक्त नियमों के नियम ८ के तहत इस **३० अक्टूबर, २०२४** को निचे वर्णित संपत्तियों का **प्रतिकात्मक कब्जा** ले लिया है।

विशेष रूपे उधारकर्ता/जमानदार और आम जनता को संपत्तियों से लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियो से कोई भी लेन-देन भारतीय स्टेट बँक के प्रभार के अधीन होगा, जिसकी राशि **रू.६,३२,६९,६०१.००** (रूपये छह करोड बत्तीस लाख उनसठ हजार छह सौ एक रूपये मात्र) होगी, साथ ही दिनांक १८/०७/२०२४ से ऊस पर लागत और व्यय भी ब्याज सहीत होगा।

अचल मालमत्तेचे विवरण

१) **श्री.संजय रमेशलाल भंडारी** इनके नामपर होनेवाली सभी खंड एवं प्रखंड के साथ **साठेगांव यहाँ के सर्व्हे नं.७८/ईई/२ स्थित भूमी और भवन, ग्रा.पं.नारायणखेड, जि.संगारेड्डी, तेलंगाना, क्षेत्र १ एकड ३५ गुंठा,** जिसकी सिमाएं .....
पूर्व : विठ्ठल रेड्डी कि कृषि भूमी **पश्चिम** : आर ॲण्ड बी रोड, नारायणखेड से रायपल्ली
दक्षिण : बी.रमेश कि कृषि भूमी **उत्तर** : तानाजी राव कि कृषि भूमी

२) **मे. श्री लक्ष्मीव्यंकटेश्वरा कॉटन मिल एलएलपी, इनके नामपर बँक फाईनान्स से खरीदी गयी, सर्व्हे नं.७८/ई, साठेगांव, नारायणखेड, जि.संगारेड्डी, तेलंगाना-५०००८४ स्थित दृष्टीबंधक संपूर्ण प्लान्ट और मशीनरी.**

तारीख : ३०/१०/२०२४ सही/-
ठिकाण : नारायणखेड/संगारेड्डी **प्राधिकृत अधिकारी**
(टिप : स्वैर भाषांतर, तफावत पडल्यास मुळ इंग्रजी ग्राह्य) भारतीय स्टेट बँक
SHREE

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.